हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com   भोपाल, रविवार 12 जुलाई 2026

भोपाल में बंगले के बाहर मूंछों पर ताव देते दिखे डॉ. मिश्रा

बेकाबू भीड़ पर आंसू गैस के गोले दागे गए

एक टिकट से तूफान नरोत्तम का टिकट कटने से डबरा से लेकर दतिया तक शनिवार दोपहर तक बवाल

हाईकमान के आदेश पर नरोत्तम को बुलाकर समझाया, तेवर ठंडे

नरोत्तम का टिकट कटने के बाद दतिया में रात भर और शनिवार दोपहर तक उनके समर्थकों ने बवाल काटा, भाजपा दफ्तर को बंधक बना लिया। हाईवे जाम किया और पथराव इतना किया कि कई पुलिस अफसर घायल हो गए, दिल्ली तक इस उपद्रव की गूंज पहुंच गई

ऐसे तेवर हुए नरम

- चुनाव हारने के बाद कहा था- मेरा पानी उतरता देख किनारे पर घर मत बना लेना, मैं समंदर हूं लौटकर आऊंगा

टिकट कटने के बाद बोले

- अब जो चाहे किनारे पर घर बना ले

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया दतिया उपचुनाव की कमान संभालेंगे

हरिभूमि टीम ▶▶भोपाल/ दतिया

प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का दतिया से टिकट कटने के बाद मचे बवाल पर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने सख्त रुख अपनाया है। प्रदेश नेतृत्व को संदेश दिया है कि नरोत्तम को तलब कर समझाया जाए। उन्हें बता दिया जाए कि इस तरह की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यकर्ता पार्टी का निर्णय मान कर काम करें वर्ना एक्शन लिया जाएगा। संदेश मिलने के बाद नरोत्तम शनिवार को पंजाब मेल से भोपाल पहुंचे। यहां प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित अन्य नेताओं ने उनसे बात कर नेतृत्व की मंशा बताई। बताया गया कि पार्टी का ▶▶शेष पेज 4 पर

- शनिवार को पंजाब मेल से भोपाल पहुंचे थे नरोत्तम मिश्रा
- समर्थकों ने दी थी चेतावनी- 24 घंटे में बदलें दतिया का टिकट
- नरोत्तम ने दिया स्पष्टीकरण- मैंने टिकट बदलने को नहीं कहा
- खंडेलवाल ने बताई नेतृत्व की मंशा, अनुशासनहीनता जारी रही तो होगा एक्शन
- पथराव में एसपी एएसपी सहित 8 पुलिसकर्मी घायल

सीएम हाउस में मुख्यमंत्री, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने चर्चा की

अध्यक्ष व संगठन महामंत्री को दी सफाई, समर्थकों से शांत रहने की अपील

रात करीब 8.15 बजे सीएम हाउस पहुंचकर डॉ. मोहन यादव के समक्ष रखा अपना पक्ष

भाजपा के 27 नेताओं पर हुई एफआईआर

शनिवार सुबह प्रशासन ने पूरे दतिया जिले में बीएनएसएस की धारा 163 लागू कर दी। इसके तहत बिना अनुमति किसी भी सभा, जुलूस, धरना-प्रदर्शन और सार्वजनिक आयोजन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। साथ ही 5 या उससे अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर भी रोक लगा दी गई है। कोतवाली पुलिस ने 27 भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। ऐहतियातन दतिया स्थित भाजपा कार्यालय में करीब 250 कार्यकर्ताओं को अंदर ही रोक दिया गया है। कार्यालय के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया और पूरे इलाके की निगरानी की गई, ताकि स्थिति दोबारा न बिगड़े।

गद्दों की आड़ लेकर पत्थरों से बचाव करते दिखे पुलिस कर्मी

तड़के चार बजे पुलिस पर अचानक पथराव, पुलिस ने ली गद्दों की आड़

नरोत्तम समर्थकों का बवाल शनिवार दोपहर तक जारी रहा। पुलिस अधीक्षक मयूर खंडेलवाल ने 'हरिभूमि' को बताया कि प्रशासन की तमाम अपीलों के बावजूद, शनिवार तड़के करीब 4 बजे प्रदर्शनकारियों ने अचानक पुलिस बल पर भारी पथराव शुरू कर दिया। पुलिस वालों गद्दों की आड़ लेकर खुद को बचाया। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े, जिसके बाद उपद्रवियों ने पथराव और तेज कर दिया। इस हिंसक हमले में 8 से अधिक पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस दौरान खुद एसपी मयूर खंडेलवाल और एडिशनल एसपी को भी चोटें आई ▶▶शेष पेज 4 पर

सर्वे रिपोर्ट बनी टिकट कटने का कारण

प्रदेश नेतृत्व ने सभी से चर्चा के बाद एक मात्र नरोत्तम मिश्रा का नाम ही दतिया के लिए भेजा था लेकिन केंद्रीय नेतृत्व को मिली सर्वे रिपोर्ट में नरोत्तम की जीत पर आशंका व्यक्त की गई थी। पिछला चुनाव वे हार चुके थे और प्रचार अभियान के दौरान जनता से माफी मांगना भी उनके खिलाफ गया। दूसरी ▶▶शेष पेज 4 पर

कांग्रेस ने घनश्याम सिंह को बनाया उम्मीदवार

दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस ने पूर्व विधायक और दतिया राजघराने के मुखिया घनश्याम सिंह को उम्मीदवार घोषित किया है। इसकी घोषणा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने की। घनश्याम सिंह और भाजपा के आशुतोष तिवारी के बीच सीधा मुकाबला होगा।

बोले नरोत्तम मिश्रा

अब टिकट मिलने की कोई उम्मीद नहीं

नेतृत्व के बुलावे पर भोपाल पहुंचे नरोत्तम ने मीडिया से बातचीत में स्वीकार किया कि अब टिकट मिलने की कोई उम्मीद नहीं है और उम्मीद लगानी भी नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि दतिया से भाजपा ने आशुतोष को टिकट दिया है। मैं उन्हें जिताने के लिए काम करूंगा। दतिया में पथराव और कुछ पुलिस वालों के घायल होने पर दुख जताते हुए नरोत्तम ने कहा कि विरोध का यह तरीका ठीक नहीं है। अपनी बात उचित फोरम पर ही रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो कार्यकर्ता आक्रोशित हैं, उन्हें मनाने की कोशिश की जाएगी। मैं उनसे बात करूंगा।

सीएम डॉ. यादव ने कहा

दतिया में भी जारी रहेगा विजय अभियान

इंदौर में मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भाजपा का विजय अभियान लगातार जारी है। दतिया से भाजपा प्रत्याशी की घोषणा हो चुकी है और बाबा महाकाल की कृपा से वहां भी पार्टी का यह विजय अभियान जारी रहेगा।

डिप्टी सीएम देवड़ा ने कहा

दतिया में संगठन का निर्णय सर्वोपरि

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि दतिया उपचुनाव को लेकर लिया गया निर्णय भारतीय जनता पार्टी का निर्णय है, जिसे सभी शिरोधार्य करते हैं। संगठन हमारे लिए सर्वोपरि है। पार्टी ने जो निर्णय लिया है, उसका सभी नेता और कार्यकर्ता पूर्ण निष्ठा के साथ पालन करेंगे। डॉ. नरोत्तम पार्टी के वरिष्ठ एवं अनुभवी नेता हैं। वे संगठन की कार्यप्रणाली से भली-भांति परिचित हैं। यदि कहीं किसी ▶▶शेष पेज 4 पर

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बोले

टिकट बदलने की परंपरा भाजपा में नहीं

नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि टिकट घोषित होने के बाद उसे बदलने की परंपरा भाजपा में नहीं रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें नहीं लगता कि दतिया का टिकट बदला जाएगा। उनके अनुसार आशुतोष तिवारी पूर्व संगठन मंत्री रह चुके हैं और पार्टी के मजबूत कार्यकर्ता हैं। नरोत्तम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि वे भाजपा के वरिष्ठ और समर्पित नेता हैं तथा पार्टी ▶▶शेष पेज 4 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

विदेशी मुद्रा 674.19 अरब डॉलर पर पहुंची

मुंबई। भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी राहत की खबर है। भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 3 जुलाई 2026 को समाप्त सप्ताह में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 7.26 अरब डॉलर के मजबूत उछाल के साथ 674.19 अरब डॉलर पर

पहुंच गया है। पिछले सप्ताह इसमें गिरावट देखी गई थी। इस बढ़ोतरी में सबसे बड़ा योगदान फॉरेन करेंसी एसेट्स का रहा, जो 4.51 अरब डॉलर बढ़कर 545.58 अरब डॉलर हो गया। इसके साथ ही सोने का भंडार भी 2.67 अरब डॉलर बढ़कर 105.21 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। आईएमएफ के पास जमा रिजर्व पोजिशन में भी बढ़त दर्ज की गई है।

स्वास्थ्य विभाग अलर्ट : चार अन्य भी संक्रमित

कोविड-19 की वापसी? आंध्र प्रदेश में चार साल बाद पहली मौत से 'हड़कंप'

एजेंसी ▶▶हैदराबाद

साल 2020 से 2023 के बीच पूरी दुनिया ने कोरोना वायरस का भयावह दौर देखा था। हालांकि, पिछले दो वर्षों से संक्रमण के मामलों में भारी गिरावट आने के कारण लोगों ने यह मान लिया था कि कोविड अब बीते दौर की बात हो चुका है। लेकिन, हाल ही में सामने आए कुछ मामलों ने इस घातक महामारी के दोबारा पैर पसारने की आशंका को जन्म दे दिया है। मुंबई में संदिग्ध मामले मिलने के बाद, अब आंध्र प्रदेश से आई एक दुखद खबर ने देश भर में चिंता बढ़ा दी है। आंध्र प्रदेश में करीब चार साल के लंबे अंतराल के बाद कोविड-19 से पहली मौत दर्ज की गई है। इसके साथ ही चार अन्य लोगों में भी कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। राज्य के कडपा जिले में 46 वर्षीय एक व्यक्ति को सांस लेने में गंभीर तकलीफ और लगातार खांसी की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के ▶▶शेष पेज 4 पर

- तीन मरीज फिलहाल होम आइसोलेशन में
- चौथे मरीज को अस्पताल में भर्ती कराया गया
- इन सभी को दो बार वैक्सीन लग चुकी थी

एआई इमेज

वैक्सीन के बावजूद संक्रमण से उठे सवाल

कडपा वायरोलॉजी लैब में किए गए आरटी-पीसीआर टेस्ट में चार अन्य मरीज पॉजिटिव पाए गए हैं। इनमें से तीन मरीज फिलहाल होम आइसोलेशन में हैं, जबकि हल्के लक्षण वाले चौथे मरीज को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात यह है कि सभी संक्रमितों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका था और उन्हें वैक्सीन की दोनों खुराकें लग चुकी थीं। इनमें से एक मरीज ने तो बूस्टर डोज भी ली थी। इस घटना के बाद से स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। प्रभावित क्षेत्रों में कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग और कंटेनमेंट के उपाय तेजी से शुरू कर दिए गए हैं। वैक्सीन की दोनों डोज लेने के बाद भी संक्रमित होने की इस घटना ने एक बार फिर विशेषज्ञों को नए वैरिएंट्स और सुरक्षा उपायों पर दोबारा सोचने के लिए मजबूर कर दिया है।

रेल मदद और उपभोक्ता आयोग में शिकायत, रेलवे ने शुरू की जांच

शताब्दी एक्सप्रेस में परोसी गई एक्सपायरी ब्रेड, तबीयत बिगड़ी

छोटे बच्चों समेत कई यात्रियों को फूड पॉइजनिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

दिल्ली से भोपाल आ रही शताब्दी एक्सप्रेस में शनिवार सुबह यात्रियों को नाश्ते में एक्सपायरी ब्रेड परोसने का मामला सामने आया। इससे छोटे बच्चों सहित अन्य यात्रियों को फूड पॉइजनिंग हो गई। इस मामले में रेलवे की ओर से जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार 12002 नई दिल्ली-रानी कमलापति शताब्दी एक्सप्रेस के सी-4 कोच के करीब 74 यात्री सफर कर रहे थे। यहां नाश्ते में एक्सपायरी डेट की ब्रेड परोसी गई। ज्यादातर यात्री ब्रेड खा चुके थे। इसी दौरान एक यात्री ब्रैड पैकेट पर लिखी तारीख यानी यूज बाय डेट 10 जुलाई 2026 देखी। इसके बाद यात्रियों ने वेंडरों से पूछताछ की। तो मामला सही पाया गया। इसके बाद इस मामले की जानकारी अन्य कोच के यात्री को भी लगी। जिसके बाद ▶▶शेष पेज 4 पर

फॉर्च्यून इंडिया मोस्ट पावरफुल वूमेन 2026 सूची का अनावरण

सूची में श्रीमती नीता अंबानी प्रथम स्थान पर रहीं

श्रीमती नीता एम. अंबानी को इस वर्ष की फॉर्च्यून मोस्ट पावरफुल वुमेन सूची में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। उन्हें यह सम्मान उनके दूरदर्शी विज़न, प्रभावशाली नेतृत्व तथा रिलायंस फाउंडेशन के माध्यम से संस्थान निर्माण और समावेशी विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए मिला है। रिलायंस फाउंडेशन अब तक 10 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर चुका है, जिनमें 2.9 करोड़ बच्चे शामिल हैं।

फॉर्च्यून इंडिया ने शुक्रवार को मुंबई के फोर सीज़न्स होटल में अपने प्रमुख मोस्ट पावरफुल वूमेन 2026 समारोह का आयोजन किया, जिसमें व्यवसाय, वित्त, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, सार्वजनिक नीति और उद्यमिता जगत की भारत की अग्रणी महिला नेताओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर फॉर्च्यून इंडिया मोस्ट पावरफुल वूमेन 2026 सूची का अनावरण किया गया, जिसमें उन 100 महिलाओं को सम्मानित किया गया जिनका नेतृत्व देश की अर्थव्यवस्था और कारोबारी परिदृश्य को नई दिशा दे रहा है। शाम के दौरान नेतृत्व के भविष्य, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), वित्तीय सशक्ति करण, उद्यमिता, समावेशन और राष्ट्र-निर्माण जैसे विषयों पर कई प्रभावशाली और ओजस्वी विचारों से परिपूर्ण सत्र आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में से एक के रूप में रिलायंस फाउंडेशन की चेयर पर्सन और इस वर्ष की नंबर 1 मोस्ट पावरफुल वूमेन नीता अंबानी ने नेतृत्व की व्यापक परिभाषा पर जोर देते हुए कहा कि नेतृत्व का आधार करुणा, समावेशन और अवसर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के भविष्य के लिए बेटियों में निवेश करना अत्यंत आवश्यक है। विभिन्न सत्रों में उद्योग जगत के नेताओं ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यद्यपि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, भू-राजनीतिक बदलाव और तेज़ी से विकसित हो रही तकनीक उद्योगों को बदल रही है, फिर भी प्रभावी नेतृत्व की असली पहचान जिज्ञासा, दृढ़ता, ग्राहक-केंद्रित सोच और मानवीय विवेक ही रहेंगे। वित्तीय समावेशन पर हुई चर्चाओं में इस बात पर बल दिया गया कि महिलाओं के सशक्तिकरण का अगला चरण केवल वित्तीय सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें संपत्ति सृजन और वित्तीय निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में समावेशी कार्यस्थलों के निर्माण, लंबे समय तक प्रभाव छोड़ने वाले उपभोक्ता ब्रांड विकसित करने तथा विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी सार्थक चर्चा हुई। मोस्ट पावरफुल वूमेन मंच आज भारत के सबसे प्रभावशाली नेतृत्व मंचों में से एक के रूप में अपनी पहचान और प्रभाव लगातार मजबूत कर रहा है। वर्ष 2026 का यह संस्करण इस बात की पुनर्पुष्टि करता है कि फॉर्च्यून इंडिया व्यवसाय और समाज में सार्थक परिवर्तन लाने वाली महिलाओं को सम्मानित करने और उनकी उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के अपने संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध है।

नीता अंबानी, चेयरपर्सन, रिलायंस फ़ाउंडेशन, इम्पैक्ट लीडरशिप

धीरूभाई अंबानी ने एक बार कहा था, "जो लोग सपने देखने की हिम्मत करते हैं, उनके लिए जीतने के लिए पूरी दुनिया होती है।" और परिवार में जिस व्यक्ति ने बड़े और सबके साथ मिलकर आगे बढ़ने वाले सपने देखे हैं, वे उनकी बहू नीता अंबानी हैं। रिलायंस फ़ाउंडेशन की चेयरपर्सन के तौर पर, वह ऐसे संस्थान बनाने पर ध्यान देती हैं जो बड़े पैमाने पर काम करने के साथ-साथ सामाजिक बदलाव भी लाते हैं, और साथ ही सबके साथ मिलकर विकास (इनक्लूसिव ग्रोथ) के विज़न को आगे बढ़ाते हैं।

शुरुआत से ही, फ़ाउंडेशन ने अपनी सामाजिक पहलों के ज़रिए 9.7 करोड़ से ज़्यादा लोगों की ज़िंदगी को छुआ है। अकेले FY26 में, इसने सीएसआर प्रोग्राम पर 2,248 करोड़ रू. खर्च किए, जो पिछले साल के 2,156 रू. करोड़ से ज़्यादा है। आगे की बात करें तो, अंबानी ने 2035 तक फ़ाउंडेशन के सामाजिक प्रभाव को पाँच गुना बढ़ाने की योजना बनाई है। इसमें मुंबई में 2,000 बिस्तरों वाले मेडिकल सिटी के साथ जुड़ा एक मेडिकल कॉलेज बनाना भी शामिल है। 'वंतारा' में, वह दुनिया की पहली वाइल्डलाइफ़ यूनिवर्सिटी बनाने का सपना देखती हैं। "आने वाले सालों में हम जो हासिल कर सकते हैं, उसे लेकर मैं उत्साहित हूँ।"

इस महत्वपूर्ण अवसर पर एक बातचीत में श्री नेविन जॉन ने बताया कि श्रीमती नीता अंबानी जी कहती हैं "हमारे लिए, 'अच्छा काम करना' सिर्फ़ एक पहल नहीं है और 'WE CARE' (हम परवाह करते हैं) सिर्फ़ एक सोच नहीं है। यह जीने का एक तरीका है... असली ताकत दूसरों को ऊपर उठाने में है।"

संबंधित विभागों से समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने की मांग

अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को मिली अव्यवस्था श्री बाबा अमरनाथ धर्मार्थ सेवा समिति ने जाहिर की चिंता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

श्री बाबा अमरनाथ धर्मार्थ सेवा समिति की एक बैठक शनिवार को हुई। जिसमें अमरनाथ यात्रा की व्यवस्थाओं में सुधार तथा देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है। समिति ने केंद्र सरकार, जम्मू-कश्मीर प्रशासन और संबंधित विभागों से श्रद्धालुओं की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की है। समिति अध्यक्ष रामविलास टाले गुर्जर ने बताया कि समिति पिछले 16 वर्षों से श्रद्धालुओं को बाबा अमरनाथ के दर्शन करा रही है और अब तक लगभग 13 हजार श्रद्धालुओं को यात्रा करवा चुकी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024, 2025 और 2026 में यात्रा शुरू होने के कुछ ही दिनों बाद यात्रियों पर प्रतिबंध और व्यवस्थागत बाधाओं के कारण श्रद्धालुओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। समिति का कहना है कि लाखों श्रद्धालु पूरे वर्ष बाबा अमरनाथ के दर्शन की प्रतीक्षा करते हैं, लेकिन यात्रा शुरू होने से पहले मेडिकल परीक्षण, पंजीयन, लंबी कतारें, भीषण गर्मी, पेयजल और बैठने जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव श्रद्धालुओं के लिए बड़ी समस्या बन जाता है। इसके अलावा यात्रा की तैयारी और पंजीयन की प्रक्रिया में ही हजारों रुपये खर्च हो जाते हैं, जबकि रेल टिकट भी 60 दिन पहले कराने के बावजूद प्रतीक्षा सूची में रह जाती है।

श्री बाबा अमरनाथ धर्मार्थ सेवा समिति ने यात्रा में व्यवस्था बनाने केंद्र सरकार, जम्मू-कश्मीर प्रशासन को पत्र लिखा।

अयोध्या, नलखेड़ा चंदा चोरी पर भी हुई चर्चा

समिति ने अयोध्या, नलखेड़ा सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर सामने आए कथित अनियमितताओं और श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली घटनाओं पर भी चिंता व्यक्त की। समिति का कहना है कि श्रद्धालु अपनी मेहनत की कमाई आस्था के साथ भगवान के चरणों में अर्पित करते हैं, इसलिए धार्मिक स्थलों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही, भ्रष्टाचार या श्रद्धालुओं के साथ धोखाधड़ी करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। इस मौके पर रामविलास टाले गुर्जर, भारत सिंह, राजकुमार सैनी, पं. विजय उपाध्याय, मंगलेश फुलरे, शैलेन्द्र गुर्जर, मुकेश, लक्ष्मीनारायण, जानकी प्रसाद, निसर्ग टाले, सुषमा टाले, हेमा, राजेश लाठी, गोलू विश्वकर्मा, हरीश, विनोद, सुनील और अजय सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद थे।

रवि प्रदोष पर केसर व रक्त चंदन से होगा बटेश्वर का रुद्राभिषेक

भोपाल। श्रीबड़वाले महादेव मंदिर समिति द्वारा रविवार रवि प्रदोष के अवसर पर बाबा बटेश्वर का रुद्राभिषेक कर श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर समिति के संजय अग्रवाल एवं प्रमोद नेमा ने बताया प्रदोष काल में केसर एवं रक्त चंदन से बटेश्वर का रुद्राभिषेक कर समस्त शिव अनुरागियों के सूर्य ग्रह को प्रबल करने एवं आरोग्य व दीघार्यु होने की कामना की जाएगी। तो वहीं रात 9:00 बजे से भजन संध्या एवं विभिन्न फूलों से श्रृंगार कर महा आरती होगी।

स्वच्छता को लेकर नगर ननि ने बनाए 79 केस, वसूला दंड

जोन-14 में 28, जोन-13 में 23, जोन-15 में 16 और जोन-16 में 12 लोगों पर कार्रवाई

भोपाल। नगर निगम ने शहर में स्वच्छता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से गंदगी फैलाने, प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक व पॉलीथीन का उपयोग करने, सार्वजनिक स्थानों पर सीएंडडी वेस्ट फेंकने तथा संपत्ति विरूपण करने वालों के खिलाफ शनिवार को विशेष अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान 79 प्रकरणों में 12 हजार 100 रुपए का स्पॉट फाइन वसूला। निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर विभिन्न जोनों में एक साथ कार्रवाई की गई। अभियान के तहत सार्वजनिक स्थलों, बिजली के खंभों और दीवारों पर पोस्टर-बैनर लगाकर संपत्ति विरूपण करने वालों तथा साफ-सफाई व्यवस्था में बाधा डालने वालों पर जुर्माना लगाया गया।

जयप्रकाश चिकित्सालय और हमीदिया अस्पताल की ओपीडी में बढ़े 30 प्रतिशत मरीज

बारिश थमी: धूप ने बिगाड़ी सेहत, बुखार, उल्टी सर्दी-जुकाम और दस्त के मरीजों में बढ़ोतरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बारिश के थमने और गर्मी के बढ़ने के कारण शहरवासियों की सेहत पर अटैक कर दिया। दिन में धूप, शाम को बादल और रात में बेमौसम हो रही बारिश ने बुखार, उल्टी, दस्त और सर्दी-जुकाम के मरीज बढ़ा दिए है।

जेपी हो या फिर हमीदिया अस्पताल बुखार, उल्टी, दस्त, सर्दी, जुकाम के मरीजों में 30 प्रतिशत बढ़ गए है। हमीदिया और जेपी अस्पताल में सर्वाधिक मरीज मेडिसिन विभाग में पहुंचे। बारिश के बाद गर्मी से लोगों को राहत मिली थी। पर सुबह से ही कड़ी धूप हो रही है। उसका खराब असर लोगों की सेहत पर पड़ने लगा है। लोग सर्दी-जुकाम के साथ ही बुखार से पीड़ित हो रहे हैं। बारिश बंद होने के बाद एकाएक धूप होने से सेहत बिगड़ रही है। अस्पतालों में ओपीडी पर्ची काउंटर पर सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक मरीज और तीमारदारों की कतरा लग रही है।

आंख की बीमारी के भी शिकार

मौसम में बदलाव होने के कारण लोग आंख की बीमारी के भी शिकार हो रहे हैं। बारिश के पानी के कारण आंख में जलन, खुजली और पानी आने जैसी समस्या हो रही है।

जयप्रकाश अस्पताल में लाइन में लगे मरीज।

वायरल मरीजों को बिना मास्क नहीं देखेंगे डॉक्टर

सरकारी अस्पताल में वायरल के मरीजों को बिना मास्क के इलाज नहीं मिलेगा। खांसी, जुकाम, बुखार, गले में खराश, सीने में जकड़न जैसे लक्षणों के साथ पहुंचने वाले मरीजों को पंजीयन के दौरान ही मास्क दिया जाएगा।

विटामिन और कैल्शियम की दवा खाएं

मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ धीरज शुक्ला ने बताया कि इम्युनिटी बनाए रखने के लिए हर दो दिन में विटामिन की दवाएं खाएं। इसके अलावा कैल्शियम की दवाएं रोज खा सके तो अच्छा होता है। ताकि शरीर में इम्युनिटी बनी रहे और शरीर में बीमारियों से लड़ने की क्षमता बनी रहे। यदि दवाएं नहीं खा सकते, तो जिन फलों में विटामिन होते है उनका उपयोग करें। वहीं ठंडा पानी पीने और बारिश में भीगने से बचें।

घर-घर में कोई न कोई बीमार

मौसम में बदलाव से वायरल का प्रकोप बढ़ गया है। वायरल का असर इतना है कि घर-घर में कोई न कोई बीमार चल रहा है। किसी को सर्दी-जुकाम तो किसी को बुखार ने अपनी चपेट में ले लिया है। वायरल का असर लोगों के स्वास्थ्य पर कितना है इसका अंदाजा अस्पताल में मरीजों की बढ़ती संख्या से लगाया जा सकता है।

रोगियों को प्रदान करेंगे मास्क

अस्पताल में वायरल रोगियों को पंजीयन के दौरान ही मास्क दिए जाएंगे, जिससे मरीज व कार्यरत स्टाफ इन रोगों की चपेट में ना आए। यदि हर व्यक्ति खुद से ऐसे एहतियात बरते तो वायरल और फैलने वाले रोगों को सीमित किया जा सकता है।
डॉ. संजय जैन, अधीक्षक, जेपी अस्पताल

दस महीनों से अटका ब्रिज कोर्स, शिक्षक हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग में ब्रिज कोर्स को लेकर बीते कई माह से असमंजस की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में बीएडधारी प्राथमिक शिक्षक परेशान हो रहे हैं।

शिक्षकों द्वारा बताया जा रहा है कि ब्रिज कोर्स के लिए 25-25 हजार रुपये जमा कराने के करीब 10 महीने बाद भी कोर्स शुरू नहीं हो सका है। शिक्षकों के अनुसार राज्य के 10,579 बीएडधारी प्राथमिक शिक्षकों से ब्रिज कोर्स के लिए 25,000 प्रति शिक्षक शुल्क जमा कराया गया है। इनमें से 10,521 शिक्षकों के आवेदन स्वीकृत भी हो चुके हैं।

इसके बावजूद करीब 10 महीने बीत जाने के बाद भी कोर्स शुरू नहीं हो पाया, जिससे हजारों शिक्षक असमंजस में हैं। उनका कहना है कि जब कोर्स शुरू ही नहीं हुआ, तो इसकी देरी का खामियाजा उन्हें क्यों भुगतना पड़ रहा है?

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

वियतनाम में दर्दनाक हादसा
15 भारतीयों की मौत
पर्यटकों से भरी बोट पलटी, इसमें 32 भारतीय सवार थे

- तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के थे ज्यादातर लोग
- किसी भी पर्यटक ने नहीं पहनी थी लाइफ जैकेट
- हादसे के समय समंदर में काफी ऊंची और तेज लहरें उठ रही थीं

हादसे के वक्त पर दो दावे
1 हादसा सुबह करीब 10:30 बजे हुआ
2 हादसा दोपहर करीब 1 बजे हुआ

किनारे से 400 मीटर पहले ही मौत ने घेरा

एजेंसी ▶▶ हनोई/नई दिल्ली

वियतनाम के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल फु क्वोक द्वीप के पास शनिवार को एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है। भारतीय पर्यटकों को ले जा रही एक तेज रफ्तार स्पीडबोट समंदर में अचानक पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं। बताया जा रहा है कि बोट पर कुल 36 लोग सवार थे, जिनमें से 32 पर्यटक भारत के थे। इनमें से अधिकांश लोग दक्षिण भारतीय राज्यों, मुख्य रूप से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के रहने वाले थे।हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और तटीय सुरक्षा एजेंसियों ने युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य (रेस्क्यू ऑपरेशन) शुरू कर दिया ▶▶ शेष पेज 4 पर

हेल्पलाइन नंबर जारी

- भारतीय मिशन ने आश्वस्त किया है कि वे वियतनाम में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों और उनके परिवारों की हर संभव मदद और उनके हर सवाल का जवाब देने के लिए 24 घंटे उपलब्ध हैं। पीड़ित परिवार किसी भी तरह की जानकारी या सहायता के लिए इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।
- **फुक्वोक कंट्रोल रूम:** +84 36 281 7930, +84 91 552 37 14, और +84 33 452 0414
- **हनोई मुख्य कंट्रोल रूम:** +84 91 308 9165

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताया गहरा दुख

वियतनाम में हुई बोट दुर्घटना बेहद दुखद है। इस हादसे में अपनी जान गंवाने वाले भारतीय नागरिकों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। वियतनाम में भारत का दूतावास और वाणिज्य दूतावास स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर प्रभावितों को हरसंभव सहायता पहुंचाने में जुटे हैं। हमारे अधिकारी वियतनाम के उच्च अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए हैं।

खबर संक्षेप

सूदखोरों से परेशान किसान ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

ग्वालियर। सूदखोरों की प्रताड़ना से तंग आकर मुरार निवासी किसान तिलक सिंह राणा ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। टक्कर इतनी जोरदार थी कि शव दो टुकड़ों में बंट गया। मृतक के पास से पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें जीजा-साले समेत तीन लोगों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया गया है। परिजनों के अनुसार, तिलक सिंह ने कल्ला शर्मा नाम के व्यक्ति से 5 लाख रुपए उधार लिए थे।

1605 दिन बाद नंबर-1 से फिसली टीम इंडिया

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने भारत को 5वें टी20 इंटरनेशनल मैच में हराकर न सिर्फ सीरीज जीती बल्कि इस फॉर्मेट में नंबर-1 की गद्दी पर भी कब्जा जमा लिया है। भारत की टी20 इंटरनेशनल में 1605 दिन की बादशाहत खत्म हो गई है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया का इस सीरीज में शर्मनाक प्रदर्शन रहा, जिसका नतीजा उन्हें 0-4 से हार रहा। आखिरी टी20 मैच में भी इंग्लैंड ने भारत पर बड़ी जीत दर्ज की।

टीवी एक्टर रोहित चंदेल पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार

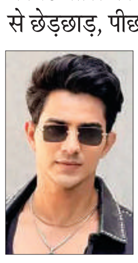

मुंबई। टीवी एक्टर रोहित चंदेल को 16 साल की नाबालिग लड़की से छेड़छाड़, पीछा करने और मारपीट के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन पर पॉक्सो एक्ट समेत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज हुआ है। पंत नगर पुलिस ने शिकायत के बाद 10 जुलाई को एक्टर को दहिसर स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें कस्टडी में भेज दिया गया है।

इंदौर में हुई 'माय यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026'
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- आपके सपनों को पूरा करने हर मदद के लिए तैयार है सरकार

युवाओं ने मुख्यमंत्री को विकसित और प्रगतिशील मप्र का 'संकल्प पत्र' सौंपा

सीएम ने कहा कि युवा शक्ति हमारे महापुरुषों से प्रेरणा लेकर अपनी क्षमता, योग्यता और बुद्धिमत्ता से देश और समाज में अलग पहचान बनाए

बाइक रैली में सीएम

भारत दुनिया का सबसे युवा देश और मप्र सबसे युवा प्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 'माय यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026' में चर्चा करते हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 'माय यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026' अनूठा कार्यक्रम है। मप्र सरकार युवाओं के भविष्य के लिए आने वाले कल के लिए युवाओं के सपनों के लिए हर मदद के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश और मप्र सबसे युवा प्रदेश है। युवा शक्ति अवसरों का लाभ उठाए। प्रदेश सरकार युवा शक्ति को आगे बढ़ाने के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में कही।

मुख्यमंत्री ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'माय यूथ-माय प्राइड ▶▶ शेष पेज 4 पर

मुख्यमंत्री ने साइकिल रैली को दिखाई हरी झंडी

युवाओं ने बताया कि कैसे मप्र बन सकता है विकसित

युवा हमारा भविष्य, दुनियाभर में अपने झंडे गाड़ रहा

प्रमुख सचिव उद्योग राघवेंद्र सिंह ने कहा कि भारत दुनिया भर में अपने झंडे गाड़ रहा है। आज की आजाद बाइक रैली अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्मस्थली तक जाएगी। इस मौके पर 'माय यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026' में पांच अलग-अलग विषयों पर युवाओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए हैं। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2027 को युवा वर्ष के रूप में मनाने का संकल्प लिया है। युवा शक्ति हमारा भविष्य है, जो विकसित भारत @2047 के संकल्प को सिद्ध करेंगे।

युवाओं ने बताई अपनी सफलता व मेहनत की कहानी

- कशिश आहूजा-संकल्प सिंह चौहान ने शिक्षा-कौशल विकास, अमीक अमानी ने खेल क्षेत्र में संकल्प पत्र का वाचन किया। डॉ. महक भंडारी ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में आभा आईडी के माध्यम से सभी रिपोर्ट्स अब मोबाइल पर डिजिटल फॉर्म में उपलब्ध हैं। हमारे युवा स्वास्थ्य कर्मी वॉलेंटियर्स बनकर सिंहस्थ के आयोजन में सहयोग प्रदान करेंगे। सानिया जसवानी ने बताया कि प्रदेश की युवा शक्ति ऊर्जा से भरी हुई है। नवाचार को लेकर आगे बढ़ेंगे। समृद्ध मध्यप्रदेश @2047 के संकल्प में युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।
- लखन पाटीदार-जितेंद्र पाटीदार ने कहा कि प्राकृतिक खेती से हम पर्यावरण संरक्षण के प्रति अधिक जिम्मेदार बन रहे हैं। हमारे युवा प्राकृतिक खेती कर अपना ब्रांड बनाएं और डिजिटल मार्केटिंग से उपज को बेचकर आय कमाएं। अब ग्रामीण हाट ▶▶ शेष पेज 4 पर

बद्रीनाथ धाम चढ़ावा चोरी केस

एसआईटी खंगाल रही 3 साल का रिकॉर्ड, बैंक खातों पर नजर

पुलिस यह पता लगा रही है कि इस अवधि में कितना चढ़ावा आया, उसे कहां रखा गया और गणना की प्रक्रिया क्या थी?

एजेंसी ▶▶ देहरादून

बद्रीनाथ धाम में चढ़ावा चोरी का मामला गरमाता जा रहा है। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस द्वारा गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) एक्शन मोड में आ गई है।

चमोली पुलिस ने पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट के नेतृत्व में एक मजबूत टीम तैनात की है, जिसमें बद्रीनाथ थानाध्यक्ष महादेव उनियाल और एसओजी के जवानों को शामिल किया गया है। जांच टीम मामले की वैज्ञानिक और कानूनी कसौटी पर हर एक कड़ी को जोड़ने में जुटी है। जांच अधिकारी सीओ मदन सिंह बिष्ट के अनुसार बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) से पिछले तीन वर्षों का विस्तृत रिकॉर्ड मांगा गया है।

पुलिस यह पता लगा रही है कि इस अवधि में कितना चढ़ावा आया, उसे कहां रखा गया और गणना की प्रक्रिया क्या थी। इसके अलावा, पिछले तीन साल में तैनात रहे और वर्तमान में कार्यरत सभी अधिकारियों व कर्मचारियों का विवरण भी तलब किया गया है ताकि जिम्मेदारियों का पता लगाया जा सके। एसआईटी आरोपी कर्मचारी प्रमोद नौटियाल की कॉल डिटेल, ईमेल और बैंक खातों की गहन जांच कर रही है। मामले की सबसे अहम कड़ी सीसीटीवी फुटेज को माना जा रहा है।

47 मंदिरों का प्रबंधन करती है बद्रीनाथ मंदिर: बद्रीनाथ केदारनाथ समिति बद्रीनाथ मंदिर के साथ-साथ अन्य 47 मंदिरों का प्रबंधन करती है। बता दें कि इससे पहले बद्रीनाथ-केदारनाथ समिति पर दर्शन कराने के नाम पर पैसों का दुरुपयोग करने का आरोप लगा था। फिलहाल मामले की सत्यता जांच के बाद सामने आएगी।

नजदीकी दुकान से मंगाई थी बोतल
सीलबंद पानी की बोतल में निकला तेजाब, युवती भर्ती

एजेंसी ▶▶ हापुड़

रिया (पीड़िता)

उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां एक सीलबंद पानी की बोतल में पानी की जगह कथित तौर पर तेजाब जैसा खतरनाक तरल पदार्थ निकला। इस पानी को पीते ही एक युवती की तबीयत बिगड़ गई। जिसे गंभीर हालत में मेरठ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें युवती पानी पीने के कुछ ही सेकंड बाद बेचैन होकर भागती दिख रही है। जानकारी के मुताबिक, अर्जुन नगर की रहने वाली रिया अपनी मां के साथ पास की एक सर्राफा दुकान पर जेवर खरीदने गई थी। प्यास लगने पर दुकानदार ने पास के एक जनरल स्टोर से ठंडी और ▶▶ शेष पेज 4 पर

तेलंगाना पुलिस पर लापरवाही का आरोप
जमानत पर छूटते ही रेप के आरोपी ने 6 लोगों की हत्या की

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

आरोपी राजकुमार

तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां नाबालिग से रेप के एक आरोपी ने शुक्रवार रात जमानत पर बाहर आते ही 6 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी राजकुमार के खिलाफ बीती 16 मई को पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ था। जमानत मिलने के बाद आरोपी ने सबसे पहले अपने ही घर में 30 वर्षीय पत्नी और 4 साल व 18 महीने के दो मासूम बेटों को मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद वह 6 किलोमीटर दूर दूसरे गांव पहुंचा, जहां उसने 17 वर्षीय रेप पीड़िता, उसकी मां और नानी की भी हत्या कर दी। पीड़िता के परिवार का आरोप है कि आरोपी लगातार पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी ▶▶ शेष पेज 4 पर

हमने न्यूजीलैंड से भी बहुत कुछ सीखा है और अब भी सीख रहे

पीएम मोदी बोले- मैं 25 साल पुराना मफलर पहनकर न्यूजीलैंड आया हूं

एजेंसी ▶▶ ऑकलैंड। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने करीब तीन दशक पुराना किस्सा सुनाया। पीएम ने कहा- 25-30 साल पहले जब मैं किसी सरकार का हिस्सा नहीं था, तब मुझे यहां आने का मौका मिला था। उस समय मुझे किसी ने गिफ्ट में 3 चीजें दीं, जो मैं भारत लेकर गया। एक- मफलर, दूसरी- कैप और तीसरा- एक सेट दस्ताना। उसमें भी एक चीज मैं अभी यहां इस कार्यक्रम में भी लेकर आया हूं। इस मफलर को मैंने कई बार इस्तेमाल किया और आज भी संभाल कर रखा है। पीएम ने आगे कहा कि हमारे लिए सामने वाले देश की जनसंख्या नहीं, जनकल्याण की भावना मायने रखती है। और इसलिए हमने न्यूजीलैंड से भी बहुत कुछ सीखा है और अब भी सीख रहे हैं।

आलीराजपुर में दरिंदगी और डकैती
महिला से गैंगरेप कर प्राइवेट पार्ट में डाली लकड़ी, 1 किलो चांदी लूटी

चांदी की तलाश में घर की खुदाई की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आलीराजपुर

जिले के बोरी क्षेत्र में शुक्रवार रात मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां 8 से 10 हथियारबंद बदमाशों ने एक विधवा महिला के घर में घुसकर न केवल लूटपाट की, बल्कि महिला को बंधक बनाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म (गैंगरेप) भी किया। दरिंदगी की हदें पार करते हुए बदमाशों ने पीड़िता के प्राइवेट पार्ट में लकड़ी डाल दी। गंभीर हालत में महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि बदमाशों को महिला के घर में 8 किलोग्राम चांदी होने का शक था। बंधक बनी डरी-सहमी महिला ने अपने पास रखी 1 किलोग्राम चांदी बदमाशों को सौंप दी, लेकिन वे बाकी चांदी की मांग पर अड़े रहे।

घर का सामान भी इधर उधर बिखेर दिया

चांदी की तलाश में बदमाशों ने पूरे घर का सामान बिखेर दिया और घर के भीतर तीन से चार जगहों पर खुदाई भी की। इस अमानवीय घटना के बाद स्थानीय लोगों और आदिवासी संगठनों में भारी आक्रोश है। आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष व कांग्रेस नेता महेश पटेल ने कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए प्रशासन के सामने चार मांगें रखी हैं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष व उच्चस्तरीय जांच, आरोपियों ▶▶ शेष पेज 4 पर

विदाई का सही वक्त तय करता है महानता

समय स्वयं से कभी सार्वजनिक घोषणा नहीं करता। वह कोई शंखनाद नहीं करता, कोई बिगुल भी नहीं बजाता। वह केवल संकेत देता है। जो संकेतों को समझ लेते हैं, वे इतिहास में गरिमा के साथ दर्ज होते हैं। जो उन्हें अनसुना करते हैं, वे भी इतिहास में दर्ज तो होते हैं, लेकिन उनके अंतिम अध्याय पर अक्सर एक अनावश्यक उदासी की परत चढ़ जाती है।

लंदन से डॉ. हिमांशु द्विवेदी

गत दिवस विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर जैनिक सिनर के हाथों नोवाक जोकोविच की लगातार तीन सेटों में हुई हार केवल एक सेमीफाइनल का परिणाम नहीं थी। वह समय की दस्तक थी। यह वह क्षण था, जब टेनिस ने स्वयं अपने सबसे बड़े योद्धाओं में से एक से समय ने कहा, अब अगली पीढ़ी का समय है।

रोजर फेडरर ने यह आवाज समय रहते सुन ली थी। राफेल नडाल ने भी सुन ली। दोनों जानते थे कि महानता केवल यह नहीं कि आप कितनी बार जीतते हैं, महानता यह भी है कि आप विदा कब लेते हैं? वे खेल से हारे नहीं थे, उन्होंने बढ़ती उम्र के अहसास को महसूस कर समय से संघर्ष करना छोड़ दिया था। इसलिए आज उनकी स्मृतियों में पराजय नहीं, केवल वैभव दिखाई देता है।

नोवाक जोकोविच अलग प्रकृति के खिलाड़ी हैं। शायद टेनिस इतिहास में उनसे अधिक जुझारू खिलाड़ी कम ही हुए हैं। टूटना उन्होंने सीखा ही नहीं। कठिन से कठिन परिस्थितियों में लौटकर जीतना उनकी पहचान रही ▶▶ शेष पेज 13 पर

शीर्ष दो खिलाड़ियों के बीच फाइनल

विम्बलडन का पुरुष एकल फाइनल इस बार दुनिया के नंबर एक और नंबर दो खिलाड़ियों के बीच खेला जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि पिछले वर्ष भी फाइनल शीर्ष दो खिलाड़ियों के बीच ही हुआ था, बस चेहरे बदल गए हैं। तब मुकाबला कार्लोस अल्काराज़ और यानिक सिनर के बीच था, जिसमें सिनर ने बाज़ी मारते हुए फ्रेंच ओपन की हार का बदला महज़ कुछ ही सप्ताह बाद विम्बलडन की घास पर चुका दिया था। इस बार कहानी फिर कुछ वैसी ही लग रही है। फर्क इतना है कि सामने कार्लोस ▶▶ शेष पेज 13 पर

वार्ड 41 वार्ड के विकास के लिए डेढ़ करोड़ रुपए के प्रस्ताव, रुके काम जल्द होंगे पूरे... मरीजों के लिए संजीवनी क्लीनिक भी बनेगा

आईएनएच न्यूज चैनल पर आज रविवार शाम 6.25 बजे से देखिए प्रसारण

आईएनएच हरिभूमि के मंच पर जनता ने बेबाकी से रखी अपनी-अपनी बात... बोले- वार्ड में सरकारी स्कूल और अस्पताल की कमी

जनप्रतिनिधि का जवाब- आयुष्मान कार्ड से इलाज की सुविधा मिल रही है। संजीवनी क्लीनिक के लिए प्रस्ताव भेजा है। शिक्षा का स्तर भी सुधार रहे हैं।

हरिभूमि टीम ▶▶ भोपाल

आईएनएच और दैनिक हरिभूमि समाचार पत्र की ओर से वार्ड-41 में 'मेरा वार्ड-मेरी बात' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुल बोगदा स्थित मन्नत शादी हॉल में कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय पार्षद डॉ. रेहान सिद्दीकी से आम लोगों ने सवाल पूछे, जिसके उन्होंने जवाब दिए।

विपक्ष की ओर से फहीम बख्श, आम आदमी पार्टी के जावेद खान, समाज सेवी जाहिद खान ने वार्ड से जुड़ी समस्याओं को साझा किया। कार्यक्रम में पार्षद ने लोगों की समस्याओं को सुना और मुद्दों पर समाधान और आगामी कार्य योजना की जानकारी दी। इस कार्यक्रम का आज रविवार को आईएनएच न्यूज चैनल पर प्रसारण किया जाएगा।

हरिभूमि समाचार पत्र की प्रति लहराई

कार्यक्रम के दौरान अजहर मिर्जा ने क्षेत्र की समस्या से संबंधित हरिभूमि की प्रति लहराते हुए कहा कि वार्ड में विकास नहीं हुआ। हरिभूमि समाचार पत्र में छपी खबर को सच का आईना बताते हुए कहा कि समस्याएं बहुत हैं और उनकी ओर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि ध्यान नहीं दे रहे हैं।

कार्यक्रम में दलों के अलावा समाजसेवी, महिलाएं व बच्चे हुए शामिल

सड़क, नाली और पानी की समस्याएं कर रहे हैं दूर

पार्षद डॉ. रेहान सिद्दीकी ने कहा कि उनके पार्षद बनने से पहले वार्ड की हालत खराब थी, अंत्योदय नगर में बारिश में सड़कें तालाब बन जाती थीं। सड़कें नहीं थीं, नाले खुले थे। गंदगी और बदबू से वार्ड घिरा था, लेकिन अब वार्ड की स्थिति बदल गई है। अधिकांश सड़कें बन चुकी हैं। कुछ जगह पर सड़क, नाली और पानी से संबंधित शिकायतें हैं, उन्हें दूर किया जा रहा है। वार्ड के विकास के लिए डेढ़ करोड़ रुपए के प्रस्ताव हैं, जिन्हें मंजूरी मिलते ही काम शुरू हो जाएगा।

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्रीय पार्षद के कामकाज पर सवाल उठाते हुए कहा कि वार्ड में समस्याएं बहुत हैं। विकास नहीं हो रहा है। शिक्षा को लेकर कोई कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। स्कूल और अस्पताल की कमी है। लोगों को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल जाना पड़ता है। इस पर क्षेत्रीय पार्षद ने जवाब देते हुए कहा कि वे शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए काम कर रहे हैं। इसमें लगातार सुधार हो रहा है। संजीवनी क्लीनिक के लिए प्रस्ताव भेजा गया है।

हरिभूमि समाचार पत्र के संपादक प्रमोद भारद्वाज ने पार्षद डॉ. रेहान सिद्दीकी को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

महाप्रबंधक डॉ. नीरज पांडे ने प्रतिभावान छात्रा कुनसुम को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

बड़ी संख्या में पहुंची महिलाएं बोलीं- विकास कार्य हुए हैं

'मेरा वार्ड-मेरी बात' कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाएं बुर्के में पहुंची और अपने पार्षद के काम का समर्थन करते हुए कहा कि भाजपा के शासनकाल में शिक्षा का स्तर उंचा हुआ है। विकास कार्य हुए हैं। बदलाव हो रहा है। कई महिलाओं की कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों से बहस भी हुई।

प्रसार प्रबंधक एवं रीजनल हेड शशिकांत चतुर्वेदी ने अनाजिया को सम्मानित किया।

क्या कहते हैं लोग

वार्ड में 16 वर्ष से नहीं हुआ है कोई विकास

वार्ड में 16 साल से कोई विकास नहीं हुआ है। सड़क, सीवेज, पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं तक मुहैया नहीं हैं। बाग फरहत अफ्जा में सड़क एक साल से खुदी पड़ी है। गलियों में नाली और गंदगी की समस्या है।

जमशेद आलम, रहवासी

वार्ड में समस्याएं बढ़ी हैं, आम लोग परेशान

वार्ड में समस्याएं ही समस्याएं हैं। आम लोग परेशान हैं। विकास के नाम पर कुछ नहीं हो रहा है। स्कूलों की हालत ठीक नहीं है। सड़कें नहीं बन रही हैं। लोग गड्ढों भरे रास्तों से आवाजाही कर रहे हैं।

आसिफ काजी, रहवासी

शिक्षा का स्तर सुधरा है विकास कार्य भी हो रहे

कांग्रेस लगातार झूठ बोलती है। कांग्रेस पार्टी विकास की बात नहीं करती। लगातार झूठ बोल रही है। इसका कारण है कि देश के अधिकांश राज्यों में भाजपा की सरकार है। भाजपा के शासनकाल में शिक्षा का स्तर सुधरा है और विकास हो रहे हैं। शहर में मेट्रो, ब्रिज, अच्छी सड़कें भाजपा सरकर की देन हैं।

सुनीता सुडोले, रहवासी

बच्चे पढ़ाई करने के लिए अपने वार्ड से जाते हैं दूर

वार्ड में स्कूल की कमी है। बच्चे पढाई करने अपने वार्ड से दूर जाते हैं। रिटायर्ड लोगों के पेंशन के मामले पेंडिंग हैं। बुजुर्ग नगर निगम के चक्कर लगा रहे हैं। पार्षद के विकास के दावे खोखले हैं। सड़क, सीवेज, पानी सप्लाई व्यवस्था पूरी तरीके से ठीक नहीं हैं।

शावर खान, रहवासी

पूर्व पार्षदों के कार्यकाल में नहीं था ड्रेनेज सिस्टम

पूर्व पार्षदों के कार्यकाल में वार्ड में न नाली थी न ड्रेनेज सिस्टम। 40 लाख से सोनिया गांधी कॉलोनी में विकास कार्य किए हैं। दो किमी नालियों का निर्माण, नालों के चैनेलाइजेशन हैं। जहां काम रुके हैं वहां भूमिगत लाइनें बिछना हैं। जल्द ही वहां काम शुरू होंगे।

डॉ. रेहान सिद्दीकी, पार्षद

राम मंदिर चंदा चोरी से हिंदू धर्म कमचोर हुआ: पंडित रामजीवन

कालिदास ज्योतिष सम्मेलन का आयोजन: सिहस्थ कुंभ में 14वां ज्योतिष अखाड़ा बनाने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नेहरू नगर स्थित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सभागार में चल रहे राष्ट्रीय कालिदास ज्योतिष सम्मेलन के पहले दिन शनिवार को देशभर से आए विद्वान, ज्योतिषाचार्य, शोधकर्ता और सांस्कृतिक विशेषज्ञ शामिल हुए।

सम्मेलन का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा, वैदिक ज्योतिष और प्राचीन वैज्ञानिक विचारों पर गंभीर अकादमिक चर्चा की गई। इस मौके पर राम मंदिर चंदा चोरी के मामले पर चर्चा की गई। मां चामुंडा दरबार के पुजारी गुरु पं. रामजीवन दुबे ने कहा ज्योतिषाचार्यों को पद्मश्री या पद्म भूषण जैसे पुरस्कार क्यों नहीं दिए जाते। सरकार को ज्योतिषाचार्यों के लिए भी इन पुरस्कार को दिया जाना चाहिए। इस मौके पर देशभर से आए ज्योतिषाचार्यों ने समर्थन किया तो वहीं राम मंदिर चंदा चोरी मामले को लेकर कहा कि इससे हिन्दू धर्म कमचोर हुआ है। वहीं आयोजक पंडित विनोद गौतम ने कहा कि उज्जैन सिहस्थ कुंभ में 14वां ज्योतिष अखाड़ा बनाएंगे। इसको लेकर सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया। साथ में कहा इसके लिए जल्द ही सरकार से मान्यता दिलाने की दिशा में काम किया जाएगा। साथ ही सिहस्थ कुंभ में देशभर के करीब दस हजार ज्योतिषाचार्यों का सम्मेलन किया जाएगा।

बरखेड़ी अब्दुल्ला में तैयार की जा रही गौशाला, चारे के लिए जारी होगा टेंडर

दिसंबर में तैयार हो जाएगी गायों की हाईटेक गोशाला, अस्पताल भी रहेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर के बरखेड़ी अब्दुल्ला में बन रही सुरभि गोशाला का काम दिसंबर माह में पूरा कर लिया जाएगा, जिसके लिए सभी विभागों को अपनी जिम्मेदारी संभालने की हिदायत दी गई है। गौशाला का निर्माण पूरा होने के बाद यहां पर करीब दस हजार गायों को रखा जाएगा। इनके इलाज के लिए गौशाला परिसर में ही अस्पताल का भी निर्माण किया जा रहा है। चारे के लिए टेंडर जारी किया जाएगा।

बरखेड़ी अब्दुल्ला में बनाई जा रही गोशाला में चारे के लिए टेंडर की तैयारी कर ली गई है। प्रथम चरण में 14 करोड़ 48 लाख रुपए की राशि से गोशाला का निर्माण दिसंबर माह तक पूरा किया जाना है। गोशाला में 10 हजार गायों रखने की व्यवस्था की जाएगी। प्रथम चरण में दो हजार गाय रखने के लिए चार शेड तैयार होंगे। प्रत्येक शेड में 500 गायों को रखा जाएगा। एसडीएम हुजूर विनोद सोनकिया का कहना है कि हाईटेक गौशाला के काम की निगरानी की जा रही है। निर्माण में गुणवत्ता का भी ध्यान रखा जा रहा है।

बीमार गायों के लिए बनेगा आईसीयू

प्रत्येक शेड के सामने खुला स्थान रहेगा। बीमार गायों के लिए दो शेड तैयार होंगे, जिसमें एक आइसीयू व एक जनरल वार्ड होगा। इसके अतिरिक्त चारा शेड, एक बछड़ा शेड, पानी की टंकी और संपबेल बनाने के साथ ही आफिस और निवास भी बनाए जाएंगे।

बंसल इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में आईईईई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आईसीईटी आईसीएस का शुभारंभ

नवाचार आधारित अनुसंधान ही तकनीकी प्रगति का आधार

- सम्मेलन में आए तीन हजार शोध
- 172 शोध-पत्रों का प्रस्तुतिकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बंसल इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में आईईईई (इंस्टीट्यूट ऑफ़ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स) द्वारा प्रायोजित नवाचार, शोध उत्कृष्टता और उद्योग-अकादमिक सहयोग को नई दिशा देने 'इमर्जिंग ट्रेंड्स इन इनफार्मेशन, कम्युनिकेशन एंड सिस्टम्स' विषय पर 10 एवं 11 जुलाई आईसीईटीआईसीएस–2026 को अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन किया गया। मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्जवलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ शुभारंभ के बाद मुख्य अतिथि प्रो. मनीष दीक्षित, चेयर-एलेक्ट, आईईईई म.प्र सेक्शन ने कहा कि इन सम्मेलनों के माध्यम से शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों एवं उद्योग विशेषज्ञों के बीच सहयोग को बढ़ावा मिलता है, जिससे नवीन तकनीकों के विकास और समाजोपयोगी अनुसंधान को नई दिशा मिलती है।

आधुनिक सोच को विकसित करना आवश्यकता

मुख्य वक्ता के तौर पर प्रो. जीतेन्द्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष, आईईईई म.प्र सेक्शन ने उभरती सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा भविष्य की स्मार्ट प्रणालियों पर विस्तार से प्रकाश डाला, साथ ही प्रो. रंजित महंती, प्रोफेसर, आईआईटी-बीएचयू ने कहा कि आधुनिक शोध को उद्योग एवं समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करना समय की आवश्यकता है तथा नवाचार आधारित अनुसंधान ही तकनीकी प्रगति का आधार है। विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रो. दिलीप सिंह सिसोदिया, विभागाध्यक्ष, सीएससी, एनआईटी, रायपुर एवं प्रो. एम.पी.एस. चावला, सचिव, आईईईई, म.प्र सेक्शन ने इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग, डेटा साइंस एवं आधुनिक कंप्यूटिंग तकनीकों में हो रहे नवीन शोध एवं संभावनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए। इसके अलावा नेहा केशरी, सीनियर डाटा साइंटिस्ट, माइक्रोसॉफ्ट,यूएसएस, पलाश अग्रवाल,सीनियर सॉफ्टवेर इंजिनियर, माइक्रोसॉफ्ट, यूएसए भी मौजूद रहे। सम्मेलन के लिए 3,000 से अधिक शोध-पत्र प्राप्त हुए जिनमें से चयनित लगभग 172 शोध-पत्रों का प्रस्तुतिकरण किया जा रहा है। सम्मेलन में देश-विदेश के 300 से अधिक शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, उद्योग विशेषज्ञों एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

विद्यार्थियों से किया संवाद

एसडीएम ने किया छात्रावास का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

एसडीएम टीटी नगर अर्चना शर्मा रावत ने शनिवार को भदभदा चौराहा स्थित राजा शंकरशाह रघुनाथशाह अनुसूचित जनजाति छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। इस आकस्मिक निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्रावास में निवास कर रहे अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों की आवासीय, शैक्षणिक एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं का जमीनी स्तर पर निष्पक्ष मूल्यांकन करना था। एसडीएम रावत ने छात्रावास परिसर के विभिन्न शयन कक्षों, स्वच्छता प्रबंधों, रसोई घर तथा भोजनशाला का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रदाय की जा रही बुनियादी सुविधाओं को अत्यंत सूक्ष्मता से परखा और भोजन की उच्च गुणवत्ता एवं स्वच्छता मानकों को बनाए रखने के लिए प्रबंधन को आवश्यक सुधार के रचनात्मक सुझाव दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने छात्रावास में अध्ययनरत छात्रों से संवाद किया।

भोपाल सहित प्रदेश के कुछ जिलों में हल्की बारिश होगी

अभी प्रदेश में कोई सिस्टम एक्टिव नहीं, 15 जुलाई तक तेज बारिश नहीं, 4 डिग्री तक तापमान बढ़ेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में अगले 3 दिन भारी से तेज बारिश नहीं होगी। इससे दिन के तापमान में 3 से 4 डिग्री तक बढ़त होगी। इसके साथ उमस में भी इजाफा होगा।

प्रदेश में अभी कोई प्रभावी सिस्टम नहीं होने से बारिश में कमी आएगी, जो 15 जुलाई तक बनी रह सकती है। मौसम केंद्र के अनुसार रविवार तक भोपाल सहित प्रदेश के कुछ जिलों में हल्की बारिश होगी, जबकि शेष हिस्सों में गर्मी तेजी से बढ़ेगी। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार शनिवार को प्रदेश में औसत दिन का पारा 34 डिग्री तक रहा है, जो अगले 3 से 4 दिन में 37 से 38 डिग्री तक पहुंच सकता है। हालांकि, इस बीच कुछ जगह बादल, बौछारों से तापमान में बदलाव होता रहेगा। शनिवार दोपहर बाद से देर रात के बीच पन्ना, दमोह, सागर, सतना, मैहर, रीवा, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, शहडोल में तेज हवाओं के साथ बौछारें पड़ीं। गुना, रतलाम, उज्जैन, शाजापुर, भोपाल, रायसेन, सीहोर, विदिशा, राजगढ़, टीकमगढ़, छतरपुर, बालाघाट, मंडला, जबलपुर में कुछ जगह बादल कुछ जगह हल्की बौछारें भी पड़ीं।

आज यहां बादल-बौछारें

रविवार तक नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, देवास, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, अनूपपुर, शहडोल, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर, पांढुर्ना में बादलों के साथ हल्की बारिश की उम्मीद है।

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 12 जुलाई 2026

9 स्कूली शिक्षा में ड्रॉप-आउट दर शून्य, सांदीपनि...

14 मानवीय मनोविज्ञान, संवेदनाओं से परिपूर्ण...

कई जगह पर्ची नहीं दे रहे गलत एंट्री और मनमानी वसूली की शिकायत

नगर निगम का नगद भुगतान पर रोक और दोगुना जुर्माने का दावा लेकिन हकीकत में 60 प्रतिशत से ज्यादा लोग अब भी दे रहे कैश

एमएम सिद्दीकी/मनीष मान ▶▶ भोपाल

नगर निगम ने दावा किया है कि शहर की पांचों मल्टीलेवल पार्किंग पूरी तरह हाईटेक और कैशलेस हो चुकी हैं। कैमरों से वाहन ट्रैक किए जा रहे हैं और यूपीआई के जरिए ही पार्किंग शुल्क लिया जाना है। नगद भुगतान पर रोक और दोगुना जुर्माना लगाने की घोषणा भी की गई है, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग तस्वीर दिखाती है। न्यू मार्केट मल्टीलेवल पार्किंग समेत कई पार्किंग स्थलों पर अब भी 60 प्रतिशत से ज्यादा भुगतान नकद लिया जा रहा है।

कई वाहन चालकों का कहना है कि उनसे कैश लिया जाता है, लेकिन कई बार पर्ची तक नहीं दी जाती। कुछ मामलों में वाहन नंबर भी गलत दर्ज कर दिए जाते हैं, जिससे बाद में विवाद की स्थिति बनती है। यहां पर शनिवार को जब हरिभूमि की टीम मौके पर स्थिति देखने पहुंची तो दावे खोखले साबित हुए। बता दें कि नगर निगम ने 9 जुलाई को पांच मल्टीलेवल पार्किंग्स को हाईटेक और पूरी तरह से कैशलेस पार्किंग करने व नगद भुगतान प्रतिबंधित का दावा किया था।

कागजों में कैशलेस, जमीन पर कैश का खेल भोपाल की हाईटेक पार्किंग व्यवस्था पर सवाल

न्यू मार्केट मल्टीलेवल पार्किंग में खड़े वाहन।

प्रतिदिन करीब 55 रुपए तक पार्किंग शुल्क

न्यू मार्केट और एमपी नगर मल्टीलेवल पार्किंग में रोजाना 500 से 600 दोपहिया और चार पहिया वाहन आते हैं। यहां से प्रतिदिन करीब 55 से 60 हजार रुपए तक पार्किंग शुल्क वसूला जाता है। शहर की पांचों मल्टीलेवल पार्किंग से नगर निगम को सालाना तीन करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व मिलता है।

रखरखाव में भी कमियां

दूसरी ओर पार्किंग का संचालन कर रही एजेंसी बॉम्बे इंटरप्राइजेज की व्यवस्थाओं पर भी सवाल उठ रहे हैं। कई पार्किंग में सीलन, खराब लाइट व्यवस्था और रखरखाव की कमी देखने को मिली।

न्यू मार्केट न्यू मार्केट मल्टीलेवल पार्किंग में वाहन चालक से नगद भुगतान लेता पार्किंग कर्मचारी।

ट्रायल के बाद लागू की है व्यवस्था

नगर निगम के उपायुक्त हीरेन्द्र सिंह कुशवाह का कहना है कि न्यू मार्केट में और एमपी नगर में दोनों जगह मशीने लगी हैं। जल्दी ही पूरी तरह से पार्किंग को कैशलेश कर दिया जाएगा। नगद भुगतान पूरी तरह प्रतिबंधित है और केवल यूपीआई से भुगतान होगा।

कुछ ही मिनट रुकने पर भी वसूल रहे शुल्क

स्थानीय वाहन चालक दीपक केवट ने बताया कि 10 मिनट तक पार्किंग निःशुल्क होने का नियम है, लेकिन कई बार कुछ मिनट रुकने पर भी 20 रुपए वसूल लिए जाते हैं। वहीं 12 घंटे से अधिक वाहन खड़ा रहने पर प्रति घंटे अतिरिक्त शुल्क लिया जाता है।

खबर संक्षेप

फर्जी एजेंसी चलाने वाले को 5 वर्ष का कारावास

भोपाल। गैरकानूनी तरीके से वायरलेस सेट का उपयोग कर थाना हनुमानगंज की शासकीय सील, थाना प्रभारी के फर्जी लेटर पैड तथा चरित्र सत्यापन संबंधी फर्जी दस्तावेज तैयार कर फर्जी सुरक्षा एजेंसी चलाने के मामले के आरोपी विकार खान उम्र 60 साल निवासी शीतल नगर बैरसिया रोड भोपाल को अपर सत्र न्यायाधीश जयंत शर्मा ने भादंसं की धारा-420, 467, 468, 471, 472, भारतीय वायरलेस टेलीग्राफी एक्ट की धारा- 3/6 और शासकीय गुप्त बात अधिनियम की धारा-3,5,8 तथा भारतीय सुरक्षा अभिकरण की धारा-4 और 21 के अंतर्गत दोषी ठहराते हुए 5 वर्ष के सश्रम कारावास और 3500 रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। अभियोजन के अनुसार दोषी ठहराते हुए 2 वर्ष के सश्रम कारावास और 6000 रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

मानसिक रोग के उपचार पर कार्यशाला आज

भोपाल। मानसिक रोगों के उपचार में तेजी से उभर रही रिपीटेटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन एवं डीप तकनीकों पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन आज रविवार को ताज लेक फ्रंट में सुबह 10 बजे से होगा। पहला सत्र 10 बजे से दोपहर 1.20 तक तथा दूसरा सत्र दोपहर 2.20 से शाम 6.20 तक होगा। कार्यशाला के प्रोग्राम डायरेक्टर प्रो. (डॉ.) आरएन साहू, डायरेक्टर, भोपाल न्यूरो साइकियाट्रिक क्लिनिक एंड डायग्नोस्टिक सेंटर, भोपाल तथा प्रो. (डॉ.) परेश दोशी, डायरेक्टर, न्यूरो सर्जरी विभाग, जसलोक हॉस्पिटल, मुंबई होंगे। कार्यशाला में प्रो. निशांत गोयल, डॉ. समीर कुमार प्रहराज, डॉ. श्याम सुंदर अरुमुगम एवं डॉ. अनिरुद्ध मुखर्जी शामिल होंगे।

सफर कर रहे महिलाओं व बच्चों में मची चीख-पुकार

गोरखपुर-अहमदाबाद एक्सप्रेस में भिड़े वेंडर्स, चलती ट्रेन में चले चाकू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल रेल मंडल की ट्रेनों में अवैध रूप से खाने-पीने का सामान बेच रहे वेंडर्स के बीच आए दिन विवाद व मारपीट के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला शनिवार को 19490 गोरखपुर-अहमदाबाद एक्सप्रेस में देखने को मिला।

जिसमें साइट पेंट्रीकार के वेंडर्स पर अवैध वेंडरों ने चाकू से हमला कर दिया। इसमें पेंट्रीकार के चार वेंडर्स गंभीर रूप से घायल हो गए। इसमें एक वेंडर भानु प्रताप की हालत गंभीर बताई जा रही है। जिससे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। चलती ट्रेन में हुई इस घटना से सफर कर रहे महिलाओं, बच्चों सहित अन्य यात्रियों में चीख पुकार मच गई। यात्रियों में दहशत में रही। इस ट्रेन में पिछले कुछ दिनों से लगातार साइट पेंट्रीकार के वेंडर्स के साथ अवैध वेंडरों के बीच विवाद हो रहा है।

◆ अवैध वेडर ने पेंट्रीकार के वेंडर्स पर किया हमला, 4 युवक घायल

खून से लथपथ वेंडर, इंसेट में विवाद करते वेंडर्स।

निशातपुरा और सुखी सेवनिया के बीच घटना

दरअसल, यह घटना गोरखपुर-अहमदाबाद एक्सप्रेस जा रही गोरखपुर-अहमदाबाद एक्सप्रेस की है। ट्रेन सुखी सेवनिया से निशातपुरा सेक्शन पर चल रही थी। इसी दौरान साइट पेंट्रीकार मैनेजर ने बताया कि अंबुज होटल एंड रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड के पास साइट पेंट्रीकार का ठेका है, लेकिन अवैध वेंडर जितेन्द्र चच्चा, अंकित सुपारी व तरुण सहित अन्य लोग आपस में मिलकर उन लोगों से खाने-पीने की सामग्री लेने को लेकर जबरदस्ती करते हैं। विवाद करते हैं। साथ ही बीना से संत हिरदाराम नगर स्टेशन के बीच में आए दिन मारपीट करते हैं। इसी बात को लेकर शनिवार को हमारे वेंडर्स के साथ इन अवैध वेंडर जितेन्द्र चच्चा, अंकित सुपारी व तरुण सहित अन्य लोगों ने मारपीट कर चाकू से हमला कर दिया। जिसमें भानु प्रताप सहित चार वेंडर्स गंभीर रूप से घायल हो गए। भानु प्रताप की हालत गंभीर है। चाकू लगने के बाद व अचेत हो गए। जिनको कोच के गेट पर लिटाकर संत हिरदाराम नगर स्टेशन तक लगाया गया। इसके बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आरपीएफ की कार्यप्रणाली पर सवाल, मिलीभगत का आरोप

इस घटना से बड़ा सवाल यह है कि आखिर अवैध वेंडर कैसे खुलेआम ट्रेनों में खाद्य सामान बेच रहे हैं, जिन्हें रोकने वाला कोई नहीं है। इससे ट्रेनों में आरपीएफ की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे है। सूत्रों के अनुसार आरपीएफ में दस सालों से स्पेशल ब्रांच में जमे कार खास अवैड वेंडर्स को संरक्षण दे रहे हैं। इसमें जहां आरपीएफ कांस्टेबल सैयद ताहिर का नाम सामने आ रहा है, जो स्पेशल ब्रांच में करीब दस सालों से जमे हैं। इसके अलावा एक अन्य शमशेर आलम का नाम भी सामने आ रहा है, जो अवैध वेंडर्स को खुलेआम सरंक्षण दे रहे हैं, वहीं इस मामले में पक्ष जानने के लिए आरपीएफ कमांडेंट डा. अभिषेक से फोन और संदेश के माध्यम से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

पूरे कोच में खून ही खून पड़ता था

इस घटना के चलते जहां कोच में अफरातफरी मच गई। महिला, बच्चों सहित अन्य यात्रियों में चीख पुकार मच गई। तो वहीं पूरे कोच में खून ही खून नजर आ रहा था।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने अस्सी फीट रोड शिवनगर में मारा छापा

ब्लिंकिट से एक्सपाइरी लॉट खरीदकर आधे दामों में बटर पॉपकार्न, पोटेटो चिप्स का चल रहा था कारोबार

गुजरात से माल खरीद छोटे कारोबारियों को बेच रहा था आरोपी दुकानदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गुजरात में ब्लिंकिट कंपनी से एक्सपाइरी सामान खरीदकर लॉट के नाम पर साप्ताहिक हाट बाजारों में दुकान लगाने वालों को बेचने के लिए आया लाखों रुपए का माल बरामद किया गया है। टीम जब गल्ला मंडी रोड स्थित शिवनगर पहुंची, तो वहां मैसर्स राइजर इन्फ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड का संचालक शादाब खान एक्सपाइरी सामान को पचास फीसदी की छूट के नाम पर बेच रहा था। टीम ने मौके से बटर पापकार्न, पोदीना मिलेट भेल, पोटेटो चिप्स, कार्न फ्लोर सहित अन्य पैक्ड आइटम्स बरामद किए हैं, जिन्हें हाट बाजारों में बेचने के लिए छोटे दुकानदारों को आधे दामों में बेचा जा रहा था।

■ 70 रुपए का कार्न फ्लोर पैकेट 35 रुपए में

एक्सपाइरी डेट के पॉपुलर चिप्स।

टीम ने दुकान का लाइसेंस सस्पेंड कर माल जब्त कर लिया है। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक ने बताया कि ब्लिंकिट कंपनी से खरीदे गए नियर एक्सपाइरी सामान को हाट बाजार में बेचने के लिए भारी तादाद में माल गुजरात से बुलवाया गया था।

ब्लिंकिट नहीं कर सकेगी नियर एक्सपाइरी सामान की थोक सेल

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि गुजरात से एक्सपाइरी सामान लाकर भोपाल के हाट बाजारों में बेचने का मामला सामने आया है। जिसको लेकर भोपाल की बड़ी कंपनियां, जिसमें ब्लिंकिट को पत्र लिखा जा रहा है, जिसके तहत नियर एक्सपाइरी सामान को बेचने नहीं दिया जाएगा।

दुकान का लाइसेंस सस्पेंड पैक्ड आइटम्स की सैंपलिंग

सूचना मिलने के बाद खाद्य विभाग की टीम ने ने दुकान का लाइसेंस सस्पेंड कर पैक्ड आइटम्स की सैंपलिंग की है। टीम ने सुपर फ्रेश कॉर्न फ्लोर के 500 ग्राम के 4 पैकेट की सैंपलिंग की है। इसमें संचालक ने मैन्युफेक्चरिंग तारीख को मिटाकर रखा था। मौके पर मौजूद टीम ने दुकान को सील कर केस दर्ज कर लिया है।

कोलार तहसीलदार ने बनाया केस, खनिज विभाग से मांगा प्रतिवेदन

दानिश बिल्डर ने पहाड़ खोद कर काटे पेड़, जेसीबी जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कलियासोत डैम के कैचमेंट और बाघ भ्रमण क्षेत्र में दानिश हिल्स की हरी-भरी पहाड़ियों की खुदाई की जा रही है। शुक्रवार को कोलार तहसीलदार यशवर्धन सिंह मौके पर पहुंचे, तो मौजूद लोग भाग गए। यहां अमित यादव की जेसीबी को जब्त किया गया है।

यहां पर दानिश बिल्डर के संचालक ने पेड़ों की कटाई करवाकर पहाड़ी खुदाई काम शुरु कराया था। तहसीलदार ने केस दर्ज कर खनिज विभाग से प्रतिवेदन मांगा है। दानिश हिल्स व्यू कॉलोनी के अनुप श्रीवास्तव, विकास खंडेलवाल सहित अन्य रहवासियों ने शिकायत की थी कि अकबरपुर की सरकारी जमीन पर कई दिनों से जेसीबी और पोकलेन से खुदाई की जा रही है। यहां बड़ी तादाद में हरे-भरे पेड़ काट दिए गए हैं।

हरियाली को उजाड़ती जेसीबी।

यह इलाका बाघ भ्रमण क्षेत्र है

विरोध के दौरान स्थानीय लोगों ने मशीन चालकों से अनुमति और दस्तावेज मांगे, लेकिन कोई वैध शासकीय स्वीकृति नहीं दिखाई गई। यह इलाका बाघ भ्रमण क्षेत्र है। शुक्रवार को कोलार तहसीलदार टीम सहित पहुंचे तो मौके पर अवैध रूप से खुदाई की जा रही थी। टीम को देखकर खनन माफिया मौके से भाग खड़े हुए। जांच के दौरान पता चला कि छोटे झाड़ के जंगल में दानिश बिल्डर द्वारा खुदाई करवाई जा रही थी।

न चेतावनी संकेतक, न फ्लैगमैन, नजदीक से गुजरते रहे वाहन

जेके तिराहे से आईटीआई तक मेट्रो निर्माण में सुरक्षा नियमों की अनदेखी

बिना ट्रैफिक रोके हो रहा लोहे की शीटें शिफ्ट करने का काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जेके तिराहे से आईटीआई को जोड़ने वाले रोड पर भोपाल मेट्रो की ब्लू लाइन का निर्माण कार्य चल रहा है, लेकिन निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है।

शनिवार को मौके पर भारी क्रेन और अन्य मशीनों से सड़क किनारे लोहे की बड़ी-बड़ी शीटें उठाने और शिफ्ट करने का काम जारी रहा, लेकिन निर्माण एजेंसी ने न तो ट्रैफिक को रोका और न ही डायवर्जन की व्यवस्था की। किसी तरह का चेतावनी संकेतक लगाया न फ्लैगमैन नजर आए। मौके पर एसीई क्रेन सहित भारी मशीनरी सड़क के किनारे खड़ी कर संचालन किया जा रहा था। ऐसी स्थिति में किसी भी समय तकनीकी खराबी, मशीन की अचानक मूवमेंट या सामग्री फिसलने जैसी घटना बड़ा हादसा बन सकती है। इस संबंध में मेट्रो प्रशासन का कहना है कि निर्माणकर्ता एजेंसी पूरे सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखकर काम रही है, लेकिन अगर कहीं लापरवाही हो रही है तो तत्काल व्यवस्थाएं सुधारने को कहा जाएगा।

क्रेन से लोहे की शीटों की शिफ्टिंग।

निर्माण कार्यों के दौरान यह सावधानी जरूरी

निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा घेरा (बैरिकेडिंग), चेतावनी संकेतक, फ्लैगमैन और ट्रैफिक कंट्रोल जैसी व्यवस्थाएं होना चाहिए। रोड पर वाहनों की लगातार आवाजाही के बीच भारी मशीनों का संचालन भारतीय सड़क कांग्रेस और कार्यस्थल सुरक्षा मानकों के विपरीत माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे कार्यों के दौरान अस्थाई ट्रैफिक डायवर्जन, स्पीड कंट्रोल, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती और कार्य क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित करना जरूरी होता है।

वन विभाग बनाएगा मास्टर प्लान, रखरखाव के लिए बनेगी संयुक्त समिति

पार्क के समग्र विकास के लिए मास्टर प्लान बनाने का प्रस्ताव

एकांत पार्क के डेवलपमेंट प्लान के लिए आगे आए मॉर्निंग वॉकर्स और अधिकारी, दिए सुझाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर के एकांत पार्क को व्यवस्थित करने, सैलानियों और मार्निंग वॉकर्स के लिए आकर्षण का केंद्र बनाने, सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर पार्क परिसर में सुबह घूमने आने वाले लोगों, नगर निगम के अधिकारी, मध्य प्रदेश फॉरेस्ट के डीएफओ और रेंजर, सौरभ रैना सहित अन्य लोगों ने अच्छी पहल की है।

इस संबंध में शनिवार को सभी लोगों ने पार्क में होने वाले विकास कार्यों से संबंधित एक मीटिंग रखी, जिसमें न सिर्फ पार्क के डेवलपमेंट प्लान बनाने पर चर्चा हुई बल्कि मीटिंग में मौजूद लोगों ने अहम सुझाव भी दिए। बैठक में पूर्व आयुक्त आज़ाद शत्रु श्रीवास्तव ने सुझाव दिया कि एकांत पार्क के लिए एक मास्टर प्लान बनाया जाए, ताकि आने वाले वर्षों में पार्क का योजनाबद्ध तरीके से विकास हो सके। उन्होंने कहा कि इस मास्टर प्लान की रूपरेखा मध्यप्रदेश वन विभाग तैयार करेगा।

एकांत पार्क में उपस्थित मार्निंग वॉकर्स।

पार्क में स्वच्छता, हरियाली, पैदल मार्ग सुरक्षा को बेहतर बनाने के सुझाव दिए

बैठक में मौजूद डीएफओ, रेंजर और अन्य अधिकारियों ने भी इस प्रस्ताव का स्वागत किया और तय किया गया कि पार्क के विकास और नियमित रखरखाव के लिए एक समिति बनाई जाएगी। इस समिति में वन विभाग, नगर निगम और मॉर्निंग वॉकर्स व स्थानीय नागरिकों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह समिति विकास कार्यों की निगरानी करेगी और पार्क को बेहतर बनाने में सहयोग करेगी। इस दौरान मॉर्निंग वॉकर्स की ओर से महेंद्र दवे, संदीप श्रीवास्तव और डॉ. संदीप बंसल सहित अन्य लोगों ने भी अपने सुझाव दिए। उन्होंने पार्क में स्वच्छता, हरियाली, पैदल मार्ग, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं को बेहतर बनाने की बात कही। बैठक में सभी ने एकमत से कहा कि जनभागीदारी के साथ एकांत पार्क को शहर का आदर्श नगरीय वन बनाया जाएगा, ताकि यहां आने वाले लोगों को बेहतर और प्राकृतिक वातावरण मिल सके।

जैकेट का शेष...

हाईकमान के ...

निर्णय अंतिम है। इसलिए समर्थकों को समझाने का दायित्व आपका है। नरोत्तम ने कहा कि वे नाराज कार्यकर्ताओं को मनाएंगे, इस्तीफा देने वाले पदाधिकारियों से भी बात करेंगे। उन्होंने कहा कि वे किसी से नाराज नहीं हैं और न ही टिकट को बदलने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पार्टी के किसी नेता का फोन उनके पास नहीं गया। दूसरी तरफ दतिया में शुक्रवार को नरोत्तम का टिकट कटने के बाद शुरू हुआ उपद्रव शनिवार दोपहर तक जारी रहा। समर्थकों ने पुलिस पर पथराव किया। जिसमें एसपी, एएसपी सहित 8 पुलिस कर्मी घायल हुए। पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ कर उपद्रियों को लाठियों से खदेड़ना पड़ा। इन घटनाक्रमों के बीच पार्टी ने ऐलान किया कि दतिया उपचुनाव की कमान केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया संभालेंगे। रात करीब 8.15 बजे सीएम हाउस पहुंचकर नरोत्तम ने डॉ. मोहन यादव के समक्ष अपना पक्ष रखा।

तड़के चार बजे पुलिस

हैं। पुलिस पर हमले के बाद सुरक्षा बलों ने दोबारा आंसू गैस का इस्तेमाल किया और इलाके में अपना दबदबा बनाते हुए भीड़ को खदेड़ दिया। पुलिस अधीक्षक खंडेलवाल के मुताबिक उपद्रवी अब अलग-अलग जगहों पर छिप गए हैं। पुलिस ने उन्हें सख्त चेतावनी दी है कि वे या तो खुद आत्मसमर्पण कर दें या शांतिपूर्ण तरीके से वहां से चले जाएं।

सर्वे रिपोर्ट बनी ...

तरह नेतृत्व यह भी नहीं चाहता था कि प्रदेश में पार्टी के अंदर कोई अन्य शक्ति केंद्र बने। इसके बाद आनन-फानन केंद्र से पैनल मांगा गया। नरोत्तम को मैसेज भेजा गया कि आपको टिकट नहीं मिल रहा है और उनके स्थान पर आशुतोष तिवारी को प्रत्याशी घोषित कर दिया गया।

दतिया में संगठन ...

प्रकार की नाराजगी है, तो उसका समाधान पार्टी स्तर पर आपसी संवाद के माध्यम से कर लिया जाएगा। भाजपा में उम्मीदवार की घोषणा अवश्य होती है, लेकिन चुनाव किसी एक व्यक्ति का नहीं, पूरी पार्टी का होता है। दतिया में पूरा संगठन एकजुट होकर पार्टी की प्रचंड विजय सुनिश्चित करेगा।

टिकट बदलने की ...

के निर्णय का सम्मान करेंगे। कैलाश ने विश्वास जताया कि संगठन कार्यकर्ताओं से चर्चा कर सभी मतभेद दूर करेगा और आशुतोष तिवारी भारी मतों से चुनाव जीतेंगे।

कोविड-19 की ...

दौरान एक्स-रे से पता चला कि मरीज के दोनों फेफड़े बुरी तरह प्रभावित हो चुके थे और उसे गंभीर निमोनिया था। चार दिनों तक चले इलाज के बाद आखिरकार उसने दम तोड़ दिया। हालांकि, मौत के सटीक कारणों की पुष्टि के लिए मरीज के बायोलॉजिकल सैंपल को पुणे स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) भेजा गया है।

शताब्दी एक्सप्रेस ...

सभी ने यात्रियों हंगामा शुरू कर दिया। कोच के बाहर रखे कैटरिंग पैकेट्स में भी उसी तारीख वाली ब्रेड मिली। इसके बाद यात्रियों ने रेल मदद एप और ऑनलाइन उपभोक्ता आयोग (कंज्यूमर कमीशन) पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में आईआरसीटीसी के रीजनल अधिकारी मनोरंजन बिनकर का कहना था कि यह नॉर्दर्न रेलवे की ट्रेन है और इसका खाना वहीं से लोड किया जाता है। उन्होंने स्थानीय स्तर पर जांच या कार्रवाई के संबंध में कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। रेलवे व्यवस्था के अनुसार शताब्दी एक्सप्रेस के संचालन और ऑनबोर्ड कैटरिंग की जिम्मेदारी संबंधित रेलवे जोन की होती है।

पेज एक का शेष...

किनारे से 400....

है। अब तक 21 लोगों को सुरक्षित समंदर से बाहर निकाल लिया गया है। ओशन पर्ल आइलैंड कंपनी की यह स्पीडबोट भारतीय पर्यटकों को फु क्वोक द्वीप के पास स्थित बेहद खूबसूरत और लोकप्रिय द्वीप 'होन मे रुट' से हनोई द्वीप घुमाने ले जा रही थी। यह बोट अपनी मंजिल के बेहद करीब पहुंच चुकी थी, लेकिन तट से महज 400 मीटर पहले ही यह अनियंत्रित होकर समंदर में पलट गई। चश्मदीदों और स्थानीय मीडिया के मुताबिक, हादसे के समय समंदर में काफी ऊंची और तेज लहरें उठ रही थीं। बोट पर सवार पर्यटकों ने लाइफ जैकेट नहीं पहनी हुई थी। जैसे ही नाव पलटी, अधिकांश पर्यटक भारी नाव के नीचे ही फंस गए, जिससे उन्हें संभलने या तैरकर बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका। बोट पर 32 भारतीयों के अलावा 3 क्रू मेंबर और 1 फ्लाइट अटेंडेंट सहित कुल 36 लोग सवार थे।

भारतीय मिशन अलर्ट, हो ची मिन्ह और हनोई से रवाना हुईं टीमें: हादसे की गंभीरता को देखते हुए वियतनाम में नियुक्त भारतीय राजदूत खुद दुर्घटनास्थल पहुंचे। इसके साथ ही, प्रभावित भारतीयों और उनके परिजनों की त्वरित सहायता के लिए भारतीय दूतावास ने हो ची मिन्ह सिटी और हनोई से दो विशेष आपातकालीन टीमें गठित कर दुर्घटनास्थल के लिए रवाना की हैं।

युवाओं ने मुख्यमंत्री...

कॉन्क्लेव-2026' में बोल रहे थे। इस मौके पर युवाओं ने मुख्यमंत्री को विकसित एवं प्रगतिशील मप्र के निर्माण के लिए युवा संकल्प पत्र का प्रारूप भी सौंपा। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर साइकिल रैली को भी रवाना किया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति हमारे महापुरुषों से प्रेरणा लेकर अपनी क्षमता, योग्यता और बुद्धिमत्ता से देश और समाज में अलग पहचान बनाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार होम स्टे तैयार करने के लिए युवाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। युवाओं को मेडिकल की पढ़ाई के लिए शिक्षा ऋण आसानी से उपलब्ध कराया जा रहा है। रोजगार परक उद्योग स्थापित करने पर प्रत्येक श्रमिक के वेतन में सरकार 5000 रुपए की सहायता दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने राहवीर योजना की शुरुआत की है। मानवीय संवेदनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सड़क हादसे के घायलों की मदद करने वालों को 25 हजार की राशि दी जा रही है। प्रदेश के गरीब-जरूरतमंदों को कठिन समय में पीएमश्री एयर एंबुलेंस उपलब्ध कराई जा रही है। कार्यक्रम में आभार चाय सुट्टा बार के को-फाउंडर अनुभव दुबे ने व्यक्त किया।

युवाओं ने बताई ....

बाजारों में प्राकृतिक खेती के उत्पाद नजर आने लगे हैं। उद्यानिकी विभाग के माध्यम से पॉलीहाउस लगाने की सुविधा मिलती है। इससे युवा संरक्षित खेती को अपना सकते हैं। इससे मौसम की विपरीत परिस्थितियों में भी अच्छा उत्पादन लिया जा सकता है।

सीलबंद पानी की ....

सीलबंद पानी की बोतल मंगवाई। रिया ने जैसे ही बोतल खोलकर दो घूंट पानी पिया, उसे तेज जलन और उल्टियां होने लगीं। वहां मौजूद लोगों ने जब बोतल के पानी को फर्श पर फेंककर देखा, तो उसमें से तेजाब जैसी तेज गंध आने लगी और झाग बनने लगा। वहीं, जनरल स्टोर संचालिका का कहना है कि उन्होंने डीप फ्रीजर से पूरी तरह सीलबंद बोतल ही दी थी, उनकी दुकान पर तेजाब नहीं बिकता। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज और बोतल को कब्जे में लेकर मामले की जांच कर रही है।

जमानत पर छूटते ...

दे रहा था, जिसकी शिकायत पुलिस से भी की गई थी। परिजनों ने पुलिस पर मिलीभगत और लापरवाही का गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि रिश्वत के बल पर आरोपी को महज दो दिन में जमानत मिल गई थी। गुस्साए परिजनों ने दोषी पुलिसकर्मियों को सस्पेंड करने और आरोपी को उनके हवाले करने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई।

घर का सामान..

की जल्द गिरफ्तारी, पीड़िता को आर्थिक व चिकित्सीय मदद देने और संबंधित थाना प्रभारी को तत्काल हटाने की मांग की है। मांगें पूरी न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई है। आलीराजपुर एसपी रघुवंश सिंह भदौरिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया।

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग भोपाल-01
मोबा. : 9425601545, ई-मेल : mpphc.bhopal@yahoo.com
क्र.-मप्रपुआअविनि/677/पयं/भोपाल-01/तशा/2026
भोपाल, दिनांक : 08.07.2026

प्रेस विज्ञप्ति

भोपाल संभाग-1 अंतर्गत भोपाल जिले में निर्माण/मरम्मत/रेनोवेशन/फायर फाइटिंग कार्य हेतु निविदा क्रमांक -06/2026-27 ऑनलाइन निविदा क्रमांक - 2026_MPPHC_520074_1, 2026_MPPHC_520075_1, आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 20.07.2026 सायं 5:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/126824/2026 — **परियोजना यंत्री**

G-15510/26

सक्षम प्राधिकृत अधिकारी एवं अधीक्षक रातापानी अभयारण्य औबेदुल्लागंज, (जिला-रायसेन म.प्र.) पिन कोड-464993

क्रमांक /1976 — **सूचना/विज्ञप्ति** — औ.गंज/दिनांक 07/07/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार वाहन रातापानी वन्यप्राणी अभयारण्य औबेदुल्लागंज के अंतर्गत परिक्षेत्र देलावाडी अंतर्गत मुखबिर की सूचना के अनुसार गश्ती के दौरान निखानिया खाल ढाबा मार्ग पर दिनांक 26.06.26 को समय रात्रि 10.36 PM पर 02 मोटर साइकिल से . अवैध परिवहन करते हुए सागौन चरपट 06 नग 0.513 घ.मी. जप्त किया जाकर इस कायार्लय में राजसात की प्रक्रिया विचाराधीन है :-

क्र.	वाहन क्रमांक / वाहन का विवरण	पी.ओ.आर. न./दि.	वाहन मालिक /आरोपी का नाम	वाहन का क्रमांक / वाहन मालिक का नाम	वन अपराध का प्रकार	जप्ती स्थल का नाम	परिक्षेत्र का नाम
1.	1. मोटर साइकिल होण्डा डीलक्स (ब्लू) वाहन क्रमांक, इंजिन नं. एवं चेचिस नं. मिटा हुआ। 2. मोटर साइकिल होण्डा डीलक्स (नीला/ब्लू) रंग वाहन क्रमांक, इंजिन नं. एवं चेचिस नं. मिटा हुआ। सागौन चरपट 06 नग 0.513 घ.मी. के साथ जप्त	42827/5 दिनांक 26.06.2026	अज्ञात	अज्ञात	परिक्षेत्र देलावाडी अंतर्गत मुखबिर की सूचना के अनुसार गश्ती के दौरान निखानिया खाल ढाबा मार्ग पर सागौन चरपट 06 नग 0.513 घ.मी. अवैध परिवहन में जप्त	परिक्षेत्र देलावाडी अंतर्गत मुखबिर की सूचना के अनुसार गश्ती के दौरान निखानिया खाल ढाबा मार्ग पर अवैध परिवहन	देलावाडी

यदि कोई व्यक्ति उक्त वाहन के संबंध में हित रखता है तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय सक्षम प्राधिकृत अधिकारी एवं अधीक्षक रातापानी वन्यप्राणी अभयारण्य औबेदुल्लागंज में प्रातः 11.00 उपस्थित होकर अपना वाहन संबंधी दस्तावेज एवं पक्ष प्रस्तुत कर सकता है। अन्यथा प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

सूचना पत्र आज दिनांक 07.07.26 को मेरी पद एवं मुद्रा से जारी किया गया।

मयंक राज स.व.स
सक्षम प्राधिकृत अधिकारी एवं अधीक्षक
रातापानी वन्यप्राणी अभयारण्य औबेदुल्लागंज

जी - 15508/26 — स्वच्छता ही सेवा

शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, शिवाजी नगर, भोपाल

लड़कियों हेतु रोजगारोन्मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश

10 वीं एवं 12 वीं के पश्चात क्या करें ?

- 10वीं के आधार पर डिप्लोमा प्रथम वर्ष मे CLC से ऑन-द-स्पॉट एडमिशन प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को
- 12वीं /ITI के आधार पर डिप्लोमा द्वितीय वर्ष मे प्रवेश हेतु रजिस्ट्रैशन दिनांक 26/07/2026 तक
- इन-कैम्पस हॉस्टल सुविधा | ट्यूशन फीस रु 7500/- प्रतिवर्ष
- योग्य छात्राओं को AICTE की विभिन्न योजनान्तर्गत छात्रवृत्तियाँ :-
- प्रगति/सक्षम/स्वनाथ छात्रवृत्ति (राशि रु 50,000/प्रतिवर्ष) एवं यशस्वी छात्रवृत्ति (राशि रु 30,000/प्रतिवर्ष)
- मध्य प्रदेश शासन की ST/SC/OBC की छात्रवृत्तियाँ भी उपलब्ध
- मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट में प्रवेशित छात्राओं को CPCT परीक्षा हेतु निशुल्क प्रशिक्षण

अंतिम कुछ दिन शेष

आज ही सम्पर्क करें।

उपलब्ध कोर्सेस एवं सम्पर्क सूत्र:
1. आर्किटेक्चर एण्ड इंटीरियर डिजाइन (Arld) 9826649225, 9752333909
2. कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग (CSE) 9425008477, 9826489370
3. इलेक्ट्रानिक्स एण्ड टेलीकम्युनीकेशन इंजीनियरिंग (ETE) (IOT Based Project) 9826460982, 9617564231
4. फैशन टेक्नॉलाजी (FT) 9826523856, 9424411201
5. मार्डन आफिस मैनेजमेंट (MOM) 9826265705, 9827260600

G-15510/26

अपने पसंद के कोर्स में एडमिशन के लिए ऊपर दिये नंबरों पर आज ही संपर्क करें या महाविद्यालय में विजिट करें।

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
59 वर्षीय अविवाहित ब्राह्मण पुरुष, बिलासपुर निवासी हेतु 50 से 62 वर्षीय कामकाजी या सेवानिवृत वधू चाहिए (जाति बंधन नहीं, बिना बच्चों वाली तलाकशुदा/ विधवा भी स्वीकार्य)
सम्पर्क करें
7898655147

वधु चाहिए- 34 वर्ष-5'6'' मनवा (कुर्मी), (US) अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजिनियर हेतु शिक्षित मांगलिक वधु चाहिए मो.- 99819-096941, 97552-05590 (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) (313)

वधु चाहिए- Wanted Bride- Bengalee 42/5'-9'', General Caste, Divorcee. PG from IIIT, Posting Accenture Nagpur, 3 Lakhs/ month. Parents Pensioners. Houses Jabalpur & Kolkata. Caste no bar. Mob- 7987502840 (1007)

हरिभूमि क्लासीफाइड
आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
संपर्क सूत्र : 9407279644

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330
R-01-06-2026,to 23-07-26

हरिभूमि
आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इश्तहार, जाहिर सूचना
@ Rs. 1200/- साइज (फिक्स) 12X4 cm
अन्य साईज में @ Rs. 40 sq.cm
1 अप्रैल 2025 से लागू

JAWAHARLAL NEHRU COLLEGE
Affiliated to Barkatullah University, Bhopal, Recognised by Govt. of M.P. & NCTE New Delhi)
DIRECT ADMISSION
QUALITY EDUCATION | AFFORDABLE FEES | A BETTER FUTURE
ESTD. 1999
COURSES OFFERED
UNDERGRADUATE PROGRAMMES (UG)
• B.A. • B.Com. (Plain) • B.Com. (Computer Application) • B.B.A.
• B.C.A. • B.Sc. (Computer Science / IT) • B.Sc. PCM/CBZ
• B.Sc. Microbiology / Biotechnology
• B.Sc. Electronics/Environmental Science • B.Lib.I.Sc. • B.P.E.S.
POSTGRADUATE & DIPLOMA PROGRAMMES (PG)
• M.Sc. • Physics • Botany • Zoology • Microbiology • Biotechnology • Computer Science • Mathematics
• M.A. • English • Urdu • Political Science • Sociology • Economics
• M.Com. • M.Lib.I.Sc. • Chemistry • P.G.D.C.A.
• P.G. Diploma in Yogic Science
ADMISSION HELPLINE 7000306323
8889560478 | 9098276651 | 9826264575 | 8085377716
PROFESSIONAL COURSES CAMPUS D.El.Ed. B.Ed. B.P.Ed. M.P.Ed. M.Ed.
Mugalia Hat, Parwalia Sadak, Bhopal
Add.: 56-C, Shyamla Hills, Opp. Khushbu Park, Civil Lines, Bhopal
0755-2660949, 2661064 www.jncbpl.com jlnpgcollege_bhopal@yahoo.com

हरिभूमि
रनिंग क्लासीफाइड
उठावना, शोक संदेश, जन्मदिन, आमसूचना आम/कोर्ट नोटिस

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी
भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
मो. 9407279644

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई डायवर्सन एवं NOC एप्रूड आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद

सफेद दाग
सफल ईलाज का 40 वर्षो का अनुभव
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।
M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंज़िल पुरानी कज़ियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

राशिफल

मेष - किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष - व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन - आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क - आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह - आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या - मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला - आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक - आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु - आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर - माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ - अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन - शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

शब्द पहेली - 6284

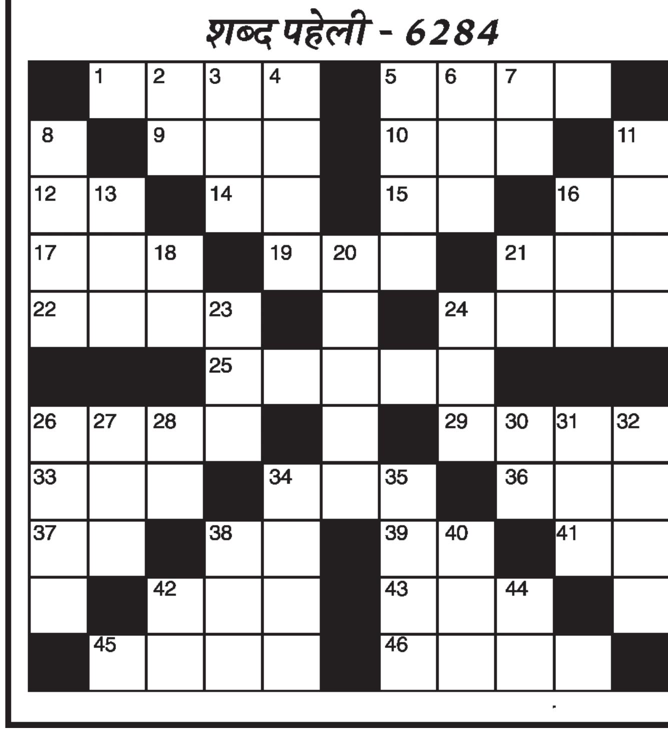

बाएँ से दाएँ
1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे
2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली- 6283 का हल

सूडोकु नवताल - 6294

★★★★★ कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6293 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

■ निवेशकों के साथ उद्योग की भी पहली पसंद बन रही चांदी

चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका रहा, बनाए रखें नजर

निवेशकों को सोने में 2-3 प्रतिशत तो चांदी में 5 से 8 प्रतिशत का लाभ

सोना, रुपया, क्रिप्टो व कॉपर तय कर रहे हैं चांदी की चाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था का बैरोमीटर भी कहा जाता है। जब उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है तो कॉपर की मांग बढ़ जाती है। चूंकि चांदी का उपयोग भी इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, बैटरी, मेडिकल उपकरण, इलेक्ट्रिक वाहन और कई आधुनिक तकनीकों में होता है, इसलिए कॉपर की तेजी कई बार चांदी की मांग बढ़ने का संकेत भी देती है। यही वजह है कि निवेशक कॉपर की कीमतों पर भी नजर रखते हैं।

चांदी को अक्सर सोने का विकल्प माना जाता है, लेकिन इसकी कीमत तय होने का तरीका सोने से कहीं अधिक जटिल है। यही कारण है कि कई बार जब सोना मामूली बढ़ता या घटता है, तब चांदी में कहीं अधिक तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। इसके पीछे सिर्फ मांग और आपूर्ति नहीं, बल्कि सोने की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति, बिटकॉइन जैसे डिजिटल निवेश, कॉपर की चाल और वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम भी जिम्मेदार होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चांदी एक ऐसी धातु है, जिसका इस्तेमाल निवेश के साथ-साथ उद्योगों में भी बड़े पैमाने पर होता है। इसलिए इसकी कीमत पर कई तरह के कारकों का एक साथ असर पड़ता है। यही वजह है कि चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका देता है।

सोना बढ़े तो चांदी क्यों दौड़ने लगती है?

सोना और चांदी दोनों को सुरक्षित निवेश का माध्यम माना जाता है। जब दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई, युद्ध या वित्तीय संकट जैसे हालात बनते हैं, तब निवेशक सोने और चांदी में निवेश बढ़ा देते हैं। ऐसे समय में दोनों धातुओं की कीमतों में तेजी देखने को मिलती है। हालांकि, चांदी का बाजार सोने की तुलना में छोटा है। यही कारण है कि निवेश का थोड़ा-सा अतिरिक्त प्रवाह भी इसकी कीमतों में बड़ा बदलाव ला सकता है। कई बार सोने में 2 से 3 प्रतिशत की तेजी के मुकाबले चांदी 5 से 8 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। इसी वजह से चांदी को अधिक उतार-चढ़ाव वाली कीमती धातु माना जाता है।

रुपए की मजबूती और कमजोरी का सीधा असर

भारत अपनी जरूरत का अधिकांश चांदी विदेशों से आयात करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के साथ-साथ डॉलर और रुपये की विनिमय दर भी घरेलू बाजार में अहम भूमिका निभाती है। यदि डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होता है तो आयात महंगा हो जाता है। इससे भारतीय बाजार में चांदी की कीमत बढ़ जाती है, भले ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत स्थिर हो। वहीं, रुपया मजबूत होने पर आयात लागत कम हो सकती है और कीमतों में कुछ राहत मिल सकती है। यही कारण है कि विदेशी मुद्रा बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव पर चांदी के कारोबारी और निवेशक लगातार नजर बनाए रखते हैं।

बिटकॉइन का बढ़ता प्रभाव

डिजिटल युग में बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी निवेश की दुनिया का बड़ा हिस्सा बन चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि कई निवेशक अपने पोर्टफोलियो में सोना, चांदी और बिटकॉइन को वैकल्पिक निवेश के रूप में रखते हैं। जब क्रिप्टो बाजार में तेजी आती है तो कुछ निवेशक कीमती धातुओं से पैसा निकालकर बिटकॉइन में लगाते हैं। इसके विपरीत, जब बिटकॉइन में तेज गिरावट आती है या जोखिम बढ़ता है, तब निवेशक सुरक्षित विकल्प के तौर पर फिर से सोना और चांदी की ओर लौटते हैं। यही बदलाव चांदी की कीमतों में भी दिखाई देता है। कॉपर यानी तांबा दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक धातुओं में शामिल है।

ग्रीन एनर्जी ने बढ़ाई उम्मीदें

दुनिया तेजी से स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। सोलर पैनलों के निर्माण में चांदी का महत्वपूर्ण उपयोग होता है। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और नई ऊर्जा तकनीकों में भी इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में यदि ग्रीन एनर्जी परियोजनाओं का विस्तार इसी गति से जारी रहा तो चांदी की औद्योगिक मांग और मजबूत होगी। इससे इसकी कीमतों को दीर्घकाल में समर्थन मिल सकता है।

वैश्विक घटनाओं से भी बदलती है दिशा

चांदी की कीमत केवल घरेलू कारणों से तय नहीं होती। अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ब्याज दरें, डॉलर इंडेक्स, महंगाई के आंकड़े, कच्चे तेल की कीमतें और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक तनाव भी इसकी चाल बदल सकते हैं।
यदि ब्याज दरें घटने की संभावना बनती है तो निवेशक कीमती धातुओं की ओर आकर्षित होते हैं। वहीं, डॉलर मजबूत होने पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी पर दबाव आ सकता है। इसी तरह युद्ध, व्यापारिक विवाद या वैश्विक आर्थिक मंदी जैसी घटनाएं भी निवेशकों की रणनीति बदल देती हैं।

निवेशकों के लिए सीख?

विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी में निवेश केवल कीमत देखकर नहीं करना चाहिए। निवेश से पहले यह समझना जरूरी है कि बाजार में तेजी या गिरावट की वजह क्या है। यदि तेजी केवल किसी अस्थायी घटना के कारण है तो निवेश में सावधानी बरतनी चाहिए।

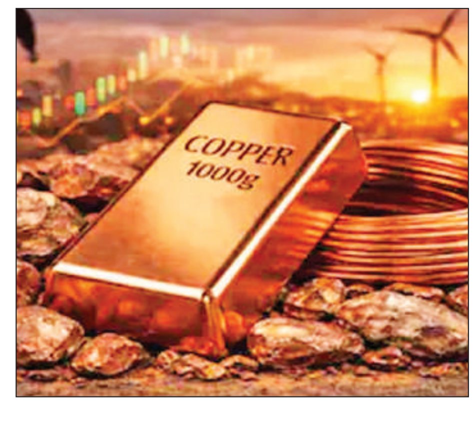

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए चरणबद्ध निवेश (एसआईपी या नियमित अंतराल पर खरीद) अपेक्षाकृत सुरक्षित रणनीति मानी जाती है। इससे बाजार में अचानक आने वाले उतार-चढ़ाव का असर कम हो सकता है। चांदी की कीमतों में बार-बार होने वाले बदलाव के पीछे केवल एक कारण नहीं होता। सोने की चाल, रुपये की स्थिति, बिटकॉइन में निवेशकों का रुझान, कॉपर की मांग, औद्योगिक उपयोग और वैश्विक आर्थिक घटनाएं मिलकर इसकी दिशा तय करती हैं। यही वजह है कि चांदी कभी तेज रफ्तार से चमकती है तो कभी अचानक फिसल जाती है। आने वाले समय में ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक वाहनों और आधुनिक तकनीक में बढ़ते उपयोग के कारण चांदी की मांग मजबूत रहने की संभावना है। हालांकि, निवेशकों को इसकी अस्थिर प्रकृति को समझते हुए सोच-समझकर और संतुलित रणनीति के साथ निवेश करना चाहिए।

रेस्टोरेंट या क्लाउड किचन, किस बिजनेस में है ज्यादा मुनाफा?

बिजनेस डेस्क

भारत का फूड बिजनेस तेजी से बदल रहा है। कुछ साल पहले तक रेस्टोरेंट खोलना ही इस क्षेत्र में सफलता का सबसे बड़ा रास्ता माना जाता था, लेकिन ऑनलाइन फूड डिलीवरी के बढ़ते चलन ने तस्वीर बदल दी है। अब कम लागत में शुरू होने वाले क्लाउड किचन तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। यही वजह है कि नए उद्यमियों के सामने सबसे बड़ा सवाल है कि रेस्टोरेंट खोलें, क्लाउड किचन शुरू करें या दोनों का मिश्रित यानी हाइब्रिड मॉडल अपनाएं। विशेषज्ञों का मानना है कि सही बिजनेस मॉडल का चुनाव केवल लागत के आधार पर नहीं, बल्कि लक्ष्य, बजट, ग्राहकों की पसंद और स्थानीय बाजार की मांग को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

क्या है क्लाउड किचन मॉडल?

क्लाउड किचन ऐसा किचन होता है, जहां केवल खाना तैयार किया जाता है और उसकी बिक्री ऑनलाइन ऑर्डर के माध्यम से होती है। इसमें ग्राहकों के बैठने, सजावट, सर्विस स्टाफ या बड़े शोरूम की जरूरत नहीं होती। ऑर्डर सीधे फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म या खुद के ऐप और वेबसाइट के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाए जाते हैं। कम जगह और सीमित कर्मचारियों के कारण इसकी शुरुआती लागत पारंपरिक रेस्टोरेंट की तुलना में काफी कम होती है। यही वजह है कि छोटे निवेश वाले उद्यमी इसे तेजी से अपना रहे हैं।

रेस्टोरेंट की सबसे बड़ी ताकत क्या

रेस्टोरेंट केवल खाना बेचने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्राहकों को एक अनुभव भी देता है। परिवार के साथ डिनर, दोस्तों की पार्टी, जन्मदिन का आयोजन या बिजनेस मीटिंग जैसी जरूरतों के लिए लोग आज भी रेस्टोरेंट का रुख करते हैं। यहीं पर ब्रांड की पहचान भी मजबूत होती है। अच्छा माहौल, बेहतर सेवा और स्वाद ग्राहकों को दोबारा आने के लिए प्रेरित करते हैं। इसके अलावा पेय पदार्थ, डेजर्ट और अन्य अतिरिक्त उत्पादों की बिक्री से भी रेस्टोरेंट की आय बढ़ती है।

कम लागत से बढ़त बनाते हैं क्लाउड किचन

क्लाउड किचन का सबसे बड़ा फायदा इसकी कम परिचालन लागत है। महंगे इंटीरियर, बड़े हॉल, अतिरिक्त कर्मचारियों और प्रमुख बाजार में दुकान लेने की जरूरत नहीं होती। इससे किराया, बिजली और रखरखाव का खर्च काफी कम हो जाता है। कम खर्च के कारण यदि बिक्री अच्छी हो तो मुनाफे की संभावना भी बढ़ जाती है। यही वजह है कि कई नए फूड ब्रांड पहले क्लाउड किचन से शुरुआत करते हैं और बाद में रेस्टोरेंट की ओर बढ़ते हैं।

ऑनलाइन डिलीवरी ने खोले नए अवसर

भारत में स्मार्टफोन और इंटरनेट की पहुंच बढ़ने के साथ ऑनलाइन खाना मंगाने का चलन भी तेजी से बढ़ा है। बड़े शहरों के साथ अब छोटे शहरों में भी लोग मोबाइल ऐप के जरिए खाना ऑर्डर कर रहे हैं। इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा क्लाउड किचन को मिला है। बिना अलग-अलग इलाकों में महंगे रेस्टोरेंट खोले भी एक ब्रांड कई क्षेत्रों में ग्राहकों तक पहुंच सकता है। इससे विस्तार आसान और अपेक्षाकृत कम खर्चीला हो जाता है।

हाइब्रिड मॉडल क्यों बन रहा है पसंद

फूड इंडस्ट्री में अब कई बड़े ब्रांड हाइब्रिड मॉडल अपना रहे हैं। इसमें एक या दो प्रमुख स्थानों पर रेस्टोरेंट चलाया जाता है, जबकि शहर के अन्य हिस्सों में क्लाउड किचन के जरिए ऑनलाइन ऑर्डर पूरे किए जाते हैं। इस मॉडल से एक तरफ ग्राहकों के बीच ब्रांड की पहचान मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर कम लागत में अधिक क्षेत्रों तक पहुंच बनाना संभव हो जाता है। यही कारण है कि कई विशेषज्ञ इसे भविष्य का संतुलित बिजनेस मॉडल मानते हैं। किसी भी फूड बिजनेस की सफलता केवल मॉडल पर निर्भर नहीं करती। सबसे पहले स्थानीय बाजार की मांग, प्रतिस्पर्धा, ग्राहकों की पसंद और निवेश क्षमता का आकलन करना जरूरी है।

मुश्किल वक्त की ढाल है सोना, ऐसे कर सकते हैं पैसों का इंतजाम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि गोल्ड लोन केवल जरूरत पड़ने पर ही लेना चाहिए। रोजमर्रा के खर्च, गैर-जरूरी खरीदारी या विलासिता की वस्तुओं के लिए आभूषण गिरवी रखना उचित नहीं माना जाता। यह विकल्प उन परिस्थितियों के लिए बेहतर है, जहां अचानक धन की जरूरत हो और उसके बदले कोई सस्ता व तेज विकल्प उपलब्ध न हो।

भारतीय परिवारों में सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि बचत और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। शादी-ब्याह, त्योहार और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लोग वर्षों तक सोना खरीदते हैं। लेकिन जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है तो कई परिवारों के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या अपनी जमा-पूंजी बेच दी जाए या कोई दूसरा रास्ता अपनाया जाए। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी परिस्थितियों में सोना बेचने के बजाय उसके बदले गोल्ड लोन लेना अधिक समझदारी भरा विकल्प हो सकता है। गोल्ड लोन की खास बात यह है कि इसमें आपको अपने आभूषण बेचने की जरूरत नहीं पड़ती। बैंक या वित्तीय संस्थान सोने को गिरवी रखकर उसकी कीमत के आधार पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण सुरक्षित वापस मिल जाते हैं। इस कारण यह विकल्प उन परिवारों के लिए उपयोगी माना जाता है, जिन्हें कम समय के लिए धन की आवश्यकता होती है। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब अचानक बड़ी रकम की जरूरत पड़ जाती है। किसी परिवार में बीमारी, बच्चों की पढ़ाई, शादी, कारोबार के लिए कार्यशील पूंजी, खेती-किसानी या अन्य आपात स्थिति में तत्काल नकदी की जरूरत महसूस हो सकती है। ऐसे समय में यदि पर्याप्त बचत उपलब्ध न हो, तो लोग अक्सर सोना बेचने का निर्णय लेते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि जरूरत अस्थायी है और कुछ महीनों में पैसा लौटाने की क्षमता है, तो सोना बेचने के बजाय गोल्ड लोन लेना बेहतर विकल्प हो सकता है। इससे परिवार की वर्षों की बचत भी सुरक्षित रहती है और जरूरत का पैसा भी मिल जाता है। गोल्ड लोन की राशि आपके पास मौजूद सोने की शुद्धता और बाजार मूल्य के आधार पर तय की जाती है। आमतौर पर अधिक शुद्ध सोने पर अधिक ऋण मिलने की संभावना रहती है। हालांकि, वित्तीय संस्थान नियामकीय नियमों के अनुसार सोने के मूल्य का एक निश्चित हिस्सा ही ऋण के रूप में देते हैं। लोन स्वीकृत होने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत तेज होती है। जरूरी दस्तावेज पूरे होने पर कई मामलों में उसी दिन या कुछ घंटों के भीतर राशि खाते में जमा हो सकती है।

सोना बेचने और गिरवी रखने में क्या अंतर है?

सोना बेचने पर वह हमेशा के लिए आपके हाथ से निकल जाता है। यदि भविष्य में उसकी कीमत बढ़ती है तो उसका लाभ भी आपको नहीं मिल पाता। दूसरी ओर, गोल्ड लोन में आभूषण आपकी संपत्ति बने रहते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण वापस मिल जाते हैं। यही वजह है कि वित्तीय सलाहकार गोल्ड लोन को अल्पकालिक जरूरतों के लिए उपयोगी मानते हैं, जबकि स्थायी वित्तीय संकट में अन्य विकल्पों पर भी विचार करने की सलाह देते हैं।

लोन लेने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

गोल्ड लोन लेने से पहले ब्याज दर, प्रोसेसिंग शुल्क, भुगतान की अवधि और समय पर किस्त चुकाने की क्षमता का आकलन जरूर करें। अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थान अलग शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। इसलिए एक से अधिक संस्थानों की शर्तों की तुलना करना लाभदायक हो सकता है। यह भी समझना जरूरी है कि समय पर लोन का भुगतान नहीं होने पर अतिरिक्त ब्याज या अन्य शुल्क लग सकते हैं। लंबे समय तक भुगतान न होने की स्थिति में गिरवी रखा सोना नीलामी की प्रक्रिया तक पहुंच सकता है।

डिजिटल सुविधाओं से हुई प्रक्रिया आसान

पिछले कुछ वर्षों में गोल्ड लोन की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक हुई है। कई बैंक और वित्तीय संस्थान ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेज सत्यापन और लोन से जुड़ी जानकारी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध करा रहे हैं। इससे ग्राहकों का समय बचता है और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनती है।

क्या करें

- ■ आपातकालीन जरूरत होने पर ही गोल्ड लोन लेने का फैसला करें।
- ■ लोन लेने से पहले अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थानों की ब्याज दर और अन्य शुल्क की तुलना करें।
- ■ केवल उतनी ही राशि का लोन लें, जितनी वास्तव में जरूरी हो।
- ■ लोन की अवधि और किस्तों का भुगतान समय पर करें, ताकि अतिरिक्त ब्याज या जुर्माने से बचा जा सके।
- ■ गिरवी रखने से पहले सोने के आभूषणों का वजन और शुद्धता की जानकारी अपने पास सुरक्षित रखें।
- ■ लोन से जुड़े सभी दस्तावेज और रसीदें संभालकर रखें।

क्या न करें?

- ■ गैर-जरूरी खर्च, लग्जरी सामान या छुट्टियां मनाने के लिए गोल्ड लोन न लें।
- ■ केवल जल्दी पैसा मिलने के लालच में बिना शर्तें पढ़े किसी भी संस्था से लोन न लें।
- ■ किस्तों का भुगतान टालने की गलती न करें, इससे ब्याज बढ़ सकता है और सोने की नीलामी का जोखिम भी पैदा हो सकता है।
- ■ जरूरत से ज्यादा लोन लेकर भविष्य पर अनावश्यक वित्तीय बोझ न बढ़ाएं।
- ■ किसी अनधिकृत या अविश्वसनीय संस्था के पास अपने आभूषण गिरवी न रखें।
- ■ लोन की शर्तों, प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्कों को नजरअंदाज न करें।

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए बाजार का ठहराव भी बन सकता है सुनहरा अवसर

शेयर बाजार में गिरावट का इंतजार नहीं करें, जारी रखें अपना निवेश

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश करने वाले ज्यादातर लोग एक ही सवाल पूछते हैं क्या अभी निवेश करें या बड़ी गिरावट का इंतजार करें? यह दुविधा नए निवेशकों में सबसे ज्यादा देखने को मिलती है। कई लोग मानते हैं कि बाजार में तेज गिरावट आने के बाद निवेश करना ही सबसे अच्छा फैसला होता है। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि केवल क्रैश का इंतजार करना कई बार महंगा साबित हो सकता है। यदि किसी निवेशक का लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति बनाना है, तो अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश शुरू करना अधिक व्यावहारिक रणनीति हो सकती है। शेयर बाजार का सबसे कठिन काम यह तय करना है कि बाजार कब सबसे नीचे पहुंचेगा और कब सबसे ऊपर होगा। वास्तविकता यह है कि कोई भी निवेशक या विशेषज्ञ लगातार यह सटीक अनुमान नहीं लगा सकता। कई बार बाजार बिना किसी बड़ी गिरावट के ही नई ऊंचाइयों पर पहुंच जाता है। ऐसे में जो निवेशक केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करते रहते हैं, वे अच्छे अवसर गंवा देते हैं।

ठहरा हुआ बाजार देता है सोचने का मौका

जब बाजार लगातार तेजी में होता है तो निवेशक अक्सर जल्दबाजी में फैसले लेते हैं। इसके विपरीत, जब बाजार सीमित दायरे में कारोबार करता है या कुछ समय तक ठहरा रहता है, तब निवेशकों के पास कंपनियों का मूल्यांकन करने का समय मिलता है। यही वह दौर होता है, जब किसी कंपनी के कारोबार, मुनाफे, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का शांत दिमाग से विश्लेषण किया जा सकता है। ऐसे समय में चुने गए मजबूत शेयर लंबी अवधि में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

चरणबद्ध निवेश बेहतर

विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार की दिशा का अनुमान लगाने के बजाय नियमित अंतराल पर निवेश करना ज्यादा प्रभावी रणनीति है। यदि निवेशक हर महीने या तय समय पर अच्छी कंपनियों में निवेश करता है, तो बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत प्रभाव कम हो जाता है। यही कारण है कि म्यूचुअल फंड में एसआईपी और शेयरों में नियमित निवेश की रणनीति को लंबे समय के लिए उपयोगी माना जाता है। इससे निवेशक को बाजार के हर स्तर पर खरीदारी का अवसर मिलता है। हर गिरावट निवेश का अवसर नहीं होती। निवेश करने से पहले यह देखना जरूरी है कि कंपनी का कारोबार मजबूत है या नहीं। केवल सस्ती कीमत देखकर शेयर खरीदना सही रणनीति नहीं मानी जाती।

भावनाओं से नहीं, योजना से करें निवेश

शेयर बाजार में सबसे बड़ी चुनौती निवेशक की अपनी भावनाएं होती हैं। तेजी के समय लालच और गिरावट के समय डर अक्सर गलत फैसलों की वजह बनते हैं। कई निवेशक तेजी में ऊंचे भाव पर खरीदते हैं और गिरावट में नुकसान पर बेच देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश हमेशा पहले से तय योजना के अनुसार होना चाहिए। यदि किसी कंपनी के मूलभूत आधार मजबूत हैं, तो बाजार में अस्थायी गिरावट घबराने का कारण नहीं बननी चाहिए।

अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश करना अधिक व्यावहारिक रणनीति

तीन से पांच साल का नजरिया रखिए

यदि निवेश का लक्ष्य कुछ महीनों का है, तो बाजार का उतार-चढ़ाव चिंता का विषय बन सकता है। लेकिन जिन निवेशकों का लक्ष्य तीन से पांच वर्ष या उससे अधिक का है, उनके लिए अल्पकालिक गिरावट का महत्व कम हो जाता है। भारत की अर्थव्यवस्था में बुनियादी ढांचे, विनिर्माण, बैंकिंग, डिजिटल सेवाओं, रक्षा और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में लगातार निवेश बढ़ रहा है। यदि यह रफ्तार बनी रहती है, तो मजबूत कंपनियों को इसका लाभ मिल सकता है। शेयर बाजार में निवेश हमेशा जोखिम के साथ आता है। कोई भी शेयर या सेक्टर लगातार अच्छा प्रदर्शन करेगा, इसकी गारंटी नहीं होती। इसलिए पूरा पैसा एक ही कंपनी या एक ही सेक्टर में लगाने के बजाय विविधीकरण करना बेहतर माना जाता है।

सही रणनीति अपनाएं

शेयर बाजार में सफलता केवल सही समय का इंतजार करने से नहीं, बल्कि सही रणनीति अपनाने से मिलती है। यदि निवेशक मजबूत कंपनियों का चयन करें, नियमित निवेश बनाए रखें और लंबी अवधि का नजरिया रखें, तो बाजार का मौजूदा ठहराव भी भविष्य की बेहतर कमाई का आधार बन सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा रहेगा, लेकिन धैर्य, अनुशासन और सही कंपनियों का चुनाव ही निवेश को सफल बनाता है। इसलिए केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करने के बजाय सोच-समझकर और चरणबद्ध तरीके से निवेश की शुरुआत करना अधिक व्यावहारिक कदम माना जा सकता है।

यह करना चाहिए

- ■ निवेश से पहले अपने वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि तय करें।
- ■ मजबूत बुनियादी स्थिति (फंडामेंटल) वाली कंपनियों में ही निवेश करें।
- ■ एकमुश्त निवेश के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करें।
- ■ अलग-अलग सेक्टरों और कंपनियों में निवेश कर पोर्टफोलियो को विविध बनाएं।
- ■ कंपनी के वित्तीय नतीजों, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का अध्ययन करें।
- ■ बाजार में गिरावट आने पर घबराने के बजाय अपनी निवेश रणनीति की समीक्षा करें।
- ■ लंबी अवधि का नजरिया रखें और धैर्य बनाए रखें।

यह नहीं करें

- ■ केवल शेयर बाजार में बड़ी गिरावट (क्रैश) का इंतजार करते हुए निवेश टालते न रहें।
- ■ सोशल मीडिया, अफवाहों या बिना रिसर्च के शेयर न खरीदें।
- ■ लालच या डर में आकर बार-बार खरीद-बिक्री न करें।
- ■ पूरा निवेश एक ही शेयर या एक ही सेक्टर में न लगाएं।
- ■ उधार लेकर या आपातकालीन जरूरत के पैसे से शेयर बाजार में निवेश न करें।
- ■ हर दिन के उतार-चढ़ाव को देखकर अपनी लंबी अवधि की रणनीति न बदलें।
- ■ बिना जोखिम समझे केवल पिछले रिटर्न देखकर किसी शेयर में निवेश न करें।

पहली ही बारिश में भूमिगत मार्ग तालाब बन जाते हैं, सड़कें नदियों का रूप ले लेती हैं और जिंदगी की रफ्तार वाहनों की लंबी कतारों के दलदल में फंसकर रेंगने लगती है। पिछले कुछ वर्षों से हम इस स्थिति से हर वर्ष दो-चार होते हैं और हर बार यही सवाल हमारे सामने आकर खड़ा हो जाता है कि क्या हमारे स्थानीय निकाय जनसुविधाएं उपलब्ध कराने में नाकाम हो रहे हैं या फिर हम लोग अनियंत्रित होकर अपनी क्षमता से कहीं अधिक नागरिक सुविधाओं पर दबाव डाल रहे हैं? पहले शहरों में बड़े तालाब और झीलें होती थीं, जो बारिश के पानी को इकट्ठा कर जलस्तर ठीक करने का काम करती थी। आज उन तालाबों और झीलों पर अधिकार कर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। यदि इस जल का एक बड़ा भाग भी वैज्ञानिक ढंग से संचित कर लिया जाए तो गर्मियों में पेयजल संकट, भूजल स्तर में गिरावट और सिंचाई संबंधी समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। बदलते मौसम चक्र के कारण वर्षा अब कम दिनों में अधिक तीव्रता से हो रही है। यदि वर्षा जल को संरक्षित नहीं किया गया तो बाढ़ का खतरा बढ़ेगा। दूसरी ओर, पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई चल रही है। तथाकथित 'सस्टेनेबल मॉडल' और 'व्यावसायिक मॉडल' के बीच के अंतर ने संकट को बढ़ाया है। *इन्हीं समस्याओं के समाधान की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

हम खुद बना रहे बारिश को आपदा

विश्लेषण

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

वरिष्ठ स्तंभकार

इस समस्या के मूल में सबसे पहला और सबसे बड़ा कारण हमारी प्रशासनिक व्यवस्था की शिथिलता है। हर साल मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट आवंटित किया जाता है। फाइलों और कागजों पर तो सारी तैयारियां मुकम्मल नजर आती हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां करती है। सत्य तो यह है कि अनियोजित शहरीकरण के साथ-साथ नागरिकों का असंतुलित और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार भी इस समस्या को गहरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है। रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की तलाश में गांवों से शहरों की ओर होने वाले निरंतर पलायन ने शहरों की छाती पर अप्रत्याशित बोझ बढ़ा दिया है।

सुदर्शन फ़ाकिर ने कहा है-

ये दौलत भी ले लो, ये शोहरत भी ले लो,
भले छीन लो मुझसे मेरी जवानी।
मगर मुझको लौटा दो बचपन का सावन,
वो कागज़ की कश्ती, वो बारिश का पानी।

बारिश की बूंदें हमेशा आम जनमानस के लिए एक सुकून का सुखद संदेश लेकर आती हैं। तपती और झुलसा देने वाली गर्मी के बाद जब धरती की प्यास बुझती है तो मिट्टी से आने वाली सोंधी खुशबू किसी भी मन को आनंदित कर देती है। बारिश प्रकृति का वह वरदान है जो नवजीवन का संचार करता है, लेकिन आज के इस आधुनिक युग में जहां हम भौतिक विकास की सीढ़ियां चढ़ रहे हैं, मानसून का यह प्राकृतिक सौंदर्य हमारे लिए एक बुरे सपने जैसा बनता जा रहा है। अभी मानसून की शुरुआत ही हुई है कि महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक की सड़कें, नालियां और जल निकासी व्यवस्था चरमराने लगी है। पहली ही बारिश में भूमिगत मार्ग तालाब बन जाते हैं, सड़कें नदियों का रूप ले लेती हैं और जिंदगी की रफ्तार वाहनों की लंबी कतारों के दलदल में फंसकर रेंगने लगती है।

पिछले कुछ वर्षों से हम इस स्थिति से हर वर्ष दो-चार होते हैं और हर बार यही सवाल हमारे सामने आकर खड़ा हो जाता है कि क्या हमारे स्थानीय निकाय जनसुविधाएं उपलब्ध कराने में नाकाम हो रहे हैं या फिर हम लोग अनियंत्रित होकर अपनी क्षमता से कहीं अधिक नागरिक सुविधाओं पर दबाव डाल रहे हैं?

यदि इस प्रश्न के उत्तर की अच्छे से तलाश की जाए तो इस समस्या के मूल में सबसे पहला और सबसे बड़ा कारण हमारी प्रशासनिक व्यवस्था की शिथिलता है। हर साल मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट आवंटित किया जाता है। फाइलों और कागजों पर तो सारी तैयारियां मुकम्मल नजर आती हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां करती है।

सफाई के नाम पर अक्सर केवल दिखावा

इस सन्दर्भ में अधिक गहनता से विचार करने पर बड़ा कारण हमारे सामने आता है। दरअसल नगरीय नियोजन के नाम पर हमने कंक्रीट के ऐसे जंगल खड़े कर दिए हैं, जहां पानी को जमीन के भीतर रिसने या बाहर निकलने का कोई प्राकृतिक रास्ता ही नहीं बचा है।

हमारे पूर्वजों ने जल संरक्षण के लिए पारंपरिक तालाबों, जोहड़ों, बावड़ियों और झीलों का निर्माण किया था, जिन्हें आज पाटकर उन पर बहुमंजिला इमारतें और विशाल व्यावसायिक परिसर खड़े कर दिए गए हैं अथवा अवैध कब्जे करके उनका अस्तित्व मिटा दिया गया है। जब जल को बहने के लिए जगह नहीं मिलेगी तो वह स्वाभाविक रूप से हमारी सड़कों और घरों में ही तो प्रवेश करेगा। अत्याधुनिक नगरों की परिकल्पनाएं और बड़े-बड़े दावे पहली ही बारिश के पानी में कागज की नाव की तरह बहते हुए नजर आते हैं। सफाई के नाम पर अक्सर केवल दिखावा होता है; जो गाद और कचरा नालों से निकाला जाता है, उसे बारिश आने तक वहीं सड़कों के किनारे छोड़ दिया जाता है, जो पहली बारिश के प्रवाह के साथ वापस उसी नाले में बहकर उसे दोबारा अवरुद्ध कर देता है।

गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार

अब इस सिक्के के दूसरे पहलू पर भी विचार करना अत्यंत आवश्यक है। क्या सारा दोष केवल व्यवस्था और प्रशासन का है? सत्य तो यह है कि अनियोजित शहरीकरण के साथ-साथ नागरिकों का असंतुलित और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार भी इस समस्या को गहरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है। रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की तलाश में गांवों से शहरों की ओर होने वाले निरंतर पलायन ने शहरों की छाती पर अप्रत्याशित बोझ बढ़ा दिया है। एक शहर या मोहल्ले की जल निकासी व्यवस्था एक निश्चित आबादी का भार सहने के लिए बनाई जाती है। जब वहां क्षमता से कई गुना अधिक लोग रहने लगेंगे, बिना किसी योजना के अवैध बस्तियां बसेंगी और सड़कों तक अतिक्रमण होगा तो सबसे मजबूत व्यवस्था का चरमराना भी तय है। लोग नागरिक सुविधाओं पर बेतहाशा दबाव डाल रहे हैं, लेकिन उन सुविधाओं के रखरखाव में अपना आत्मीय योगदान देने से कतराते हैं।

बुनियादी सुविधाओं का टोटा

एक समय था जब जलभराव और यातायात अवरोध की समस्या केवल बड़े महानगरों तक सीमित मानी जाती थी। आज छोटे शहर और कस्बे भी इस महामारी की चपेट में आ चुके हैं। छोटे शहरों ने महानगरों की तर्ज पर अंधाधुंध भवनों का निर्माण तो शुरू कर दिया, लेकिन भूमिगत जल निकासी और जल प्रबंधन जैसी बुनियादी सुविधाओं का उस अनुपात में विकास नहीं किया गया है। इसके कारण वहां की स्थिति महानगरों से भी अधिक भयावह होती जा रही है, क्योंकि वहां तकनीकी संसाधनों का अभाव महानगरों की तुलना में कहीं अधिक है। सड़कों, फुटपाथों और आंगनों को पक्का (सीमेंटेड) कर देने से बारिश का पानी प्राकृतिक रूप से धरती के अंदर नहीं जा पाता। इसके अलावा शहरों के विस्तार के साथ ड्रेनेज नेटवर्क और सीवरेज लाइनें नहीं बिछाई जातीं।

दृढ़ इच्छाशक्ति की कमी

हम अपने घरों का कचरा, पॉलिथीन की थैलियां, प्लास्टिक या कांच की बोतलें, निर्माण सामग्री के मलबे को खुले नालों में फेंक देते हैं। जो बाद में पानी के बहाव को पूरी तरह से रोक देता है। जब समूचा तंत्र इस कचरे के कारण दम तोड़ने लगता है, तब हम प्रशासन को कोसने लगते हैं। घरों के बाहर जल निकासी के रास्तों पर पक्के चबूतरे बना लेना और अतिक्रमण करना एक आम प्रवृत्ति बन गई है, जिससे सफाई व्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित होती है। वस्तुतः मानसून के दौरान उत्पन्न होने वाली यह भयंकर स्थिति प्रशासनिक नाकामी और नागरिक लापरवाही का मिलाजुला परिणाम है। जहां प्रशासन के पास दृढ़ इच्छाशक्ति की कमी है, वहीं नागरिकों के पास अपने कर्तव्यों के प्रति बोध का अभाव है। जब तक दोनों एक-दूसरे पर दोषारोपण करते रहेंगे, तब तक संकट का कोई स्थायी समाधान कभी नहीं निकल पाएगा। अंतः मानसून को एक त्रासदी बनने से रोकने के लिए सत्ता और समाज, दोनों को मिलकर एक ईमानदार शुरुआत करनी ही होगी।

पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई

व्यवस्था

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

एक बार फिर मानसून ने भारत के पहाड़ी और उत्तर-पूर्वी राज्यों में भारी तबाही मचाई है। हिमाचल प्रदेश में नदियों के उफान से पुल बह रहे हैं, उत्तराखंड में चारधाम यात्रा मार्गों पर भूस्खलन से सैकड़ों यात्री फंसे हैं, जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील पहाड़ी ढलानों पर मलबा गिर रहा है और पूर्वोत्तर के राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम और त्रिपुरा में लाखों लोग बाढ़ और विस्थापन का दंश झेल रहे हैं। हर साल मानसून के दौरान पहाड़ों में मचने वाली यह चीख-पुकार अब केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं रह गई है। यह एक गंभीर चेतावनी है कि क्या प्रकृति का मिजाज बदला है या फिर हमारे लालच और संवेदनहीनता ने इन शांत पहाड़ों को टाइम बम में तब्दील कर दिया है? भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, इस वर्ष मानसून की तीव्रता में अप्रत्याशित बदलाव देखा गया है। जुलाई के शुरुआती हफ्तों में ही हिमाचल के सोलन और सिरमौर जैसे इलाकों में इतनी भारी बारिश हुई कि स्कूल-कॉलेज बंद करने पड़े।

किन्नौर में उफनती नदी ने लोहे के मजबूत पुलों को लील लिया। पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश के 26 से अधिक जिलों में फ्लैश फ्लड और रॉकफॉल ने पूरे जनजीवन को पंगु बना दिया है। वैज्ञानिक और पर्यावरणविद् लंबे समय से चेतावनी दे रहे हैं कि हिमालय दुनिया की सबसे नई और कच्ची पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। इसकी एक निश्चित वहन क्षमता है, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने इस संवेदनशीलता को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। पहाड़ की छाती को चीरकर अवैज्ञानिक बुनियादी ढांचा और फोर-लेन सड़कें बनाई जा रही हैं। पहाड़ों की सड़कों को चौड़ा करने के लिए 'वर्टिकल कटिंग' यानी सीधी कटाई की जा रही है। नतीजा, हल्की सी बारिश होते ही पूरी की पूरी पहाड़ी नीचे आ जाती है। दूसरा, पहाड़ी क्षेत्रों में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स का अनियंत्रित जाल बिछ रहा है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को मोड़कर बनाई जा रही सुरंगों और बांधों ने पहाड़ों को अंदर से खोखला कर दिया है। टनल बनाने के लिए की जाने वाली अनियंत्रित ब्लास्टिंग से टेक्टोनिक रूप से सक्रिय यह क्षेत्र और अधिक अस्थिर हो गया है। पहाड़ी टूरिस्ट डेस्टिनेशंस पर अनियंत्रित कंक्रीटीकरण और पर्यटन का दबाव है।

यह संभलने का समय है। प्रकृति हमारी सबसे बड़ी संरक्षक है, अगर उसके नियमों की अनदेखी की गई तो सबसे बड़ी संहारक बन जाती है। मानव का भविष्य प्रकृति पर विजय में नहीं बल्कि उसके साथ संतुलित और जिम्मेदार सह-अस्तित्व में है।

शिमला, मनाली, नैनीताल और जोशीमठ जैसे शहरों में वहन क्षमता से कई गुणा अधिक बहुमंजिला होटल और इमारतें खड़ी हो गई हैं। पहाड़ों का ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह ठप है जिससे बारिश का पानी जमीन के अंदर रिसकर पूरी जमीन को ही धंसा रहा है। मानव जाति की संवेदनहीनता केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं है। वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन के कारण जो 'ग्लोबल वॉर्मिंग' हो रही है, उसका सीधा असर मानसून के पैटर्न पर पड़ा है। अब शॉर्ट-ड्यूरेशन इंटेंस रेनफॉल होने लगा है। गर्म हवाओं के कारण पहाड़ों के ऊपर अचानक घने बादलों का निर्माण होता है जिससे सीमित दायरे में प्रलयंकारी बारिश होती है जिसे क्लाउड बर्स्ट या बादल का फटना कहते हैं। उत्तर-पश्चिम भारत में जब भूमध्य सागर से आने वाली नम हवाएं यानी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस मानसूनी हवाओं से टकराती हैं तो पहाड़ों पर विनाशकारी स्थिति पैदा होती है। पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई चल रही है। तथाकथित 'सस्टेनेबल मॉडल' और 'व्यावसायिक मॉडल' के बीच के अंतर ने संकट को बढ़ाया है। नदियों के पास अपना रिवर बैड या 'बाढ़ क्षेत्र' होता है जहां वे फैलती हैं। लेकिन नदी तटों पर अवैध माइनिंग, होटल और बस्तियों का अंधाधुंध निर्माण हुआ है जिससे पानी अब सीधे शहरों में घुसता है। संसद की संसदीय समिति की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार हिमालयी राज्यों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी देने से पहले वहां के भू-वैज्ञानिक ढांचे और वहन क्षमता का कड़ाई से मूल्यांकन नहीं किया जाना आपदाओं का बड़ा कारण है।

यदि हमें खूबसूरत पहाड़ों और वहां रहने वाले करोड़ों लोगों को बचाना है तो हमें अविलंब कठोर कदम उठाने होंगे। सख्त इको-सेंसिटिव ज़ोनिंग पहाड़ों की जरूरत है। आपदा संभावित क्षेत्रों में भारी निर्माण कार्य और बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं पर पूर्ण प्रतिबंध अनिवार्य है। सड़कों के निर्माण में ग्रीन इंजीनियरिंग और 'बायो-इंजीनियरिंग' तकनीकों का उपयोग जरूरी है। कंक्रीट की दीवारों के बजाय ऐसी वनस्पतियां लगाई जाएं जो मिट्टी को स्वाभाविक रूप से बांधें। पहाड़ों को 'मॉल' या कंक्रीट का जंगल बनाने की भूल हमें नहीं करनी चाहिए। विकास ऐसा होना चाहिए जो पहाड़ों की ऊंचाई को बनाए रखे न कि उन्हें मलबे के ढेर में तब्दील कर दे। प्रकृति कभी अन्याय नहीं करती, वह केवल संतुलन स्थापित करती है। हमने जंगल काटे, नदियों को बांधा और पहाड़ों को तोड़ा-अब प्रकृति अपना जवाब दे रही है। प्रकृति चेतावनी भी देती है और सबक भी सिखाती है। आज की सुविधा, कल की त्रासदी न बन जाए इसलिए प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व ही मानवता का भविष्य है। धरती का धैर्य असीम नहीं है; जब वह टूटता है, तब आपदाएं जन्म लेती हैं लिहाजा यह संभलने का समय है। प्रकृति हमारी सबसे बड़ी संरक्षक है, अगर उसके नियमों की अनदेखी की गई तो सबसे बड़ी संहारक बन जाती है।

पारंपरिक जल संरक्षण प्रणाली अपनाएं

मंथन

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

हर वर्ष गर्मियों के आगमन के साथ देश के अधिकांश राज्यों में पेयजल संकट की खबरें सुर्खियां बन जाती हैं। कहीं टैंकरों के पीछे लंबी कतारें लगती हैं, कहीं महिलाएं कई किलोमीटर दूर से पानी ढोने को मजबूर होती हैं, तो कहीं किसान सूखे खेतों को देखकर आसमान की ओर टकटकी लगाए रहते हैं। विडंबना यह है कि कुछ ही सप्ताह बाद मानसून आता है और वही देश बाढ़, जलभराव तथा नदियों के उफान से जूझने लगता है। एक ओर पानी की बूंद-बूंद के लिए संघर्ष और दूसरी ओर करोड़ों लीटर वर्षाजल का बिना उपयोग समुद्र में बह जाना, यही हमारे जल प्रबंधन की सबसे बड़ी विफलता है। भारत विश्व के उन देशों में है जहां वर्षा की मात्रा पर्याप्त है, लेकिन उसका वितरण असमान और प्रबंधन अत्यंत कमजोर है।

यदि इस जल का एक बड़ा भाग भी वैज्ञानिक ढंग से संचित कर लिया जाए तो गर्मियों में पेयजल संकट, भूजल स्तर में गिरावट और सिंचाई संबंधी समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आज देश के अनेक शहरों का भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, जयपुर और हैदराबाद जैसे महानगरों में भूजल का अत्यधिक दोहन चिंता का विषय बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पारंपरिक कुएं और हैंडपंप सूखते जा रहे हैं। इसका प्रमुख कारण यह है कि जितनी तेजी से हम धरती से पानी निकाल रहे हैं, उतनी ही गंभीरता से उसे वापस धरती में पहुंचाने का प्रयास नहीं कर रहे। वर्षाजल संचयन इस असंतुलन को ठीक करने का सबसे प्रभावी और अपेक्षाकृत सस्ता उपाय है। दुर्भाग्य से भारत में जल संरक्षण की चर्चा अक्सर तब होती है जब संकट सिर पर आ जाता है। गर्मियों में पानी की कमी पर योजनाएं बनती हैं और मानसून आते ही पूरा ध्यान जल निकासी पर केंद्रित हो जाता है। शहरों में वर्षाजल को सहेजने के बजाय उसे जल्द से जल्द नालों के माध्यम से बाहर निकालने की व्यवस्था की जाती है। परिणाम यह होता है कि बरसात के कुछ दिनों बाद वही शहर फिर पानी की कमी से जूझने लगते हैं। यह स्थिति बताती है कि हमारी प्राथमिकताएं दीर्घकालिक समाधान के बजाय तात्कालिक राहत तक सीमित हैं। भारत की पारंपरिक जल संरक्षण प्रणाली इस मामले में आज भी प्रेरणा देती है। राजस्थान के जोहड़, गुजरात की बावड़ियां, महाराष्ट्र के बंधारे, दक्षिण भारत के तालाब और उत्तर भारत के पोखर केवल जल स्रोत नहीं थे, बल्कि समाज की सामूहिक जल संस्कृति का हिस्सा थे। इन संरचनाओं ने सदियों तक लोगों की प्यास बुझाई और भूजल स्तर को बनाए रखा। आधुनिक विकास की दौड़ में इन पारंपरिक प्रणालियों की उपेक्षा हुई और उनके स्थान पर केवल पाइपलाइन आधारित जल आपूर्ति व्यवस्था पर निर्भरता बढ़ती चली गई। अब समय आ गया है कि आधुनिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान का समन्वय किया जाए। नगर नियोजन, भवन निर्माण, औद्योगिक लाइसेंस और ग्राम विकास योजनाओं में वर्षाजल संचयन को अनिवार्य शर्त बनाना चाहिए। वर्षाजल संचयन को केवल सरकारी योजना मान लेना भी पर्याप्त नहीं होगा। यह सामाजिक भागीदारी का विषय है। प्रत्येक मकान, विद्यालय, सरकारी कार्यालय, उद्योग और बहुमंजिला इमारत में वर्षाजल संचयन प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू किया जाना चाहिए। छतों पर गिरने वाले पानी को पाइपों के माध्यम से भूमिगत टैंकों या रिचार्ज पिट तक पहुंचाया जा सकता है। इससे न केवल पेयजल की उपलब्धता बढ़ेगी बल्कि भूजल स्तर भी सुधरेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी छोटे-छोटे तालाब, चेक डैम, खेत-तालाब, मेड़बंदी और जलग्रहण क्षेत्र विकास जैसी योजनाओं को व्यापक स्तर पर लागू करने की आवश्यकता है। इन उपायों से वर्षाजल लंबे समय तक भूमि में ठहरता है, जिससे कृषि को लाभ मिलता है और सूखे की संभावना कम होती है। जल संरक्षण केवल संसाधन प्रबंधन का विषय नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की रणनीति भी है। बदलते मौसम चक्र के कारण वर्षा अब कम दिनों में अधिक तीव्रता से हो रही है। यदि इस तेज वर्षा को संरक्षित नहीं किया गया तो एक ओर बाढ़ का खतरा बढ़ेगा।

सरकारों को भी केवल नई जलापूर्ति परियोजनाओं पर निर्भर रहने के बजाय जल संरक्षण आधारित विकास मॉडल अपनाना होगा। जल संकट का स्थायी समाधान नए स्रोत खोजने में नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा हर वर्ष दिए जाने वाले अमूल्य वर्षाजल को सम्मानपूर्वक संचित करने में है।

भविष्य की जल नीति में वर्षाजल संचयन को केंद्रीय स्थान देना समय की मांग है। सरकारों को भी केवल नई जलापूर्ति परियोजनाओं पर निर्भर रहने के बजाय जल संरक्षण आधारित विकास मॉडल अपनाना होगा।

बाढ़ नियंत्रण में छोटे बांध भी सहायक

मानसून

चरण जीत चरण

स्वतंत्र पत्रकार

मानसून एक ऐसा शब्द है जिसका नाम जुबान पर आने या किताब में पढ़ने से ही मन में एक बड़ा खूबसूरत दृश्य बनता है। बारिश की बूंदें ठंडी हवा ,चारों तरफ हरियाली, खेतों की मेड़ों पर उगती दूब, पेड़ों पर फूटती कोपलें, उजाले की ओर दौड़ते कीट-पतंगे, रात के अंधेरे में सन्नाटे को चीरती कीटों की आवाज़ और इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण जेठ की तपती दोपहरी में चलती हुई लू के थपेड़ों से व्याकुल प्यासी धरती पर पड़ती पानी की बूंदों से उठती मिट्टी की सोंधी महक।

वर्षों से मानसून भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। भारत में बहुत से तीज-त्योहार, खानपान, रहन-सहन और जीवन से जुड़ी बहुत सारी गतिविधियां मानसून के अनुसार निर्धारित की गई हैं। मानसून अगर समय पर न आए या बारिश कम हो तो भारतीय जनजीवन इससे बहुत अधिक प्रभावित होने लगता है। मानसून के इस मौसम में अगर बारिश निर्धारित मात्रा से कम होती है तो जीवन-यापन का एक बड़ा संकट पैदा हो जाता है। यदि बारिश अधिक होती है तो और बड़ा संकट पैदा होता है। हालांकि भारत ने अपने स्तर पर सीमित संसाधनों के माध्यम से इस क्षेत्र में बहुत से उपाय किए हैं, लेकिन कई बार जब मानसून अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ता है तो पूर्व में किए गए सारे इंतज़ाम नाकाफ़ी लगने लगते हैं। फिर नए सिरे से एक नई बहस शुरू हो जाती है कि और क्या इंतज़ाम किए जाएं कि बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सके। अत्यधिक वर्षा के कारण पानी का प्रवाह बाढ़ के रूप में जब नदियों के तटों को तोड़ता हुआ खेतों, गांवों और शहरों में प्रवेश करता है तो यह सिर्फ धनहानि नहीं करता बल्कि कई बार इतनी बड़ी मात्रा में जनहानि होती है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। गांव के गांव इस बाढ़ में बह जाते हैं। नदियों के तटबंध टूटने के कारण सड़कें, रेल लाइनें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। यहां तक कि सामान्य यातायात भी थम जाता है। आज जब हम इंटरनेट के आधुनिक युग में जी रहे हैं तो बाढ़ से प्रभावित लोगों के जीवन से जुड़ी असामान्य तस्वीरें और वीडियो देखकर एक प्रश्न अनायास ही मन में उठता है कि आधुनिकता का ढोल पीटने वाली इस दुनिया में क्यों ऐसे इंतज़ाम नहीं हो सके कि बाढ़ से होने वाले नुकसान को न्यूनतम स्तर तक ले जाया जा सके। बांध बाढ़ की तीव्रता को कम करने में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे हर स्थिति में बाढ़ को पूरी तरह नहीं रोक सकते। आज़ादी के बाद भारत में कई बड़े बांध बनाए गए जिनका उद्देश्य पानी के प्रवाह को नियंत्रित करना और उससे बिजली का उत्पादन कर देश के विकास में उपयोग करना था। इसका लाभ यह हुआ कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हुआ, लेकिन इन बड़े बांधों के कुछ विपरीत प्रभाव भी हैं। अत्यधिक वर्षा के कारण जब ये बांध अपनी क्षमता को लांघने लगते हैं तो इनसे पानी की बड़ी मात्रा छोड़ दी जाती है और यही पानी कृत्रिम बाढ़ का काम करता है जो सामान्य बाढ़ से कई गुना अधिक घातक होता है। विशेषज्ञ अपने सुझाव देते हैं? जब भी बाढ़ को रोकने के लिए बांध बनाने की बात होती है तो विपरीत प्रभाव भी सामने आने लगते हैं। जैसे कोई भी बांध बनाने के बाद कई किलोमीटर का हराभरा क्षेत्र पानी में डूब जाता है। उस क्षेत्र की वनस्पतियां, गांव, तालाब, झील सब इस बांध के पेट में समा जाते हैं।

इससे उस क्षेत्र में रहने वाले लोगों का जनजीवन असामान्य रूप से प्रभावित होता है। इसका मतलब ये नहीं है कि परिस्थितियों से निपटने के लिए कुछ न किया जाए। समाधान अपने पारंपरिक जल-संरक्षण के साधनों और स्रोतों की ओर लौटने में भी निहित है। हमारे पूर्वजों ने पानी को सही दिशा देने के उपाय बहुत पहले खोज लिए थे। एक समय पर गांव और शहरों में बड़े-बड़े तालाब और झीलें होती थीं जो बारिश के पानी को इकट्ठा कर जलस्तर को ठीक करने काम करती थी। आज उन तालाबों और झीलों पर अधिकार कर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। जिसके कारण न सिर्फ पानी अनियंत्रित हुआ बल्कि जलस्तर भी तेज़ी से नीचे गिरा है। ज़रूरत है उन तालाबों और झीलों को फिर से उनके मौलिक स्वरूप में लाने की। छोटे-छोटे बांधों के माध्यम से इन तालाबों और झीलों तक पानी पहुंचाकर न सिर्फ बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सकता है, बल्कि भूगर्भ जलस्तर को बढ़ाकर रबी की फसल के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था की जा सकती है।

तालाबों और झीलों को फिर से उनके मौलिक स्वरूप में लाने की जरूरत है। छोटे-छोटे बांधों के माध्यम से इन तक पानी पहुंचाकर न सिर्फ बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सकता है, बल्कि भूगर्भ जलस्तर को बढ़ाकर रबी की फसल के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था की जा सकती है।

चन्नी गुट से मिले पंजाब प्रभारी

वडिंग को नहीं हटाया जाएगा, पार्टी के अंदर कोई झगड़ा नहीं, जिताऊ उम्मीदवार को ही यहां दिया जाएगा टिकट

बघेल ने सभी से बात की, सभी ने राय रखी और हाई कमान के फैसले को मानेंगे

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

पंजाब में कांग्रेस के अंदर इस वक्त खींचतान चल रही है। इसी बीच शनिवार को पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने अपने समर्थकों के साथ चंडीगढ़ में पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल से मुलाकात की। चन्नी गुट के कांग्रेस नेताओं से मुलाकात के बाद भूपेश बघेल ने कहा कि पार्टी में कोई झगड़ा नहीं है, लेकिन उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वर्तमान पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को हटाने पर कोई चर्चा नहीं हुई है। बघेल ने कहा कि राणा (कांग्रेस विधायक राणा गुरजीत) ने हमें बुलाया था। वे एक वरिष्ठ नेता हैं। मैंने सभी साथियों से बात की और उनसे मिला। उन्होंने अपनी राय रखी और हाई कमान के फैसले पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है। सभी हाई कमान के साथ हैं।

सभी के हितों का ध्यान रखा जाएगा

बघेल ने कहा कि मेरे साथियों ने कुछ बातें उठाईं और मैंने उन सभी को भरोसा दिलाया कि मैं सभी के हितों का ध्यान रखूंगा। किसी को भी इसलिए नुकसान नहीं होना चाहिए क्योंकि उन्हें किसी बड़े नेता का समर्थन नहीं है। अगर कोई उम्मीदवार जीतने की काबिलियत रखता है, तो उसे निश्चित रूप से टिकट मिलेगा। साथियों ने कुछ मुद्दे उठाए।

पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल और पूर्व सीएम चरणदास चन्नी के बीच हुई मुलाकात

अध्यक्ष न बनाने पर चन्नी गुट था नाराज

कांग्रेस ने 1 जुलाई को ऐलान किया था कि अमरिंदर सिंह राजा वडिंग पंजाब यूनिट के अध्यक्ष बने रहेंगे और जालंधर के सांसद चन्नी कैंपेन कमिटी के चेयरमैन होंगे। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष न बनाए जाने से नाराज बताए जा रहे पूर्व मुख्यमंत्री चन्नी, बघेल से नहीं मिले। बघेल सोमवार को पंजाब पहुंचे थे और राज्य के नेताओं और पदाधिकारियों के साथ लगातार बैठकें कर रहे थे। हालांकि, चन्नी के करीबी कई नेता भी इन बैठकों से दूर रहे।

वडिंग को हटाने पर चर्चा नहीं की

बघेल ने कहा कि मौजूदा पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को हटाने पर कोई चर्चा नहीं हुई है। चुनाव से पहले पंजाब कांग्रेस में 'चन्नी बनाम वडिंग' गुट के बीच वर्चस्व की लड़ाई चल रही है और पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी प्रदेश अध्यक्ष के पद से अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को हटवाना चाहते थे। लेकिन बघेल ने कांग्रेस नेता राणा गुरजीत सिंह के घर चन्नी और चन्नी गुट के नेताओं से मुलाकात के बाद कहा कि अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को हटाने के मुद्दे पर कोई बात नहीं हुई। हालांकि पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल ने कहा कि यदि कोई नेता काबिल है और उसमें जीतने की क्षमता है तो निश्चित रूप से उसे टिकट मिलेगा।

चन्नी को मिला बूटा सिंह परिवार का समर्थन

पंजाब कांग्रेस में चल रही उथल-पुथल के बीच चन्नी को पूर्व केंद्रीय मंत्री बूटा सिंह के परिवार का समर्थन मिला है। बूटा सिंह केंद्र की सरकार में गृह मंत्री रहे और सिख राजनीति के बड़े चेहरे थे। बूटा सिंह के बेटे सरबजोत सिंह और बेटी गुरकीरत कौर ने शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री चन्नी से उनके घर पर मुलाकात की।

खबर संक्षेप

गाजियाबाद में धू-धूकर जली चलती स्कूल बस

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के शहर गाजियाबाद में शनिवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया।

नंदग्राम तिराहे के पास गाजियाबाद के दिल्ली पब्लिक स्कूल की एक स्कूल बस आग की चपेट में आ गई। कुछ ही मिनटों में बस आग के गोले में बदल गई। गनीमत यह रही हादसे के वक्त बस में कोई स्टूडेंट नहीं था। इस दौरान ड्राइवर भी सुरक्षित निकल आया था।

मोदी डिस्टिलरी में स्प्रिट भंडारण इकाई में आग

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के मोदीनगर स्थित मोदी डिस्टिलरी में शनिवार दोपहर

स्प्रिट भंडारण इकाई में भीषण आग लगने से फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई। तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं और स्प्रिट से जुड़े दो कंटेनरों के फटने की सूचना सामने आई। हादसे के समय फैक्ट्री में 1500 से 2000 कर्मचारी मौजूद थे। हताहत की खबर नहीं है।

अरवल में डंपर-ऑटो-रिक्शा भिड़े, 4 की मौत

पटना। बिहार के अरवल जिले में शनिवार को एक डंपर ट्रक और ऑटोरिक्शा की भिड़त में 4 लोगों

की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-139 पर फतेहपुर संडा के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विपरीत दिशा से आ रहे ऑटोरिक्शा की डंपर ट्रक से भिड़त हो गई। टक्कर में ऑटोरिक्शा क्षतिग्रस्त हो गया।

ठगी करने वाले कॉल सेंटर से 5 गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के थाना फेस-1 पुलिस ने लोन दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक

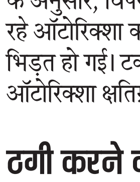

अवैध कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। छापेमारी की थी। मौके से 5 मोबाइल फोन, 3 लैपटॉप, 6 चेक बुक, 160 कॉलिंग डाटा शीट, बिलिंग बुक और इंटरनेट राउटर सहित अन्य सामान बरामद किया गया।

सिंगर एस जानकी का निधन, 88 साल की थीं

मैसूर। मशहूर प्लेबैक सिंगर एस. जानकी का शनिवार को मैसूर के एक निजी अस्पताल में निधन हो

गया। वह 88 साल की थीं। शुक्रवार रात उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्होंने 48 हजार से ज्यादा गाने रिकॉर्ड किए। इनमें ज्यादातर हिंदी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने पत्तन सुरक्षा ब्यूरो की तैयारियों की समीक्षा की

बंदरगाहों और फिश लैन्डिंग सेंटर्स की सुरक्षा को 'अभेद्य' बनाएं, व्यापक डेटाबेस तैयार करें

बैठक में गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, सीमा प्रबंधन सचिव, पत्तन, पोत परिवहन एवं जहाजरानी सचिव शामिल रहे

तटीय सुरक्षा पर किसी तरह की लापरवाही न हो

गृहमंत्री शाह और पोत परिवहन एवं जहाजरानी मंत्री सोनोवाल ने की समीक्षा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने पत्तन सुरक्षा ब्यूरो के गठन में हुई प्रगति की समीक्षा की। बैठक में गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, सीमा प्रबंधन सचिव, पत्तन, पोत परिवहन एवं जहाजरानी सचिव, मत्स्यपालन विभाग के सचिव, सीआईएसएफ के महानिदेशक समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार देश की तटीय सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। शाह ने निर्देश दिया कि ब्यूरो में तैनात किए जाने वाले सभी सुरक्षाकर्मियों का एक व्यापक डेटाबेस तैयार किया जाए। सुरक्षाकर्मियों का प्रशिक्षण जल्द शुरू किया जाए। साथ कंटेनर स्कैनिंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

प्रशिक्षित निजी सुरक्षाकर्मियों की हो तैनाती

शाह ने कहा कि बंदरगाहों की सुरक्षा का कार्य लाइसेंस प्राप्त निजी सुरक्षा एजेंसियों को दिया जाए। उन्हीं निजी सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाए, जिन्हें सीआईएसएफ से प्रशिक्षण मिला हो। सीआईएसएफ को विशाखापत्तनम, जवाहरलाल नेहरू और मुंद्रा पोर्ट ब्यूरो को सौंपी जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था का ट्रायल करने के निर्देश दिए।

वैधानिक निकाय के रूप में होगा ब्यूरो का गठन

सरकार ब्यूरो का गठन एक वैधानिक निकाय के रूप में कर रही है। इसका नेतृत्व महानिदेशक करेंगे और यह मंत्रालय के अधीन कार्य करेगा।

फिशिंग हार्बर्स और फिश लैन्डिंग सेंटर्स की सुरक्षा पर जोर

शाह ने मत्स्यपालन विभाग के अधिकारियों के साथ अलग बैठक कर फिशिंग हार्बर्स और फिश लैन्डिंग सेंटर्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसरो द्वारा विकसित 'नभमित्र' ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक नाविक इसे अपने मोबाइल में डाउनलोड कर सकें। उन्होंने सभी जिलों के डीएम और एसपी से फिश लैन्डिंग सेंटर्स की सूची उपलब्ध कराने तथा मत्स्यपालकों के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाने के भी निर्देश दिए।

फिश लैन्डिंग सेंटर्स पर स्थायी पुलिस बल की तैनाती हो

शाह ने जिला पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया कि सभी फिश लैन्डिंग सेंटर्स पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों पर स्थायी पुलिसकर्मियों की नियुक्ति हो, ताकि तटीय सुरक्षा तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

नई दिल्ली में जयप्रकाश नारायण पुस्तकालय का लोकार्पण किया

देश का भविष्य पुस्तकालयों में जुटने वाली भीड़ पर निर्भर, विवेक जगेगा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को नई दिल्ली में जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय का लोकार्पण किया। शाह ने कहा कि किसी देश का भविष्य कृषि, बाज़ार या उद्योग से नहीं, बल्कि उसके पुस्तकालयों में जुटने वाली युवाओं की भीड़ से तय होता है। राष्ट्र को आगे बढ़ाने वाली, राष्ट्र-निर्माण और राष्ट्र को वैभव दिलाने वाली सारी गतिविधियों का मूल ज्ञान एवं विवेक में होता है। यह ज्ञान सिर्फ एक पुस्तकालय ही दे सकता है। शाह ने युवा पीढ़ी से अपील की कि वे एक बार पुस्तकालय से अवश्य जुड़ें। पढ़ने की आदत बनते ही अच्छे-बुरे का विवेक स्वयं जाग जाएगा। अपना अनुभव साझा किया।

यह ज्ञान और चिंतन का नया केंद्र बनेगा

शाह ने कहा कि यह पुस्तकालय युवाओं के ज्ञान और चिंतन का नया केंद्र बनेगा। उन्होंने दिल्ली सरकार से आग्रह किया कि वह दिल्ली के सभी पुस्तकालयों को आपस में लिंक करें और स्कूलों को इनसे जोड़ने के लिए एक ठोस योजना बनाएं। एक कार्ययोजना बनाकर पुस्तक प्रेमियों को पुस्तकालयों से जोड़ने का प्रयास होना चाहिए।

महाराष्ट्र सरकार को 'सुप्रीम' फटकार

आपको जनता के बीच बेनकाब कर देंगे, सुनवाई में तेजी लाएं

53 बार अदालत में पेश नहीं किया गया आरोपी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने जमानत याचिका का विरोध करने, लेकिन आपराधिक मामलों की सुनवाई में तेजी नहीं लाने के लिए महाराष्ट्र सरकार को जनता के बीच 'बेनकाब' करने की चेतावनी दी। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्ला और न्यायमूर्ति शील नागू की पीठ एक विदेशी नागरिक की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि हमारे पास हर दिन महाराष्ट्र से इस तरह के मामले आते हैं। आप जमानत का पुरजोर विरोध तो करते हैं, लेकिन मुकदमे की सुनवाई में तेजी लाने के लिए कोई कदम नहीं उठाते। जब हम मामले की पड़ताल करते हैं, तो सबूत कमजोर निकलते हैं। हम जनता के बीच आपको (राज्य सरकार को) बेनकाब कर देंगे। अपहरण और हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी ने पीठ के समक्ष दलील दी कि वह 4 साल से जेल में है और उसका मामला निचली अदालत में 86 तारीखों पर सूचीबद्ध किया गया था। उसने शीर्ष अदालत को बताया कि उसे 53 बार अदालत में पेश नहीं किया गया।

निचली अदालत में पेश न करना बड़ी गलती

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार की ओर से आरोपी को निचली अदालत में पेश न करना एक गंभीर गलती है। आरोपी के शीघ्र सुनवाई के मौलिक अधिकार पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का जिक्र करते हुए पीठ ने कहा कि हमें शर्मिंदगी महसूस हो रही है। चार साल में 34 में से केवल दो गवाहों से पूछताछ हुई। यह बात कुछ समय से इस न्यायालय को परेशान कर रही है। पीठ ने कहा कि जब राज्य सरकार जमानत याचिकाओं का पुरजोर विरोध करती है, तो उसकी यह जिम्मेदारी भी बनती है कि वह मुकदमे की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाए, लेकिन ऐसा करने में वह नाकाम रही है। महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश वकील ने न्यायालय को बताया कि वह (राज्य सरकार) अब सुनवाई की हर तारीख पर सभी आरोपियों को मामले की सुनवाई कर रही अदालत में पेश कर रही है।

हर हफ्ते 4 गवाहों के बयान दर्ज किए जाएं

पीठ ने कहा कि हर हफ्ते कम से कम 4 गवाहों के बयान दर्ज किए जाएं और इस आदेश का रिकॉर्ड मामले की सुनवाई कर रही अदालत के समक्ष रखा जाए। अगर भविष्य में ऐसे मामले सामने आते हैं, तो इसी तरह के कड़े आदेश दिए जाएंगे। हालांकि, न्यायालय ने कहा कि राज्यों को सुनवाई में तेजी लाने के लिए एक खास नीति बनानी चाहिए।

महानदी जल विवाद के समाधान के लिए मशक्कत

ट्रिब्यूनल में सुनवाई के दौरान समर्थन की बात आई सामने

ओडिशा व छग ने आपसी सहमति से विवाद के समाधान की 'इच्छा' जताई

एजेंसी ▶▶ भुवनेश्वर

महानदी जल विवाद के समाधान का रास्ता अब साफ होता नजर आ रहा है। ट्रिब्यूनल में हुई सुनवाई के दौरान दोनों राज्यों ने आपसी सहमति से विवाद के

समाधान की इच्छा जताई है। ओडिशा सरकार के प्रस्ताव पर छत्तीसगढ़ ने भी अपनी सहमति दे दी है। शनिवार को मामले की सुनवाई ट्रिब्यूनल की अध्यक्ष न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी की अध्यक्षता में हुई। ओडिशा के एडवोकेट जनरल पीतांबर आचार्य ने कहा दोनों ने बातचीत से विवाद का स्थायी हल निकालने पर सहमति व्यक्त की है।

विवाद के मुख्य कारण

- ओडिशा का आरोप है कि छत्तीसगढ़ द्वारा ऊपरी हिस्से में अवैध बैराज और एनिकट बनाने से नीचे की तरफ पानी का बहाव कम हो गया है।
- इससे ओडिशा के प्रसिद्ध हीराकुंड बांध में पानी की आवक प्रभावित होती है।
- छत्तीसगढ़ का तर्क है कि महानदी बेसिन का एक बड़ा हिस्सा उसके क्षेत्र में आता है, इसलिए उसे अपनी कृषि और औद्योगिक विकास के लिए पानी का उपयोग करने का अधिकार है।

न्यायाधिकरण और वर्तमान स्थिति

- 2018 में केंद्र ने अधिनियम, 1956 के तहत महानदी जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन किया था।

अस्पतालों की बदहाल व्यवस्था

अब भीलवाड़ा-बांसवाड़ा में 7 प्रसूताओं की मौत

भीलवाड़ा। राजस्थान के सरकारी अस्पतालों की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था सवालों के घेरे में है। प्रदेश में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति इतनी चिंताजनक हो चुकी है कि प्रसूताओं की मौत का सिलसिला थम नहीं

रहा है। कोटा, बीकानेर और जोधपुर के बाद अब भीलवाड़ा और बांसवाड़ा के अस्पतालों से दिल दहला देने वाले मामले सामने आए हैं। पूरे प्रदेश के स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप है। भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल स्थित मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में पिछले छह दिनों के भीतर 5 प्रसूताओं की मौत हो चुकी है। मृतकों में शिमला गुर्जर (5 जुलाई), फोरी देवी (7 जुलाई), ईशा पांडे (8 जुलाई), दिव्या (9 जुलाई) और संगीता जीनगर (10 जुलाई) शामिल हैं।

देश के 6 पूर्व प्रधान न्यायाधीशों ने चौधरी को दी राय

एक साथ चुनाव से संघवाद कमजोर नहीं होगा यह लोकतांत्रिक सिद्धांतों का उल्लंघन नहीं

एजेंसी ▶▶ पणजी

भारत के 6पू र्व प्रधान न्यायाधीशों समेत कानूनी विशेषज्ञों ने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को

बताया कि प्रस्तावित 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' (ओएनओई) ढांचा संविधान के अनुरूप है और यह संघीय ढांचे या लोकतांत्रिक सिद्धांतों का उल्लंघन नहीं करता है। समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने शनिवार को यह जानकारी दी। गोवा के जेपीसी के 2 दिनी दौरे के समापन पर चौधरी ने कहा कि समिति ने चिंताओं की जांच-पड़ताल की कि क्या लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने से संघवाद कमजोर होगा?

संविधान का मूल रूप नहीं बदलेगा

उन्होंने कहा कि हमारे सामने पहला सवाल यह था कि क्या एक साथ चुनाव कराना संविधान के खिलाफ है, संघवाद के खिलाफ है या लोकतंत्र के खिलाफ है। हमने भारत के 6 पूर्व प्रधान न्यायाधीशों समेत कानूनी विशेषज्ञों की राय मांगी। सभी ने बताया कि एक साथ चुनाव कराने से संघीय ढांचे, लोकतंत्र या संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं होता है। चौधरी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के तीन न्यायाधीशों, विधि आयोग के अध्यक्ष और कई संवैधानिक विशेषज्ञों ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए। एक साथ चुनाव कराना संविधान के अनुरूप है, विपरीत नहीं।

बारिश से कई राज्यों में तबाही, लोग परेशान

चमोली में अस्पताल की दीवार गिरी, डॉक्टर की मौत

डॉ. नवीन चंद्र डिमरी मरम्मत कार्य का ले रहे थे जायजा

एजेंसी ▶▶ चमोली

जिले के नारायणबगड़ के सरकारी अस्पताल परिसर में क्षतिग्रस्त दीवार शनिवार दोपहर भरभराकर गिर गई। इस दौरान चिकित्सा प्रभारी डॉ नवीन चंद्र डिमरी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। डॉ. रिया घिल्डियाल ने उनकी स्थिति चिंताजनक बताई थी। 25 जून को भारी बारिश के कारण बहकर आए मलबे से अस्पताल की बांउड्रीवाल

क्षतिग्रस्त हो गई थी। शनिवार को क्षतिग्रस्त दीवार का मरम्मत कार्य किया जा रहा था। इस दौरान डॉ. डिमरी मरम्मत कार्य का जायजा ले रहे थे कि अचानक दीवार उनके उपर गिर पड़ी।

उत्तराखंड में 120 मार्ग बाधित

स्यानाचट्टी में 100 तीर्थयात्रियों ने रस्सी से रास्ता पार किया

देहरादून। उत्तराखंड के कई स्थानों पर 24 घंटे के दौरान भारी बारिश से पहाड़ी क्षेत्रों में जगह-जगह हुए भूस्खलन से 3 राष्ट्रीय राजमार्ग सहित 120 मार्ग अवरूद्ध हो गए। उत्तरकाशी जिले के स्यानाचट्टी में भारी मलबा आने से 2 दिन से बाधित यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर करीब 100 तीर्थयात्रियों को रस्सी की सहायता से रास्ता पार कराया गया। स्यानाचट्टी में वैकल्पिक मार्ग पर सुरक्षित तरीके से रस्सी बांधी गई।

हिमाचल में भी मानसून का कहर

सैकड़ों सड़कें-बिजली ट्रांसफार्मर ठप, शिमला में भूस्खलन का खतरा

शिमला। हिमाचल प्रदेश में लगातार दो दिन हुई भारी बारिश से कई इलाकों में तबाही हुई है। जगह-जगह भूस्खलन से

सैकड़ों सड़कें ठप हो गई हैं। कई इलाकों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई है। प्रदेश में छोटी-बड़ी करीब 310 सड़कें बाधित हैं। करीब 400 बिजली ट्रांसफार्मर और 50 पेयजल योजनाएं भी बंद हैं। मौसम विभाग ने कई भागों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

टीएमसी के अब तक 15 बैंक खाते फ्रीज

एक हजार करोड़ बैंक खातों में फंसे तो कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंची पार्टी

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल पुलिस ने शुक्रवार को ममता बेनर्जी के नेतृत्व वाली तटीएमसी के 12 और बैंक अकाउंट

फ्रीज कर दिए। एक दिन पहले ही पार्टी को कथित तौर पर 440 करोड़ के 3 अकाउंट को आंशिक रूप से ऑपरेट करने की इजाजत दी गई थी। अब तक 15 टीएमसी बैंक अकाउंट फ्रीज किए जा चुके हैं, जिनमें कथित तौर पर करीब 1,000 करोड़ जमा हैं। नए फ्रीज किए गए 12 अकाउंट कई पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर के बैंकों के हैं। पुलिस ने अकाउंट होल्डर्स और उन अकाउंट में रिकॉर्ड किए गए आर्थिक ट्रांजैक्शन की डिटेल्स मांगी हैं। यह कदम कलकत्ता हाई कोर्ट द्वारा टीएमसी को एचडीएफसी के 3 अकाउंट को आंशिक रूप से ऑपरेट करने की इजाज़त देने के एक दिन बाद आया है, जिसमें रिटायर्ड जस्टिस सुब्रत तालुकदार को 30 सितंबर तक स्पेशल ऑफिसर नियुक्त किया गया है। स्पेशल ऑफिसर के काउंटरसाइन चेक के ज़रिए कर सकती है।

इसके निर्माण से न केवल भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल को भारी सफलता मिली है, बल्कि देश का रक्षा औद्योगिक आधार भी मजबूत हुआ है और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं

समुद्र में बढ़ेगी भारत की ताकत

नौसेना में शामिल हुआ महेंद्रगिरि रडार से बचने की अचूक तकनीक

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत और मारक क्षमता में शनिवार को एक ऐतिहासिक इजाफा हुआ है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विशाखापत्तनम डॉकयार्ड में आयोजित एक भव्य समारोह में स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस महेंद्रगिरि को आधिकारिक तौर पर नौसेना के बेड़े में कमीशन कर दिया है।

यह भारतीय नौसेना के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 17ए का छठा युद्धपोत है। कमीशनिंग समारोह के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को नौसेना द्वारा 'गार्ड ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया गया। इस विशेष अवसर पर नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन भी उनके साथ मौजूद रहे।

आत्मनिर्भर भारत की मिसाल

आईएनएस महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो (डब्ल्यूडीबी) द्वारा पूरी तरह से स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया है और इसका निर्माण मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने किया है। यह युद्धपोत स्वदेशी जहाज निर्माण में भारत की लगातार बढ़ती विशेषज्ञता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इसमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उपकरणों और तकनीक का उपयोग किया गया है। इसके निर्माण में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों सहित बड़ी संख्या में भारतीय उद्योगों ने अपना योगदान दिया है।

1 यह प्रोजेक्ट 17ए का छठा स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट

2 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी तकनीक से निर्मित

आईएनएस महेंद्रगिरि नौसेना में शामिल

'महेंद्रगिरिश' समुद्र में तैरता एक अभेद्य किला

- हर मोर्चे पर अचूक मारक क्षमता
- किसी भी खतरे से एक साथ निपटने में सक्षम
- समुद्री सुरक्षा, सर्च एंड रेस्क्यू मिशन में उपयोगी
- मानवीय सहायता और आपदा राहत में उपयोगी
- अत्याधुनिक स्वदेशी हथियारों, एडवांस सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर प्रणालियों से लैस

महेंद्रगिरि हिंद महासागर में भारत के समुद्री हितों की रक्षा करेगा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह अत्याधुनिक युद्धपोत हमारे घरेलू रक्षा उद्योगों की अविश्वसनीय क्षमताओं का जीता-जागता प्रमाण है। उन्होंने देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि महेंद्रगिरि भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने और एक सुरक्षित हिंद-महासागर के हमारे संकल्प को मजबूत करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश अब तेजी से भारत के रक्षा निर्माण और एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग के एक नए पावरहाउस के रूप में उभर रहा है, जो भविष्य में रक्षा क्षेत्र में भारत को और अधिक आत्मनिर्भर बनाएगा।

महेंद्रगिरि पर्वत के नाम पर मिला नाम

इस अत्याधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट का नाम ओडिशा में स्थित पूर्वी घाट की महेंद्रगिरि पर्वत श्रृंखला के नाम पर रखा गया है। नौसेना के अनुसार, यह पर्वत श्रृंखला दृढ़ता, असीम ताकत और अटूट संकल्प का प्रतीक है, और ठीक यही गुण इस युद्धपोत में भी समाहित हैं। नौसेना के शीर्ष अधिकारियों का मानना है कि आईएनएस महेंद्रगिरि भारत के समुद्री इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ेगा और देश की समुद्री सीमाओं की रक्षा में एक मजबूत दीवार साबित होगा।

खबर संक्षेप

बहामास में छोटा विमान क्रैश, 10 लोगों की मौत

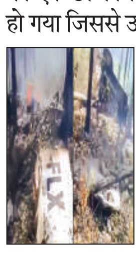

सैन जुआन। बहामास में शुक्रवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे उसमें सवार 10 लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद सरकार ने विमानन कंपनी 'फ्लेमिंगो एअर' की उड़ानों पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी। यह हादसा बहामास की राजधानी नासाउ के ठीक पश्चिम में स्थित नॉर्थ एंड्रोस में हुआ। विमान मायागुआना जा रहा था, तभी पायलट ने एक समस्या की सूचना दी और विमान को वापस नासाउ ले आया। विमान के उतरने और यात्रियों के बाहर निकलने के बाद उसमें आग लग गई। इस घटना की भी जांच की जा रही है।

मेटा पर 133 लाख करोड़ के जुर्माने की मांग

वॉशिंगटन। अमेरिका में मेटा पर 133 लाख करोड़ रुपए का भारी जुर्माना लगाने की मांग उठी है। अमेरिका के चार राज्य कैलिफोर्निया, कोलोराडो, केंटकी और न्यू जर्सी ने यह मांग की है। मेटा पर युवाओं को सोशल मीडिया की लत लगाने का आरोप है। मेटा पर भारी जुर्माना लगाने की मांग की गई है, जबकि मेटा कि कुल बाजार कीमत भी लगभग 143 लाख करोड़ रुपए है। मामले में अगली सुनवाई अगस्त में कैलिफोर्निया के ऑकलैंड में शुरू होगी। कंपनी पर प्लेटफॉर्म की सुरक्षा को लेकर भी लोगों को गलत जानकारी देने का आरोप है।

आतंकी कांडू के खिलाफ इंटरपोल नोटिस जारी

श्रीनगर। आतंकवाद के खिलाफ जंग में स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) कश्मीर को बड़ी सफलता मिली है। एसआईए ने हिजबुल मुजाहिदीन के नामित आतंकी इम्तियाज अहमद कांडू उर्फ फयाज उर्फ सज्जाद के खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवा लिया है। यह नोटिस 2013 में हुए तरजू, हाइगाम आतंकी हमले के मामले में जारी किया गया है। अब इस नोटिस के बाद अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियां आरोपी को ढूंढकर, हिरासत में लेकर भारत प्रत्यर्पण की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर सकेंगी।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए

साल 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 35 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य

व्यापार, रक्षा, आर्थिक सहयोग समेत विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को नई मजबूती देने पर चर्चा की

पीएम मोदी ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को आर्थिक सहयोग के नए युग की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ेंगे।

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को न्यूजीलैंड की राजधानी ऑकलैंड में पीएम क्रिस्टोफर लक्सन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-न्यूजीलैंड साझेदारी की व्यापक समीक्षा की और व्यापार, रक्षा, आर्थिक सहयोग समेत विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को नई मजबूती देने पर चर्चा की। इससे पहले गवर्नमेंट हाउस में पीएम मोदी का औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। पीएम मोदी और पीएम क्रिस्टोफर लक्सन की मौजूदगी में भारत और न्यूजीलैंड के बीच कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर साइन किए गए।

इन समझौतों का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, शिक्षा, तकनीक और अन्य क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करना है। पीएम मोदी ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को आर्थिक सहयोग के नए युग की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ेंगे और निवेश, प्रौद्योगिकी, सेवाओं तथा प्रतिभा आदान-प्रदान के नए अवसरों का लाभ उठाएंगे।

20 अरब डॉलर के निवेश का किया स्वागत

पीएम मोदी और पीएम क्रिस्टोफर लक्सन द्विपक्षीय वार्ता करते हुए

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि न्यूजीलैंड ने अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा कि यह केवल निवेश नहीं, बल्कि भारत की विकास यात्रा में सहभागी बनने का भरोसा है। उन्होंने भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बताते हुए कहा कि बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल परिवर्तन और मजबूत बुनियादी ढांचा भारत को वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बना रहे हैं।

पीएम मोदी के भाषण की 4 खास बातें

ये कोलेब का जमाना, दोनों देश साथ: पीएम मोदी ने कहा कि अगर हम कंटेंट क्रिएटर्स की भाषा में बात करें तो ये कोलेब का जमाना है। दोनों देश स्पोर्ट्स में भी बहुत शानदार कोलेब कर सकते हैं। रग्बी इसका बहुत बड़ा उदाहरण है। भारत रग्बी में न्यूजीलैंड से सीखना चाहता है। हमें कोच चाहिए, एक्सपर्ट चाहिए। न्यूजीलैंड हमारी बहुत मदद कर सकता है।

चंद्रयान की लैंडिंग पर न्यूजीलैंड नाच रहा था: भारत और न्यूजीलैंड का भविष्य जुड़ा है। स्पेस से सेक्टर इसका बहुत बड़ा उदाहरण है। भारत का चंद्रयान जब मून के साउथ पोल पर लैंड किया तो न्यूजीलैंड नाच रहा था। उस दिन हमें गर्व हुआ। यहां की स्पेस कंपनियों ने कई बार हमारे साथ मिलकर काम किया है।

हजारों किमी की दूरी, मगर दिल में हिंदुस्तान: हजारों किमी दूर रहते हुए भी आपके दिल के किसी कोने में कहीं न कहीं हिंदुस्तान बसता ही है। शरीर यहां होगा मन भारत में होगा। इसलिए आप भारत की हर उपलब्धि पर भी नजर रखते हैं।

जनकल्याण भावना अहम: हमारे लिए सामने वाले देश की जनसंख्या नहीं, जनकल्याण की भावना मायने रखती है। और इसलिए हमने न्यूजीलैंड से भी बहुत कुछ सीखा है और अब भी सीख रहे हैं। यह वो देश है जिसने सबसे पहले महिलाओं को वोटिंग का अधिकार दिया था।

एफटीए सहित कई मुद्दों पर एमओयू और सहयोग

- भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर
- रक्षा और सुरक्षा सहयोग को और मजबूत किया जाएगा
- दोनों देशों के बीच नियमित नौसैनिक अभ्यास होंगे
- पर्यटन बढ़ाने के लिए सीधी उड़ानें शुरू करने की दिशा में काम होगा
- कृषि, डेयरी, बागवानी, सेब और शहद उत्पादन में साझेदारी बढ़ेगी
- नागालैंड और उत्तराखंड में कीवीफ्रूट के लिए दो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे
- पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में एमओयू
- शिक्षा, विज्ञान और तकनीक में कई एमओयू
- आपदा प्रबंधन में भारत की एनडीएम और न्यूजीलैंड की एजेंसी के बीच समझौता हुआ
- भारत-न्यूजीलैंड खेल सहयोग योजना को आगे बढ़ाया जाएगा
- हाई-परफॉर्मेंस स्पोर्ट्स, स्पोर्ट्स साइंस और कोचिंग में सहयोग
- सांस्कृतिक सहयोग और समुद्री विरासत संरक्षण पर एमओयू
- आतंकवाद पर संयुक्त कार्य समूह बनाने के लिए समझौते पर साइन
- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के लिए मैरीटाइम सिक्योरिटी डायलॉग शुरू करने पर सहमति बनी।
- स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में न्यूजीलैंड ने ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस में शामिल होने का ऐलान किया

भारत-न्यूजीलैंड बिजनेस इवेंट में पीएम मोदी बोले

भारत वैश्विक विकास का लॉन्च पैड

पीएम नरेंद्र मोदी ने न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन के साथ भारत-न्यूजीलैंड बिजनेस इवेंट के दौरान उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने भारत को वैश्विक निवेश और विकास का प्रमुख केंद्र बताते हुए निवेशकों को देश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि भारत सिर्फ एक बड़ा बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक विकास के लिए एक लॉन्च पैड है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल तकनीक का व्यापक उपयोग और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर भारत को वैश्विक विकास का केंद्र बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' को शासन का आधार बनाया है, जिससे नीतिगत स्थिरता, राजनीतिक स्थिरता और विकास की निरंतरता सुनिश्चित हुई है। उन्होंने कहा कि दुनिया के लिए हमारा संदेश है कि भारत सिर्फ एक बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक विकास के लिए एक लॉन्च पैड है।

व्यापक साझेदारी और सहयोग पर जोर

न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने कहा कि दोनों देशों ने कम समय में मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन अब सहयोग केवल एफटीए तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि रणनीतिक साझेदारी के जरिए दोनों देश रक्षा, व्यापार, निवेश और अन्य क्षेत्रों में सहयोग को और व्यापक बनाएंगे। रणनीतिक साझेदारी दोनों देशों के रिश्तों को अधिक गहराई और स्पष्ट दिशा देगी। उन्होंने पीएम मोदी की व्यक्तिगत प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि भारत-न्यूज़ीलैंड संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पीएम क्रिस्टोफर ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र के दो अलग-अलग छोर पर होने के बावजूद भौगोलिक दूरी भारत और न्यूज़ीलैंड के आर्थिक सहयोग में बाधा नहीं बनेगी। उन्होंने कहा कि एफटीए के लागू होने के पहले दिन से ही न्यूजीलैंड के भारत को होने वाले निर्यात पर 57% टैरिफ समाप्त हो जाएगा, जिससे दोनों देशों के व्यापार को नई गति मिलेगी।

पाकिस्तान के पूर्व राजदूत का खुलासा

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत के कहने पर नहीं आए पाकिस्तान

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

नई दिल्ली में काम कर चुके पाकिस्तान के पूर्व राजदूत अब्दुल बासित ने कहा है कि भारत के कहने पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने पाकिस्तान का दौरा टाल दिया था। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सारी बातें तय हो चुकी थीं कि वो भारत भी जाएंगे और पाकिस्तान की भी यात्रा करेंगे। लेकिन भारत ने इसपर एतराज कर दिया। इसके बाद इंडोनेशिया के राष्ट्रपति पाकिस्तान नहीं आए। बासित ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि पीएम नरेंद्र मोदी की जो शख्सियत है वो काफी दिलचस्प है और खासकर उस वक्त जब वो विदेश दौरा करते हैं तो काफी तैयारियां की जाती हैं। आगे कहा कि इंडोनेशिया का जहां तक ताल्लुक है, तो पारंपरिक तौर पर भारत और इंडोनेशिया के अच्छे तालुक्कात रहे हैं। ये कोई आज की बात भी नहीं है बल्कि जबसे भारत और इंडोनेशिया वजूद में आए हैं तब से दोनों के रिश्ते जबरदस्त रहे हैं।

पीओके नेताओं ने पाक पीएम को दिया अल्टीमेटम

मांगें मान लो, वरना 15 जुलाई को असेंबली से आजादी का करेंगे ऐलान

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भयंकर प्रदर्शन शुरू हो चुका है। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रही 'जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' (जेएएसी) ने 15 जुलाई को पाकिस्तान की असेंबली से आजादी का ऐलान करने की बात कही है। स्थानीय नेताओं ने पाकिस्तान की सेना ने फौरन शहर खाली करने का अल्टीमेटम दिया है और ऐतिहासिक रूप से शांतिपूर्ण इलाके को 'टेरर ज़ोन' बताने की कोशिशों को सख्ती से खारिज किया है। पीओके में हालात तेजी से बिगड़ चुके हैं और हजारों लोग ईदगाह ग्राउंड पर मौजूद हैं। प्रदर्शनकारियों के नेताओं ने विदेशी मीडिया को पाकिस्तानी सेना का अत्याचार देखने के लिए आमंत्रित किया है। पिछले दिनों एक प्रदर्शन के दौरान असीम मुनीर के आदेश पर पाकिस्तानी सेना ने निहत्थे लोगों पर फायरिंग शुरू कर दी थी। इसमें 30 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

भारतीय सशस्त्र सेनाओं की ताकत में होगा इजाफा

अमेरिका से खरीदेगा 31 एमक्यू-9 रीपर ड्रोन सीमाओं और महासागर पर रखेंगे पैनी नजर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सशस्त्र बल अपनी निगरानी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए अमेरिका से 31 एमक्यू-9 रीपर ड्रोन खरीद रहे हैं। इस रणनीतिक रक्षा सौदे के तहत भारतीय नौसेना को 15 जबकि थल सेना और वायु सेना को 8-8 ड्रोन सौंपे जाएंगे। लगभग 40 घंटे से अधिक की बेजोड़ उड़ान क्षमता और सैटेलाइट कनेक्टिविटी से लैस ये हाई-एल्टीट्यूड ड्रोन, मानवयुक्त विमानों की तुलना में अत्यधिक समय तक संवेदनशील सीमाओं और हिंद महासागर पर पैनी नजर रखने में सक्षम हैं।

एमक्यू-9 रीपर ड्रोन

जल्द ही भारत में होंगे तैयार

भारत 3 बिलियन डॉलर से अधिक की लागत से इन ड्रोन्स की खरीद कर रहा है। इनका इस्तेमाल मुख्य रूप से हिंद महासागर और भारत की लंबी जमीनी सीमाओं की निगरानी के लिए किया जाएगा। भारतीय नौसेना वर्तमान में लीज पर लिए गए दो रीपर ड्रोन का पहले से ही संचालन कर रही है।

8 साल का अनुबंध

यह अनुबंध 8 साल या 1,50,000 उड़ान घंटों के लिए परफॉर्मेंस बेस्ड लॉजिस्टिक्स प्रदान करने वाली एक मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहाल सुविधा स्थापित करने के लिए है। इन अत्याधुनिक ड्रोन्स की डिलीवरी साल 2029 से शुरू होने की उम्मीद है। ये ड्रोन एडवांस सेंसर सूट से लैस है। इसमें दिन, रात और थर्मल इमेजिंग के लिए इलेक्ट्रो-ऑप्ट्रॉनिक पॉड और विभिन्न कार्यों के लिए ट्यून किए गए रडार लगे हैं। ये अपने साथ आठ एजीएम-114 हेलफायर एयर-टू-ग्राउंड मिसाइलें ले जा सकता है।

मैसेजिंग एप्स की मनमानी पर सरकार कसेगी नकेल

जल्द लाएगी कॉमन रेगुलेटरी फ्रेमवर्क सभी के लिए बंधनकारी होंगे नियम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार अब देश में सोशल मीडिया और मैसेजिंग एप्स की मनमानी पर लगाम कसने के लिए नए नियम लाने की तैयारी में है। यूजरनेम फीचर पर मचे घमासान के बाद अब इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय किसी एक एप के बजाए देश में सक्रिय सभी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स के लिए एक समान नियम लागू करने की योजना में है। इसका मतलब है कि आने वाले दिनों में चाहे व्हाट्सएप हो, टेलीग्राम हो, सिग्नल हो या और अन्य मैसेजिंग एप्स सबको सरकार के एक ही नियम के दायरे में रहकर काम करना होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार अब सरकार एक ऐसा कॉमन रेगुलेटरी फ्रेमवर्क तैयार करने पर विचार कर रही है। इसके पीछे उद्देश्य पूरे सेक्टर में एक समान सुरक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित करना है, ताकि किसी एक प्लेटफॉर्म के लिए अलग नियम न हों। हालांकि ऐसा कोई भी नियम लागू करने से पहले सरकार मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स से भी बात करेगी।

अयातुल्ला खामेनेई की अंतिम विदाई पर ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा का संदेश

हमारा देश खून का बदला लेगा, ट्रंप का आदेश- ईरान को पूरी तरह तबाह कर देंगे

ट्रंप लंबे समय से ईरानी हिटलिस्ट में

एजेंसी ▶▶ तेहरान/ वॉशिंगटन

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई के लिए आज प्रार्थना सभा का आयोजन किया। पिता के अंतिम संस्कार की तरह मोजतबा खामेनेई सुरक्षा कारणों से प्रार्थना सभा में भी शामिल नहीं हुए। मगर इस मौके पर उन्होंने एक के बाद एक कई ट्वीट कर सोशल मीडिया से लेकर पूरी दुनिया को चौंका दिया। मोजतबा लगभग एक घंटे तक लगातार ट्वीट करते रहे।

लगातार एक घंटे तक ट्वीट करते रहे मोजतबा

1000 मिसाइलें तैनात मेरी हत्या होते ही दाग दें

डोनाल्ड ट्रंप | मोजतबा खामेनेई

अली खामेनेई को बताया हुसैन जैसा

मोजतबा ने अपने ट्वीट में कहा कि ईरान की इस्लामी क्रांति मूल रूप से हुसैनी थी, जो इमाम हुसैन के नारों और सिद्धांतों पर बनी और फली-फूली थी। ईरान के शहीद नेता का विकास भी इन्हीं सिद्धांतों के साये में हुआ था। शहीद खामेनेई का चरित्र हुसैनी था, वे हुसैन की तरह सोचते थे। शहीद खामेनेई ने हुसैन जैसा आचरण किया और इमाम हुसैन की तरह ही जिहाद और प्रतिरोध में भाग लिया। शहीद खामेनेई ने हुसैनी विचारधारा के रास्ते पर अपना खून बहाकर शहादत हासिल की।

हत्यारों से लें बदला

मोजतबा ने आगे लिखा कि सालों से, ईरान की जनता ने हुसैन के रास्ते पर चलते हुए और हुसैन व उनके रास्ते के दुश्मनों से लड़ते हुए अपने बच्चों की कुर्बानी दी है; और आज वह उनके खून का, और हमारे दौर में हुसैन जैसे लोगों के खून का बदला लेना चाहती है। हम उन अपराधी और शर्मनाक हत्यारों से बदला लेकर आपके पवित्र खून और इन दो हालिया युद्धों के सभी शहीदों के खून का बदला लेने का संकल्प लेते हैं। हमारा देश इसी बदले की मांग कर रहा है, और यह निश्चित रूप से किया जाना चाहिए।

अल्लाह आपका भला करें: ट्रंप

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान उनकी हत्या करने में कामयाब होता है, तो अमेरिका बड़े पैमाने पर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्होंने पहले ही निर्देश दे दिए हैं। ट्रंप ने कहा कि मैं काफी लंबे समय से उनकी सूची में हूं। हम इस स्थिति से निपट रहे हैं। ट्रंप ने ये भी कहा कि एक हजार मिसाइलें तैनात हैं और अगर उनकी हत्या हुई तो ये इन्हें दाग दिया जाएगा।

फाइल फोटो।

हमीदिया अस्पताल: शुरू हुई स्कैन एंड शेयर की सुविधा, कियोस्क पर नाम और पता बताने पर पांच मिनट के बाद मिल जाएगा टोकन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हमीदिया अस्पताल में आने वाले मरीजों को सोमवार से नई व्यवस्था मिली। ओपीडी में आए तो उन्हें रजिस्ट्रेशन के लिए पर्चा बनवाने के लिए लंबी लाइन में नहीं लगना पड़ा।

एक कर्मचारी ने ओपीडी काउंटर पर लगे कियोस्क पर उनका नाम पता और अन्य जानकारी भरकर उन्हें टोकन देकर आराम से बैठने को कहा। करीब पांच मिनट बाद मरीज को टोकन नंबर से बुलाकर उससे सिर्फ बीमारी की जानकारी ली और पर्चा बनाकर दे दिया। दरअसल सोमवार से हमीदिया अस्पताल में स्कैन एंड शेयर सुविधा की शुरूआत की जा रही है। इसके तहत ओपीडी रजिस्ट्रेशन के लिए अब घंटों लाइन में लगने की जरूरत नहीं होगी। अब मरीज बैंकों की तर्ज पर मोबाइल या कियोस्क के माध्यम से टोकन नंबर दिया जाएगा। जब मरीज का नंबर आएगा तक ऑनलाइन पर्चा अपने आप जनरेट हो जाएगा। इस क्यूलैस सुविधा से मरीजों को रजिस्ट्रेशन के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा।

यह मिलेगा मरीजों को फायदा

- घंटों लाइन में खड़ा होने की बाध्यता खत्म
- मरीजों को टेस्ट रिपोर्ट भी मोबाइल पर ही मिलेगी
- सारा डेटा ऑनलाइन होगा, इससे मरीजों को कागजात संभालने की झंझट खत्म होगी
- ओपीडी काउंटर पर मरीज सिर्फ मर्ज बताएगा और उसका पर्चा तैयार हो जाएगा।

मिलेगी टोकन सुविधा

मरीजों की सुविधा के लिए डिजिटल हेल्थ मिशन के तहत स्कैन एंड शेयर की सुविधा शुरू की जा रही है। अब मरीजों को बैंकों की तर्ज पर टोकन जारी किए जाएंगे। इससे मरीजों को घंटो लाइन में खड़े होने की परेशानी से निजरत मिलेगी।

डॉ. सुनीत टंडन, अधीक्षक, हमीदिया अस्पताल

सिस्टम कैसे करेगा काम

हमीदिया में केंद्र सरकार के डिजिटल हेल्थ मिशन की शुरूआत की गई है। इसके तहत अस्पताल को आभा आईडी से जोड़ा गया है। इसके तहत रजिस्ट्रेशन एरिया में क्यूआर कोड और कियोस्क लगाए गए हैं। मरीज मोबाइल से क्यूकार कोड स्कैन कर आभा आईडी जनरेट कर लेंगे। इसमें मरीज अपना नाम, उम्र, पता, मोबाइल नंबर और अन्य जाानकारी भरेगा।

मुख्यमंत्री ने स्कूली छात्राओं को वितरित कीं महापुरुषों के जीवन पर आधारित पुस्तकें एवं कॉपियां

स्कूली शिक्षा में ड्रॉप-आउट दर शून्य, सांदीपनि विद्यालय मॉडल की देश में हो रही है सराहना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि शिक्षा ही समाज में परिवर्तन लाने का सबसे बड़ा और सशक्त माध्यम है। हमारी सरकार बच्चों को विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए संकल्पित हैं। हमारे बच्चे खूब पढ़ें, लिखें, जीवन में आगे बढ़े, इसके लिए हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप बच्चों को आधुनिक तरीके से गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुख और संस्कारयुक्त शिक्षा दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को इन्दौर में हिन्द रक्षक पुण्योदय प्रकल्प के कार्यक्रम में शामिल होकर स्कूली छात्राओं को राष्ट्र के महापुरुषों के जीवन चरित्र पर केन्द्रित निःशुल्क पुस्तकें एवं कॉपियां वितरित की। मुख्यमंत्री ने स्कूली छात्राओं से संवाद कर उन्हें तरक्की करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि हमारे सांदीपनी विद्यालय, पीएमश्री स्कूल और प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस के रूप में प्रदेश में शिक्षा की त्रिवेणी बन रही है। मप्र ने प्राथमिक स्कूली शिक्षा स्तर पर ड्रॉप-आउट दर को शून्य करने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। हमारे सांदीपनि विद्यालय मॉडल की पूरे देश में सराहना हो रही है।

प्रदेश के सभी विद्यार्थी खूब पढ़ें, लिखें और आगे बढ़ें, हम संस्कारयुक्त शिक्षा दिलाने के लिए कर रहे हैं लगातार प्रयास

खास बातें

- राष्ट्र के महापुरुषों के जीवन चरित्र पर केंद्रित नि:शुल्क पुस्तकें वितरित कीं
- सांदीपनी, पीएमश्री प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस के रूप में बना रहीं शिक्षा की त्रिवेणी

छात्राओं को हौसलाअफजाई करते सीएम।

मुख्यमंत्री ने कहा, सरकारी विद्यालयों ने शानदार प्रदर्शन किया है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में हमारे सरकारी विद्यालयों ने शानदार प्रदर्शन किया है। सरकारी विद्यालयों का रिजल्ट प्राइवेट विद्यालयों से बेहतर रहा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष बोर्ड के परीक्षा परिणामों में सांदीपनी विद्यालयों के 58 विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट में जगह बनाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीति से ज्यादा राष्ट्रहित सर्वोपरि एवं राष्ट्र प्रथम की नीति को केंद्र में रखते हुए समाज सुधार और लोगों को प्रेरित करने वाले अनेक कार्य हो रहे हैं। हिंद रक्षक संगठन के संस्थापक स्व. लक्ष्मण सिंह गौड़ (लखन दादा) युवा शक्ति के प्रेरणा स्त्रोत थे। उन्होंने समाज की बेहतरी के लिए तत्कालीन सरकार के कुशासन के खिलाफ आवाज उठाई। मुझे भी उनका सहयोगी बनने का सौभाग्य मिला। हिंद रक्षक प्रकल्प का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है।

सुदामा की मित्रता से आज भी मिलती है समाज को प्रेरणा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता से आज भी समाज को प्रेरणा मिलती है। हमारे युवा इससे प्रेरणा लें और गरीब-जरूरतमंदों मित्रों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहें। सरकार ने गुरु पूर्णिमा महोत्सव को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए प्रदेश में भव्य सांदीपनि विद्यालय बनाए गए हैं। राज्य सरकार के प्रयासों से स्कूली शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार नजर आ रहा है। शासकीय स्कूलों में छात्र-छात्राओं की ड्रॉप आउट दर शून्य हो चुकी है। अब प्रदेश का कोई भी बेटा-बेटी शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा। कार्यक्रम में संयोजक एकलव्य गौड, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, पूर्व मंत्री एवं विधायक ऊषा सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी उपस्थित थे।

आज भिंड में होगा आयोजन

लाड़ली बहनों को मिलेगी 38वीं किस्त की सौगात

- 322 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का होगा लोकार्पण और भूमिपूजन
- 1 करोड़ 25 लाख 15 हजार से अधिक बहनों के खातों में आएगी राशि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज रविवार को जिला भिंड के लहार में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना" के तहत प्रदेश की लगभग 1 करोड़ 25 लाख 15 हजार से अधिक बहनों के खातों में सिंगल क्लिक से 1835 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का सीधा अंतरण करेंगे।

मप्र सरकार की इस अत्यंत लोकप्रिय योजना के अंतर्गत लाभार्थी महिलाओं को योजना की शुरुआत से अब तक की 38 वीं नियमित मासिक किश्त का भुगतान किया जाएगा। राज्य सरकार की ओर से नवंबर 2025 से इस मासिक आर्थिक सहायता राशि में 250 रुपए की बढ़ोतरी किए जाने के बाद से सभी पात्र हितग्राही महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपए की निरंतर वित्तीय सहायता मिल रही है। योजना की शुरुआत यानी जून 2023 से लेकर जून 2026 तक सरकार की ओर से कुल 37 किश्तों का नियमित अंतरण सफलता पूर्वक किया जा चुका है। मुख्यमंत्री इस दौरान 238.96 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण हो चुके 40 विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। वे क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए 83.33 करोड़ की लागत वाली 16 नई लोक-कल्याणकारी परियोजनाओं का भूमि-पूजन और शिलान्यास भी किया जाएगा।

पीसीसी में बोले कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पाटिल

भाजपा ने धर्म का इस्तेमाल केवल सत्ता हासिल करने के लिए किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अतुल लोंढे पाटिल ने शनिवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने प्रभु राम की आस्था के साथ खिलवाड़ किया और धर्म का इस्तेमाल केवल सत्ता हासिल करने के लिए किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा की मंशा जनता की आस्था का सम्मान करना नहीं, बल्कि उसका राजनीतिक लाभ उठाना है। पाटिल ने कहा कि भाजपा ने देश की आस्थावान जनता के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने भी भगवान भोलेनाथ की आस्था के साथ धोखा किया। कांग्रेस प्रवक्ता ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित आरोपियों को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। उनका कहना था कि राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े सभी प्रमुख निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सहमति से लिए गए थे।

पीएम चोरी की जिम्मेदारी क्यों नहीं लेते

पाटिल ने आगे कहा कि कई लोगों ने पहले भी राम मंदिर में चोरी का मुद्दा उठाया था। लेकिन ध्यान नहीं दिया गया। आज भगवान ने इन चोरों को उजागर किया। पीएम मोदी इसकी जिम्मेदारी क्यों नहीं लेते।

भाजपा ने प्रभु राम के साथ धोखा किया

अतुल लोंढे ने कहा कि अटल जी ने कहा था कि जो चोर चोरी करने आए और कुत्ता भौंके नहीं, इसका मतलब कुत्ता चोरों को जानता है। भाजपा ने प्रभु राम को धोखा दिया। इनका सत्ता में रहना खतरे से खाली नहीं है। जांच रिपोर्ट में चंपत राय और मिश्रा का नाम ही नहीं है।

राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस पर अभाविप का संकल्प

ज्ञान, क्षमता और ऊर्जा का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करें छात्र: डॉ. रघुराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद भोपाल महानगर द्वारा राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को संकल्प छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की सहभागिता रही। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं नेतृत्व विकास के लिए संकल्पित होने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए अभाविप भोपाल के उपाध्यक्ष डॉ अमित सोनी ने अभाविप के 7 दशक की यात्रा का उल्लेख किया। मुख्य अतिथि पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र का भविष्य उसके जागरूक, चरित्रवान एवं उत्तरदायी विद्यार्थियों के हाथों में सुरक्षित होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से ज्ञान, संस्कार और सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ जीवन में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

एमसीयू के कुलगुरू ने कहा:

विशिष्ट अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि के कुलगुरु प्रो. विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से नवाचार, शोध और सकारात्मक नेतृत्व के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया। विशेष रूप से उपस्थित अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रघुराज किशोर तिवारी ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद स्थापना काल से ही विद्यार्थी हित, शिक्षा सुधार और राष्ट्र पुनर्निर्माण के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

सुनो शहर सरकार...

कब्जे हटाते ही आने लगते हैं पार्षदों के कॉल!

नगर निगम का अतिक्रमण अमला रोजाना फुटपाथों और सड़कों से अस्थाई कब्जे हटाता है। कार्रवाई खत्म होते ही कई अतिक्रमण अधिकारियों के मोबाइल पर संबंधित क्षेत्र के पार्षदों के फोन आने लगते हैं। हाल ही में एक कार्रवाई के दौरान एक पार्षद ने अधिकारी से पूछा कि फुटपाथ पर रखा पूरा सामान क्यों जब्त किया गया, जबकि यह कार्रवाई नगर निगम के नियमों के तहत की जाती है। दिलचस्प यह है कि निगम परिषद की बैठकों में जनप्रतिनिधि शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने की मांग करते हैं, लेकिन अपने क्षेत्र में कार्रवाई होने पर कुछ पार्षद विरोध करने लगते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि कार्रवाई पर ही दबाव बनाया जाएगा तो शहर अतिक्रमण मुक्त कैसे बनेगा? प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच समान सोच जरूरी है।

आईडी-पासवर्ड से नहीं थम रहा हेराफेरी का सिलसिला

नगर निगम में चर्चित संबल घोटाले के बाद भले ही निचले कर्मचारियों पर कार्रवाई हुई हो, लेकिन आईडी–पासवर्ड के जरिए गड़बड़ियों का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा। हाल ही में प्रॉपर्टी टैक्स कम करने का मामला सामने आया, जिसमें आईडी-पासवर्ड के दुरुपयोग की बात सामने आई। एफआईआर दर्ज हो चुकी है, गिरफ्तारी भी हुई और जांच जारी है। इसके बावजूद निगम के गलियारों में चर्चा है कि आखिर ऐसी गड़बड़ियां बार-बार कैसे हो रही हैं। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या यह सब बिना वरिष्ठ अधिकारियों की जानकारी के संभव है? हालांकि हर बार कार्रवाई की गाज निचले कर्मचारियों पर ही गिरती है, जबकि बड़े अधिकारियों की भूमिका अक्सर जांच के दायरे से बाहर ही रह जाती है। ऐसे कयास इसलिए लग रहे हैं कि बीते मामलों में ऐसा ही हुआ है।

राजस्व वसूली को लेकर टेंशन में अधिकारी और कर्मचारी

नगर निगम के राजस्व शाखा के अधिकारी-कर्मचारी इन दिनों टेंशन में हैं। बीते वित्तीय वर्ष में एसआईआर, जनगणना जैसे कामों के चलते राजस्व वसूली प्रभावित हुई, लेकिन अब चालू वित्तीय वर्ष में निगम आयुक्त इसे लेकर बेहद सख्त नजर आ रही हैं। बीते दिनों एक बैठक में उन्होंने कई अधिकारियों के वेतन रोकने के आदेश दे दिए। इसे लेकर वार्ड और जोन के कर्मचारी अब उपभोक्ताओं के घर-घर दस्तक दे रहे हैं। अधिक राशि बकायादारों वाले हितग्राहियों से किश्तों में भी राशि जमा करने की सुविधा देने की बात कह रहे हैं। यह कहते भी नहीं थक रहे है कि कुछ न कुछ राशि हर माह जमा कर दें ताकि हम अपना परफार्मेंस दिखा सकें। बरहाल अब देखना यह है कि वित्तीय वर्ष समाप्ति के पूर्व निगम अपना लक्ष्य हासिल कर पाता है या नहीं। हालांकि अभी नेशनल लोक अदालत में छूट का लाभ भी हितग्राही उठाएंगे।

एमएम सिद्दीकी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति से कौशल विकास और रोजगार अवसरों में वृद्धि का बना है वातावरण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षकों के सम्मान की पुनः प्रतिष्ठा का प्रयास: डॉ. प्रकाश बर्तूनिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास की स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि एवं डॉ प्रकाश बर्तुनिया, पूर्व कुलपति बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विवि लखनऊ ने बताया कि शिक्षा जगत में व्याप्त विसंगतियों के निराकरण के बनी शिक्षा बचाओ समिति कालांतर में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के रूप में स्थापित है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से हमारे देश के गौरव को विभिन्न प्रकल्पों के द्वारा पुनः स्थापित करने का प्रयास है। मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा को प्रोत्साहित कर हमें अपनी जड़ों से जोड़ने की बात कही।

अब विज्ञान का छात्र संगीत सीख सकता है

गोष्ठी में विचार रखते वक्ता।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय जैन ने कहा कि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 छात्र केंद्रित है। इसमें मल्टी डिसीप्लिनरी एप्रोच के तहत अब विज्ञान का छात्र संगीत सीख सकता है और कला का छात्र कोडिंग। लचीलापन ही इस नीति की रीढ़ है। साथ ही इस शिक्षा नीति के तहत छात्रों के कौशल विकास और रोजगार अवसरों में वृद्धि पर फोकस किया गया है। इंटर्नशिप, वोकेशनल कोर्स और इंडस्ट्री से जुड़ाव को अब मुख्यधारा में लाया गया है। कार्यक्रम में भंगु सिंह रावत, शिक्षा संस्कृति उद्यान न्यास भोपाल विभाग के संयोजक, डॉ अलका प्रधान प्राध्यापक एमवीएम कॉलेज और राकेश सहरिया शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास भोपाल के सदस्य भी उपस्थित रहे। संचालन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ समता जैन द्वारा किया। आभार डॉ वर्षा चौहान ने माना।

तकनीकी और प्रशासनिक तैयारियां पूरी होने के बाद ही इसे लागू किया जा सकेगा

विधानसभा के मानसून सत्र के पूरी तरह से पेपरलेस होने में अभी कुछ वक्त और, टैबलेट के इस्तेमाल पर संशय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र विधानसभा के मानसून सत्र के पूरी तरह से पेपरलेस होने में अभी कुछ वक्त और लग सकता है। इसकी एक वजह यह भी है कि विधानसभा सचिवालय अभी भी यह तय नहीं कर पाया है कि विधायकों को डेस्क-माउंटेड टैबलेट किस आधार वर्ष से सदन की कार्यवाही का डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध कराया जाए। इसी वजह से मानसून सत्र में टैबलेट के इस्तेमाल पर संशय बना हुआ है।

कार्यवाही के डेटा को टैबलेट में अपलोड करने की प्रक्रिया का कर रहा मंथन

फाइल फोटो।

विधानसभा सचिवालय कार्यवाही के डेटा को टैबलेट में अपलोड करने की प्रक्रिया और उसके आधार वर्ष को लेकर मंथन कर रहा है। सचिवालय का कहना है कि विधायकों को टैबलेट के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया जाना है। प्रशिक्षण के बाद ही इन्हें प्रभावी ढंग से उपयोग में लाया जा सकेगा। बताते हैं कि मानसून सत्र शुरू होने से पहले समीक्षा बैठक में यह तय किया जाएगा कि टैबलेट का उपयोग इस सत्र से शुरू किया जाए या नहीं। यदि तैयारी समय पर पूरी नहीं हुई तो इसकी शुरुआत शीतकालीन सत्र से की जा सकती है।

नई यूपीएस प्रणाली लगाने की भी जरूरत

विधानसभा परिसर में नई यूपीएस प्रणाली लगाने की भी जरूरत है, जिसके लिए वित्त विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है। इसके अलावा यह भी तय किया जाना बाकी है कि किस वर्ष से विधानसभा की कार्यवाही का डिजिटल रिकॉर्ड टैबलेट में उपलब्ध कराया जाएगा। राष्ट्रीय ई-विधान एप (एनईवीए नेवा) परियोजना के तहत देश के कई राज्यों की विधानसभाओं में टैबलेट आधारित पेपरलेस व्यवस्था लागू की जा चुकी है। लोकसभा की 15 वीं लोकसभा से अब तक की कार्यवाही भी इस पोर्टल पर उपलब्ध है। मध्यप्रदेश विधानसभा में भी इसी दिशा में तैयारी चल रही है। किंतु तकनीकी और प्रशासनिक तैयारियां पूरी होने के बाद ही इसे लागू किया जा सकेगा।

नया क्रेडिट कार्ड जारी करने का झांसा देकर बुजुर्ग से ठगे दो लाख

शाहजहांनाबाद, ऐशबाग और बागसेवनिया में वारदात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शाहजहांनाबाद की ब्राइट कॉलोनी ईदगाह हिल्स में रहने वाले एक बुजुर्ग के खाते से एचडीएफसी बैंक का नया क्रेडिट कार्ड जारी करने का झांसा देकर सायबर जालसाज ने दो लाख छह हजार रुपए निकाल लिए। पुलिस ने अज्ञात सायबर जालसाज के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसी प्रकार साइबर ठगी को दो अपराध साइबर ठगों ने ऐशबाग और बागसेविनया में भी किए।

पुलिस के अनुसार ब्राइट कॉलोनी ईदगाह हिल्स निवासी फारूख अजीज (64) के मोबाइल पर विगत 25 जून की दोपहर किसी अंजान नंबर से कॉल आया। खुद को एचडीएफसी बैंक का अधिकारी बताने वाले व्यक्ति ने कहा कि बैंक ने अपने नाम से नया क्रेडिट कार्ड जारी किया है। उसने क्रेडिट कार्ड से संबंधित और अन्य व्यक्तिगत जानकारी हासिल कर ली। जानकारी शेयर करते ही उनके क्रेडिट कार्ड से दो लाख छह हजार रुपए बिना फरियादी की अनुमति के धोखाधड़ी से निकाल लिए गए। ठगी का आभास होते ही फरियादी ने अपना क्रेडिट कार्ड ब्लॉक करवा दिया। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज करा दी। वहां प्रकरण शाहजहांनाबाद थाने ट्रांसफर किया गया है।

मोबाइल हैक कर एमेजान से कर लिया 50 हजार का ट्रांजेक्शन

ऐशबाग पुलिस के मुताबिक ओल्ड सुभाष नगर ऐश्बाग निवासी अरविंद अग्रवाल (60) के मोबाइल पर 30 जून की सुबह अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को एसबीआई कस्टमर केयर से बोलने की जानकारी दी। उसने कहा कि आपके क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाई जाना है। तब अरविंद ने उससे कहा कि मैं क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल नहीं करता। मुझे लिमिट नहीं बढ़ानी। तब उसने कहा कि ठीक है। यदि आपको लिमिट बढ़वानी हो तो बता देना। हम आपको व्हाट्सएप पर आपकी जानकारी भेज रहे हैं। उसे वेरीफाई करके बताएं कि ठीक है अथवा नहीं। वाट्सएप पर आया मैसेज चेक करने पर उसमें अरविंद अग्रवाल के क्रेडिट कार्ड की जानकारी थी। उन्होंने कॉल करने वाले से कहा कि डिटेल सही है। तो उसने कहा कि आपके मोबाइल की बैट्री सात फीसदी है। आप अपना मोबाइल चार्जिंग पर लगाइए। यह सुनते ही फरियादी को संदेह हुआ और वह अपना मोबाइल बंद करने लगे। तभी उन्हें मोबाइल पर क्रेडिट कार्ड से 50 हजार रुपए से एमेजॉन से ट्रांजेक्शन होने का मैसेज मिला। उसके दो-तीन मिनट बाद ही एसबीआई क्रेडिट कार्ड कस्टमर केयर से उनके पास फोन आया। उसने पूछा कि क्या आपने क्रेडिट कार्ड से कोई ट्रांजेक्शन किया है। फरियादी ने इनकार कर दिया। इस पर उन्हें बताया गया है कि अभी आपके क्रेडिट कार्ड से 50 हजार रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ है। ठगी का अहसास होते ही उन्होंने अपना क्रेडिट कार्ड ब्लॉक करवा दिया।

शाकिर अली अस्पताल के बाहर भी छोड़कर जाने का किया था प्रयास

झेलम एक्सप्रेस से आए थे बच्ची को छोड़ने ऑटो में छोड़कर भागे, तीन लोगों की तलाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म-6 के बाहर ऑटो स्टैंड पर खड़े आटो में एक महीने की मासूम को छोड़ने वाली महिला का अब तक सुराग नहीं लगा है। जीआरपी ने बच्ची को मेडिकल के बाद किलकारी संस्था में सुरक्षित रख दिया है। जीआरपी ने स्टेशन परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए तो पता चला कि दो महिलाएं और एक संदिग्ध युवक बच्ची को छोड़ने झेलम एक्सप्रेस से आए थे।

भोपाल रेलवे स्टेशन के बाहर ऑटो में मिली थी मासूम

थाना प्रभारी जहीर खान ने बताया कि शुक्रवार दोपहर छह नंबर रेलवे स्टेशन के बाहर ऑटो स्टैंड पर ऑटो से एक महीने की बच्ची को बरामद किया गया था। बच्ची को कोई अज्ञात महिला ऑटो में छोड़कर गई थी। बच्ची को मेडिकल के लिए अस्पताल भेजा गया। वहां से किलकारी संस्था में देखरेख के लिए रख दिया गया है। जीआरपी ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक किए। फुटेज में पता चला कि सुबह 8 बजकर 50 मिनट पर दो संदिग्ध महिलाएं और उनके साथ मौजूद एक युवक झेलम एक्सप्रेस से भोपाल रेलवे स्टेशन पर उतरे थे। तीनों बच्ची को लेकर भारत टाकीज और बरखेड़ी तक ले गए। शाकिर अली अस्पताल के पास भी बच्ची को छोड़ने का प्रयास किया गया। बाद में बच्ची को उठाकर वह रेलवे स्टेशन ले आए और छह नंबर स्टेशन के बाहर आटो स्टैंड पर खड़े आटो में बच्ची को छोड़कर चले गए। जीआरपी झेलम एक्सप्रेस के रुकने वाले अन्य स्टेशनों के फुटेज चेक कर रही है।

खबर संक्षेप

ईंट भट्टों पर जुए के अड्डे संचालित होने के आरोप कार्रवाई की मांग

औबेदुल्लागंज। औबेदुल्लागंज के आसपास के ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं ने टीआई भारत प्रताप सिंह से गुहार लगाते हुए मांग की है कि हमारे परिवार की रक्षा कीजिए। जुआ खिलाने वालों पर कार्रवाई की जाए। नगर के आसपास स्थित कुछ ईंट भट्टों पर बड़े स्तर पर जुआ संचालित होने के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि भोजपुर रोड स्थित ईंट भट्टे, प्रेम तालाब रोड के ईंट भट्टे तथा बरखेड़ा क्षेत्र के कुछ ईंट भट्टों पर कथित रूप से लाखों रुपए का जुआ खिलाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि इन स्थानों पर औबेदुल्लागंज सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग जुआ खेलने पहुंचते हैं। इस संबंध में कीर्ति आजाद एवं लखन ने दावा किया कि संबंधित ईंट भट्टों पर खुलेआम जुए का संचालन हो रहा है और यहां प्रतिदिन लोगों की भीड़ लगती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इससे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है और युवाओं पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

शुभांक

कल्याण:	1736		
दिन:	289	96	790
रात:	---	--	---
तारा:			
दिन:	468	82	660
रात:	---	--	---

छोला मंदिर थाना क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला शव

कल्याण नगर में महिला के कान कटे मिले हाथ-पैर में भी चोट... हत्या का संदेह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित कल्याण नगर में 50 साल की महिला की दो दिन पुराना शव मिलने से सनसनी फैल गई। महिला के शरीर पर अलग-अलग जगह चोट के निशान है। महिला का दाहिना कान कटा हुआ है। कटे हुए कान में बाली मिली है, जबकि बाएं कान से बाली नहीं मिली है। दो दिन से महिला नजर नहीं आई तो पड़ोसी ने उनके घर जाकर देखा था। इस दौरान बिस्तर के पास फर्श पर महिला का डिकम्पोज शव पड़ा नजर आया। सूचना पर पहुंची पुलिस और एफएसएल की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव पीएम के लिए भेज दिया है। महिला अकेली रहती थी।शराब पीने की आदी थी।

मृतका मथरी बाई

पुलिस के अनुसार कल्याण नगर छोला निवासी मथरी बाई उर्फ ममता जाटव पत्नी मुंशीलाल जाटव (50) किराए के मकान में अकेली रहती थी। वह सब्जी मंडी में काम करती थी। उसका पति करीब आठ सास से अलग मंडीदीप में रह रहा है। उनकी चार बेटियां हैं। तीन बेटियों की शादी हो चुकी है जबकि सबसे छोटी बेटी अपनी मौसी के साथ रहती है। शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे पड़ोसियों ने चर्चा की कि दो दिन से मथरी बाई घर से बाहर नहीं निकली हैं। लिहाजा पड़ोसी इमरान मथरी बाई के घर पहुंचा। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि बिस्तर के पास फर्श पर मथरी बाई का शव पड़ा हुआ है।

कटे कान में मिली बाली, दूसरे कान की बाली चोरी

पति का कहना- लूटपाट के बाद हुई है हत्या

सूचना पर पहुंची पुलिस और एफएसएल की टीम निरीक्षण किया। इस दौरान पता चला कि महिला के दाहिने पैर में घुटने के पीछे धारदार हथियार से कटने का निशान है। दोनों हाथों की कलाई के पास भी चोट के निशान मिले हैं। इसके अलावा महिला का दाहिना कान कटा हुआ है। कान में बाली लटकी हुई है जबकि दूसरे कान से बाली नहीं थी। पुलिस का कहना है कि शव डिकम्पोज हो चुका है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। मथरी बाई के पति मुंशीलाल जाटव का कहना है कि मथरी बाई कान में सोने की झुमकी पहनती थी। घर का और भी सामान नहीं है। लूटपाट की नीयत से मथरी बाई की हत्या की गई है। दूसरी ओर पुलिस का कहना है कि महिला शराब पीने की आदी थी। उसकी आदतों के कारण पति और बेटियां अलग रहने लगी थीं।

इंदौर-भोपाल रोड पर रौनक ढाबे के सामने हादसा

अज्ञात कार ने बुलेट सवार किसान को मारी टक्कर, मौत

खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित इंदौर-भोपाल हाइवे पर पीटीएस भौंरी से कुछ दूरी पर रौनक ढाबे के सामने बुलेट सवार किसान और उनके साथी को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बुलट सवार किसान और उनके साथ सड़क पर उछलकर गिरे थे। दोनों को गंभीर चोट आई थी। उन्हें भैंसाखेड़ी स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टर ने किसान को चेक करने पर मृत घोषित कर दिया। साथी को गंभीर चोट होने के कारण उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार हेमराज मीणा (55) परवलिया सड़क गांव में रहते थे और खेती किसानी करते थे। शुक्रवार शाम वह गांव में रहने वाले अपने साथी भोजराज के साथ बुलेट बाइक से परवलिया सड़क से बरखेड़ा सालम जाने के लिए निकले थे। बुलट हेमराज चले रहे थे। हेमराज और भोजराज पीटीएस भौंरी से थोड़ी दूर रौनक ढाबे के सामने पहुंचे ही थे कि सामने से आ रही कार ने उनकी बुलेट को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में दोनों को गंभीर चोट आई थी। राहगीरों ने उन्हें भैंसाखेड़ी स्थिज निजी अस्पताल पहुंचाया, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर हेमराज को मृत घोषित कर दिया। भोजराज को चोट अधिक होने के कारण उसका इलाज चल रहा है। भोजराज से पुलिस ने पूछताछ करने का प्रयास किया, लेकिन वह हादसे से इतना डर गया है कि केवल यही कह रहा है कि मुझे सुध नहीं है क्या हुआ था।

नशे में पत्नी से हुआ विवाद, झूले की रस्सी से छत पर लगा ली फांसी

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित लांबाखेड़ा बेरियर के पास रहने वाले एक मिस्त्री ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि वह नशे का आदी था। शुक्रवार रात भी वह नशे में घर पहुंचा था। इसके बाद पत्नी से कहासुनी होने के बाद बच्चों की झूले की रस्सी से उसने छत पर टीनशेड में फांसी लगा ली। पुलिस के अनुसार गोलू अहिरवार पिता श्यामलाल अहिरवार (30) लांबाखेड़ा बेरियर के पास रहता था और मिस्त्री का काम करता था। गोलू के परिवार में माता पिता बड़ा भाई और पत्नी के अलावा 7 और 5 साल के बेटा बेटी है। गोलू का बड़ा भाई मानसिक विक्षिप्त है। गोलू शराब पीने का आदी था। शराब के नशे में उसका अक्सर पत्नी से विवाद होता था।

बेरोजगारी, ट्रैफिक समस्या को लेकर कलेक्टर से मिला सिंधी पंचायत का प्रतिनिधिमंडल

कलेक्टर मिश्रा को ज्ञापन सौंपते सिंधी पंचायत के सदस्य।

बसाहट के लिए नहीं मिली जमीन भटक रहे विस्थापित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

समाजसेवी नरेश ज्ञानचंदानी के साथ पूज्य सिंधी पंचायत का प्रतिनिधि मंडल भोपाल जिला कलेक्टर से मिला, जिसमें पूज्य सिंधी पंचायत के उपाध्यक्ष शेरू रीझवानी, महासचिव राजकुमार वाधवानी राउ भैया, फाटक रोड के व्यापारी लक्ष्मणदास आसनानी, वासदेव दामनी शामिल थे।

इस अवसर पर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा को शहर की मुख्य समस्याओं से अवगत कराया गया। फाटक रोड पर ब्रिज बनने से दुकानें तोड़ने से 39 माह से कई परिवार बेरोजगार हो गया है और परिवार भुखमरी के कगार पर है। आज तक इनको अन्य जगह बसाहट न मिलने से दर-दर भटक रहे हैं, जबकि व्यापारियों के पास मालिकाना हक के वैध कागजात भी हैं।

तालाब किनारे वैकल्पिक मार्ग निकाला जाए

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि विस्थापितों को तत्काल जगह दी जाए, जिससे अपना जीवन यापन कर सके। ज्ञानचंदानी ने कलेक्टर को बताया कि शहर में एलिवेटेड ब्रिज बनने से पूरा दिन घंटों जाम लग रहा है। जाम से मुक्ति के लिए तालाब किनारे से वैकल्पिक मार्ग निकाला जाए, जिससे ब्रिज के काम में अवरोध भी न हो और जनता को जाम से मुक्ति मिल सके। इस पर कलेक्टर ने गंभीरता से कदम उठाने की बात की। इसके अलावा वन ट्री हिल्स पर लीज रिन्यूअल न होने रहवासी मुसीबत में हैं। न अपनी प्रॉपर्टी बेच पा रहे हैं और न खरीद पा रहे हैं, क्योंकि बैंक भी लीज न होने से लोन भी नहीं दे पा रही है। जबकि रहवासी ने पैसे जमा भी कर चुके हैं। जिला कलेक्टर ने समस्याओं को तत्काल हल करने का आश्वासन दिया है।

10 वर्षों से रुकी हुई थी पदोन्नति

14 कर्मचारियों की पदोन्नति के लिए नगरीय विभाग के पास पहुंची सीआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप

मध्यप्रदेश में जहां एक ओर सभी विभागीय में कर्मचारियों के 10 वर्षों से रुके पदोन्नत को लेकर कोर्ट के आदेश के बाद मप्र शासन ने सख्ती से रिपोर्ट भेजने के लिए आदेशित किया तो वही मंडीदीप नगर पालिका के 14 कर्मचारियों के पदोन्नति का भी रास्ता खुल गया, जिसकी सूची तैयार कर विभाग को भेज दी।

नपा के द्वारा चार चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी के पदोन्नति होकर तृतीय में जाएंगे तो वही 4 कर्मचारी तृतीय से द्वितीय में पदोन्नति होंगे, वही 6 सफाई कर्मचारी सुपरवाइजर बनेंगे। नगर पालिका मंडीदीप में 10 सालों में पहली पदोन्नति के साथ कर्मचारियों के वेतन में भी वृद्धि देखने को मिलेगी, वही नपा के पदोन्नत कर्मचारी के सालाना काम की गोपनीय रिपोर्ट नगरीय प्रशासन को भेज दी गई है। जिसके मुताबिक कर्मचारियों के द्वारा किए गए कार्य की समीक्षा, एवं बिना किसी भ्रष्टाचार एवं किसी मुकदमे को लेकर भी जाती है।

पोस्ट ऑफिस वाली सड़क भी खस्ताहाल

रेलवे स्टेशन रोड का निर्माण नहीं, वार्डवासी हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

रेलवे स्टेशन रोड एवं पोस्ट ऑफिस वाली रोड का निर्माण लंबे समय से नहीं होने के कारण स्थानीय रहवासियों और दुकानदारों में नाराजगी है। सड़क की खराब स्थिति के चलते प्रतिदिन सुबह मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के पैरों में कंकड़ चुभ रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसों से सड़क निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। हैरानी की बात यह है कि इसी मार्ग पर विधायक के करीबी माने जाने वाले पूर्व महामंत्री का भी निवास है, इसके बावजूद सड़क का निर्माण नहीं हो सका। इससे क्षेत्र के लोगों में विकास कार्यों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्टेशन रोड के दुकानदार राकेश तिवारी, अन्नू सेठी, दीपेंद्र नागर, मनोज खत्री और सुदामा तिवारी ने वार्ड पार्षद हेमलता मनोज चौरसिया के समक्ष एक स्वर में सड़क निर्माण की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि यदि जनप्रतिनिधियों और प्रभावशाली लोगों के क्षेत्र की सड़कें भी नहीं बन पा रही हैं, तो यह विकास कार्यों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से रेलवे स्टेशन रोड का शीघ्र निर्माण कराने की मांग की है, ताकि लोगों को आवागमन में होने वाली परेशानी से राहत मिल सके।

मॉडर्न कॉन्वेंट स्कूल में सेज अपोलो हॉस्पिटल ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

मॉडर्न कॉन्वेंट स्कूल, ओबेदुल्लागंज में शनिवार को सेज अपोलो हॉस्पिटल के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं स्थानीय नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने प्रतिभागियों का रक्तचाप (बीपी), रैंडम ब्लड शुगर, बीएमआई, दंत परीक्षण तथा नेत्र परीक्षण किया। साथ ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श भी प्रदान किया गया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों ने शिविर का लाभ उठाया। विद्यालय की प्राचार्या विशाखा शर्मा ने सेज अपोलो हॉस्पिटल की टीम का आभार व्यक्त किया।

छात्र परिषद के चुनाव संपन्न

स्कूली बच्चों ने जाना, कैसे देते हैं वोट, समझी चुनाव की प्रक्रिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ एज्यूकेशनल सोसाइटी द्वारा संचालित लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ उ.मा. विद्यालय एवं प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल में शनिवार को छात्र परिषद के चुनाव प्रजातांत्रिक विधि से संपन्न हुए। चुनाव से पूर्व सभी बच्चों को चुनाव की तैयारी संबंधी, वोटिंग के संबंध में वोट क्यों जरूरी है, निष्पक्ष चुनाव करने के संबंध में जानकारी दी गई।

मतदान प्रक्रिया प्रातः निर्धारित समय पर प्रारंभ हुई और विद्यार्थियों ने अनुशासन के साथ अपने मताधिकार प्रयोग किया। वर्ष 2026-27 के लिए अध्यक्ष महक ठाकुर उपाध्यक्ष- मानसी भारती, महासचिव- तन्वी मीणा, सचिव- सिमरन मारन, सांस्कृतिक सचिव- काजल मीणा, मनोरंजन सचिव- डोली मीणा, भ्रमण सचिव- प्रियल शर्मा, वाणिज्य सचिव- वंशिका अहिरवार, विज्ञान सचिव- मोनिका मारन, पुस्तकालय सचिव- पूजा मीणा, अनुशासन सचिव- नीलम मीणा, क्रीड़ा सचिव- वाणी खरे, स्वच्छता सचिव-मुस्कान यादव एवं प्रार्थना सचिव- खुशी शर्मा चुने गए।

वोट के लिए स्याही लगाती चुनाव अधिकारी।

पिछले तीन माह से देखने तक नहीं आए कर्मचारी

कॉलोनी की सुरक्षा और स्वच्छता पर असर हो रहा असर

विभाग की बड़ी लापरवाही, भेल की शिवलोक कॉलोनी के गेट पर कचरे के ढेर में फेंके पुराने बिजली के मीटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के भेल क्षेत्र स्थित शिवलोक फेस-2 कॉलोनी में बिजली विभाग के कर्मचारियों की एक बड़ी और गंभीर लापरवाही सामने आई है। स्मार्ट मीटर तो सभी घरों में लगा दिए पर कॉलोनी के प्रत्येक घरों निकाले गए पुराने बिजली के मीटरों को गेट के पास स्थित कचरे के ढेर में लावारिस छोड़ दिया गया है। हैरानी की बात यह है कि ये मीटर पिछले तीन महीनों से इसी हाल में पड़े हैं, लेकिन बिजली कंपनी का कोई भी जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी सुध लेने नहीं पहुंचा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कचरे में फेंके गए ये सभी मीटर पूरी तरह चालू हालत में थे, जिन्हें घरों से बदलकर यहां फेंक दिया गया। सरकारी संपत्ति का इस तरह कचरे के भाव पड़ा होना विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। खुले में पड़े इन मीटरों के कारण न सिर्फ सरकारी राजस्व का नुकसान हो रहा है, बल्कि कॉलोनी की सुरक्षा और स्वच्छता पर भी असर पड़ रहा है।

> कॉलोनी के रहवासियों का दावा, कचरे में फेंके गए ये सभी मीटर चालू हालत में थे, जिन्हें घर से निकालकर लगाए थे स्मार्ट मीटर

कई बार कहा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं

कॉलोनी के पूर्व अध्यक्ष विजय रजक ने इस मामले पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए बताया कि ये बिजली के मीटर पिछले तीन महीनों से कॉलोनी के मुख्य गेट के पास कचरे में पड़े हैं। यह बिजली कंपनी के कर्मचारियों की साफ तौर पर लापरवाही है। कॉलोनी के गेट जैसी मुख्य जगह पर विभाग का यह सामान पड़ा हुआ है, जिसे देखने वाला कोई नहीं है। हमने कई बार ध्यान आकर्षित कराने का प्रयास किया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

लापरवाही पर की जाए कार्रवाई

कचरे के ढेर में कीमती और चालू मीटरों का इस तरह पड़ा रहना सुरक्षा के लिहाज से भी खतरनाक साबित हो सकता है।

कॉलोनीवासियों ने मांग की है कि बिजली कंपनी के उच्च अधिकारी इस मामले का तुरंत संज्ञान लें, लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई करें और इन मीटरों को जल्द से जल्द वहां से सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए। इस संबंध में भोपाल वृत्त के जीएम परिहार से संपर्क करने का प्रयास किया गया, किंतु उन्होंने कॉल ही अटैंड नहीं किया।

विंध्याचल एकेडमी में छात्र परिषद् का शपथ ग्रहण समारोह

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने यातायात नियमों के पालन की विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विंध्याचल एकेडमी में शनिवार को छात्र परिषद् के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शैलेंद्र सिंह चौहान ने छात्र प्रतिनिधियों को बैज पहनाकर पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इस मौके पर उन्होंने छात्रों से यातायात नियमों का पालन करने तथा नशामुक्त जीवन अपनाने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर विद्यालय की डायरेक्टर कुमकुम लीला, आकांक्षा लीला, प्राचार्य मोहन बाबू राणा, रश्मि कुंडले, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे। इस वर्ष छात्र परिषद् में हर्षिका पाटीदार को कमांडर, दिव्यांशी शर्मा एवं नंदिश यमुनूर को डिप्टी कमांडर, अलंकृता मीणा को पब्लिक रिलेशंस सचिव, कोमल पाटिल को साहित्य प्रमुख, अनन्या दुबे को साहित्य सचिव, नंदिता शांडिल्य को सांस्कृतिक प्रमुख, लावण्या शुक्ला को सांस्कृतिक सचिव, वृंदा दोहरे को खेल प्रमुख, वैदिका वर्मा को खेल सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई।

समारोह में छात्र प्रतिनिधियों को बैज पहनाकर पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

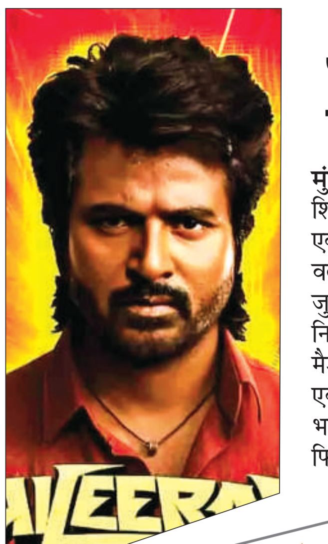

आज ज़ी सिनेमा पर 'मावीरन' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर...

मुंबई। ज़ी सिनेमा पर अभिनेता शिवकार्तिकेयन अभिनीत सुपरहिट एक्शन-फैंटेसी फिल्म मावीरन का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर आज 12 जुलाई को रात आठ बजे होगा। निर्माताओं ने बताया कि निर्देशक मैडोना अश्विन की फिल्म मावीरन एक्शन, कॉमेडी, फैंटेसी और भावनाओं का अनूठा संगम है। फिल्म की कहानी सत्या नामक एक कार्टूनिस्ट के इर्द-गिर्द घूमती है, जो टकराव से बचने वाला साधारण युवक है। एक हादसे के बाद उसे एक रहस्यमयी आवाज़ सुनाई देने लगती है, जो उसके जीवन की दिशा बदल देती है। इसके बाद वह अपने भीतर छिपे साहस को पहचानते हुए एक भ्रष्ट नेता के खिलाफ बेबस लोगों के लिए न्याय की लड़ाई लड़ता है।

लाइफ Style

प्रियंका

'द साइकिल ऑफ लव' का ट्रेलर जारी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'द साइकिल ऑफ लव' का ट्रेलर जारी किया है। वह फिल्म से बतौर कार्यकारी निर्माता जुड़ी हैं, जबकि इसका निर्देशन ऑरलैंडो वॉन आइन्सीडेल ने किया है।

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'द साइकिल ऑफ लव' का ट्रेलर जारी किया है। वह फिल्म से बतौर कार्यकारी निर्माता जुड़ी हैं, जबकि इसका निर्देशन ऑरलैंडो वॉन आइन्सीडेल ने किया है। इसकी कहानी 1970 के दशक में घटित दिल्ली के रहने वाले 23 वर्षीय कलाकार पीके महानंदिया पर आधारित है, जो सच्चे प्यार की तलाश में भारत से स्वीडन तक 6,000 मील की यात्रा पर साइकिल से निकले थे। ये सेकंड-हैंड साइकिल उन्होंने अपनी पेंटिंग्स बेचकर खरीदी थी। प्रियंका ने लिखा, 'जब मैंने पहली बार उस यात्रा की कहानी सुनी पीके महालंदिया प्यार के लिए महाद्वीपों की साइकिल यात्रा की कहानी सुनकर मैं दंग रह गई। ये उन दुर्लभ, अविश्वसनीय सच्ची कहानियों में से एक है जो लंबे समय तक आपके मन में रहती है।' उन्होंने निर्देशक का आभार जताते हुए लिखा, 'ये फिल्म आशा और अपने दिल की बात मानने के साहस की एक गहरी मानवीय कहानी है। मुझे आपके साथ ट्रेलर साझा करके खुशी हो रही है।' अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'फिल्म 28 अगस्त को अमेरिका और 18 सितंबर को ब्रिटेन में रिलीज होगी। जल्द अन्य अंतरराष्ट्रीय रिलीज तारीखों की घोषणा होगी।

हॉलीवुड मसाला

शादी के बाद पहली बार दिखे

लॉस एंजिल्स। कैलिफोर्निया में जुजू स्मिथ-शस्टर की शादी हुई, जहां टेलर स्विफ्ट और ट्रैविस केल्सी शादी के बाद पहली बार पति-पत्नी के रूप में एक साथ किसी बड़े कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान टेलर स्विफ्ट गुलाबी फूलों वाले एक बेहद खूबसूरत बॉल गाउन में नजर आईं, जिसने सबका ध्यान खींचा। वहां टेलर स्विफ्ट ने अपनी शादी की अंगूठी भी दिखाई, वहीं ट्रैविस केल्सी क्लासिक ग्रे सूट में काफी हैंडसम लग रहे थे। इसी महीने की शुरुआत में शादी के बंधन में बंधने के बाद ये इस नई शादीशुदा जोड़ी की पहली बड़ी सार्वजनिक उपस्थिति थी।

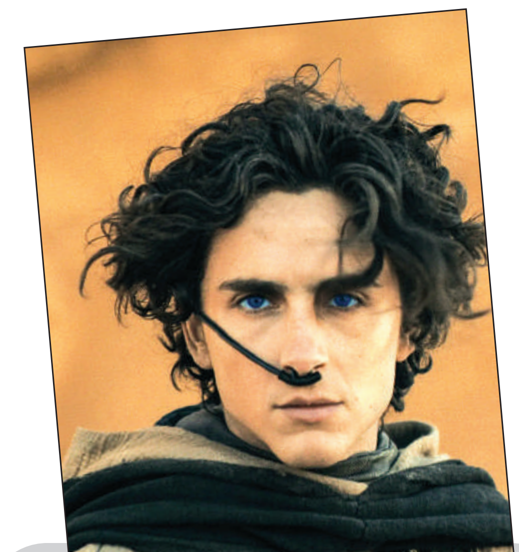

'ड्यूनः पार्ट 3' का धमाकेदार ट्रेलर जारी

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ड्यूनः पार्ट 3' इस साल बॉक्स ऑफिस पर तबाही मचाने के लिए तैयार है। डेनिस विलेन्यूव द्वारा निर्देशित फिल्म से टिमोथी चालमेट, जेंडाया और रॉबर्ट पैटिनसन की पहली आधिकारिक झलक पहले ही जारी हो चुकी थी। अब निर्माताओं ने फिल्म का धमाकेदार ट्रेलर जारी कर दिया है, जो ब्रह्मांड के सबसे खूंखार युद्ध का संकेत देता है। साइंस-फिक्शन से भरपूर यह इस फ्रैंचाइजी की तीसरी और आखिरी कड़ी है, जिसमें दमदार वीएफएक्स शामिल है। 'ड्यूनः पार्ट 3' की कहानी 17 साल आगे से शुरू होती है। इस बार पॉल एट्रीडेस (टिमोथी) के सामने रूप बदलने वाला खलनायक स्काइटेल (रॉबर्ट) खड़ा है। वह उसके साम्राज्य ध्वस्त करना चाहता है। उधर, पॉल और चानी (जेंडाया) के रिश्ते में दूरियां आ चुकी हैं।

'गोलमाल 5' में धमाल मचाएंगी प्रियामणि

मुंबई। रोहित शेट्टी एक बार फिर 'गोलमाल' फ्रैंचाइजी की दुनिया में कदम रख चुके हैं। इस सुपरहिट फिल्म की 5वीं किस्त के साथ अजय देवगन और उनकी पूरी पलटन लौटने के लिए तैयार है। काफी समय से चर्चा थी कि इस बार निर्माता फिल्म में महिला अभिनेत्री को शामिल नहीं करेंगे और यह पूरी तरह से पुरुष प्रधान फिल्म होगी। अब फिल्म पर आई हालिया जानकारी पिछले दावे से पूरी तरह उलट है, क्योंकि एक अभिनेत्री इसमें शामिल हो गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 'गोलमाल 5' से अभिनेत्री प्रियामणि का नाम जुड़ चुका है। 'फैमिली मैन' और 'आर्टिकल 370' जैसी फिल्मों व सीरीज से चर्चा बटोरने वालीं अभिनेत्री फिल्म में एक नकारात्मक किरदार निभाती हुई दिखाई देंगी।

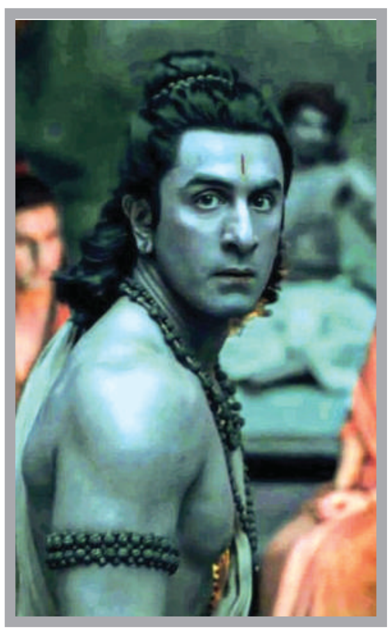

रामायण का ट्रेलर 24 को होगा रिलीज

मुंबई। निर्माता नमित मल्होत्रा की बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायणम का ट्रेलर 24 जुलाई को दुनिया भर में रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए कहा कि फिल्म का ट्रेलर वैश्विक स्तर पर एक साथ प्रीमियर होगा। फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में नजर आएंगे। इसका पहला भाग दिवाली 2026 और दूसरा भाग दिवाली, 2027 में सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाएगा। मेकर्स के अनुसार, दो भागों में बनाई जा रही इस महागाथा का उद्देश्य भारत के सबसे प्रतिष्ठित महाकाव्यों में से एक रामायण को भव्य सिनेमाई प्रस्तुति, भावनात्मक गहराई और अत्याधुनिक विजुअल इफेक्ट्स के साथ वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाना है।

टीवी मसाला

जेब खर्च के खातिर किया छोटा-मोटा काम, 'स्प्लिट्सविला' ने चमका दी किस्मत

नई दिल्ली। एक्टर पारस छाबड़ा ने टीवी की दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। आज भले ही वे बड़ा नाम बन चुके हैं, लेकिन उनकी किस्मत का सितारा चमका था साल 2012 में आए शो 'स्प्लिट्सविला 5' से। शो ने दिल्ली के लड़के को देखते ही देखते घर-घर में मशहूर कर दिया। पारस छाबड़ा ने न सिर्फ शो में अपना जलवा बिखेरा, बल्कि आकांक्षा पोपली के साथ मिलकर सीजन की ट्रॉफी भी अपने नाम की थी। एक जीत ने उनके लिए ग्लैमर वर्ल्ड के सारे दरवाजे हमेशा के लिए खोल दिए। पारस का बचपन सामान्य नहीं था। उन्होंने बहुत छोटी उम्र में ही अपने पिता को खो दिया था। उनकी मां रूबी छाबड़ा ने अकेले ही बेहद मुश्किल हालातों में उनकी परवरिश की। मां के इसी स्ट्रगल को देखकर पारस के अंदर भी कुछ बड़ा करने की जिद पैदा हुई। कॉलेज की पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने मॉडलिंग में हाथ आजमाना शुरू कर दिया था। उन्होंने शुरुआती दिनों में जेबखर्च के लिए कई छोटे-मोटे काम भी किए उन्हें धीरे-धीरे विज्ञापनों में काम मिलने लगा।

'बिग बॉस 13' साबित हुआ टर्निंग प्वॉइंट : पारस ने 'स्प्लिट्सविला 5' की कामयाबी के बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वे 'वी द सीरियल' में दिखे और साल 2015 में दोबारा 'स्प्लिट्सविला 8' का हिस्सा बने। उन्होंने टीवी सीरियल्स का रुख किया और 'बढ़ो बहू', 'आरंभ', 'कलीरें' और 'अघोरी' जैसे शोज में अपनी एक्टिंग का दम दिखाया। 'विघ्नहर्ता गणेश' सीरियल में निभाया गया उनका रावण का किरदार दर्शकों को खूब पसंद आया। लेकिन उनके करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साल 2019 में आया, जब उन्होंने 'बिग बॉस 13' में एंट्री ली। वे शो में टॉप 6 तक पहुंचे और फिनाले के दिन 10 लाख का सूटकेस लेकर शो से बाहर आ गए।

सिद्धार्थ की फिल्म 'वन' की बदली रिलीज तारीख

मुंबई। सिद्धार्थ मल्होत्रा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' अब 28 अगस्त को नहीं आएगी। निर्माता बालाजी मोशन पिक्चर्स ने एक मोशन पोस्टर जारी करते हुए इसकी नई रिलीज तारीख का ऐलान किया है। दीपक मिश्रा और अरुणभ कुमार द्वारा निर्देशित यह फिल्म पहले रक्षाबंधन के अवसर पर सिनेमाघरों में आनी थी। चूकि उसी हफ्ते में श्रद्धा कपूर की 'ईथा' और यश की 'टॉक्सिक' रिलीज हो रही हैं। इस टकराव से बचने के लिए ये फैसला लिया गया है। निर्माता एकता कपूर ने 'वन' का एनिमेटेड मोशन पोस्टर जारी किया है, जिसमें त्रिशूल लिए एक व्यक्ति खूंखार बाघ और नंदी से घिरा हुआ है। उसके चारो ओर बिजली की कड़क दिखाई गई है। पोस्ट के साथ कैप्शन दिया गया, 'बाघ की दहाड़ है... नंदी उसकी शक्ति है। और वन... उसकी कहानी।' फिल्म में सिद्धार्थ के साथ तमन्ना भाटिया मुख्य किरदार में हैं। यह अब 25 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। इसके बाद अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी।

राजकुमार राव की कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने तैयार...

मुंबई। अभिनेता राजकुमार राव के अभिनेय के लोग दीवाने हैं। अब वह एक बार फिर कई बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। उनकी करीब 6 आगामी फिल्में चर्चा में हैं, जिनमें से 2 इसी साल रिलीज होंगी, जबकि 4 फिल्में 2027 में सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। फैंस के बीच उनकी आने वाली फिल्मों को लेकर जबरदस्त उत्साह है। ऐसे में आइए देखते हैं राजकुमार की आने वाली फिल्मों की पूरी सूची।

'प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी' और 'रफ्तार': कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी' इस साल 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में राजकुमार के साथ-साथ वमिका गब्बी, जयदीप अहलावत और सिकंदर खेर भी मुख्य किरदार में हैं। राजकुमार की थ्रिलर फिल्म 'रफ्तार' इसी साल 16 अक्टूबर को रिलीज होगी। इस फिल्म में राजकुमार के साथ कीर्ति सुरेश, अनुराग ठाकुर, रोहन वर्मा, तान्या मानिकतला और रजत कपूर मुख्य भूमिका में हैं।

'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' और 'भेड़िया 2' : भारतीय क्रिकेटर सौरव गांगुली की बायोपिक फिल्म 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' 14 मई, 2027 में रिलीज होगी। विक्रमादित्य मोटवानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राजकुमार मुख्य किरदार में दिखाई देंगे। मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की फिल्म 'भेड़िया 2' साल 2027 तक रिलीज हो सकती है। इस फिल्म में वरुण धवन मुख्य किरदार में नजर आएंगे। वहीं राजकुमार एक कैमियो भूमिका में दिखाई देंगे।

'स्त्री 3' और 'छोटी स्त्री' : हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री' के दोनों पार्ट के हिट होने के बाद अब निर्माता इसका तीसरा पार्ट बनाने जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म 2027 में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में राजकुमार और श्रद्धा कपूर साथ नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एनिमेटेड स्पिन-ऑफ फिल्म 'छोटी स्त्री' आने वाली है। इस फिल्म में राजुकार और श्रद्धा नजर आ सकते हैं। हालांकि, मेकर्स ने इसका इसकी रिलीज की तारीख और कास्ट का खुलासा नहीं किया है।

सनी देओल की इन फिल्मों ने की थी खूब कमाई, जीत लिए थे सबके दिल

***मुंबई।** बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सनी देओल अपनी दमदार अदाकारी और एक्शन फिल्मों के लिए मशहूर हैं। उनकी लीगल कोर्टरूम ड्रामा 'इक्का' अब नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। अगर आप इस फिल्म को देखने की योजना बना रहे हैं, तो उससे पहले सनी की उन सुपरहिट फिल्मों पर भी नजर डालिए, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और करोड़ों की कमाई कर दर्शकों का दिल जीत लिया था।*

'गदर 2' और 'गदरः एक प्रेम कथा'

सनी की सबसे कमाऊ फिल्मों की सूची में सबसे पहला नाम 'गदर 2' का है, जो 2023 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने 686 करोड़ रुपये की जबरदस्त कमाई की थी। इस फिल्म में सनी के साथ-साथ अमीषा पटेल भी मुख्य भूमिका में थीं। 'गदरः एक प्रेम कथा' का नाम इस सूची में दूसरे नंबर पर है। ये साल 2001 में रिलीज हुई थी। इसने उस समय दुनियाभर में 132.6 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

'जाट' और 'यमला पगला दीवाना'

एक्शन-ड्रामा फिल्म 'जाट' साल 2025 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुल 126 करोड़ की कमाई की थी। फिल्म में सनी के अलावा रणदीप हुड्डा भी मुख्य भूमिका में थे। कॉमेडी फिल्म 'यमला पगला दीवाना' 2011 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 88.55 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इस फिल्म में सनी के साथ-साथ उनके दिवंगत पिता धर्मेंद्र और बॉबी देओल भी थे।

'बॉर्डर'

निर्देशक जेपी दत्ता के निर्देशन में बनी फिल्म 'बॉर्डर' (1997) भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन और ऐतिहासिक देशभक्ति फिल्मों में से एक है। यह फिल्म 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान हुई 'लोंगेवाला की लड़ाई' पर आधारित है। फिल्म में सनी देओल ने मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी का यादगार और दमदार किरदार निभाया था। उनके साथ सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और अक्षय खन्ना जैसे कलाकारों ने भी शानदार अभिनय किया। इसने 64.98 करोड़ रुपये की रिकॉर्डतोड़ कमाई की थी।

'धमाल 4' के आगे 'अल्फा' ने टेके घुटने 2 करोड़ रुपए कमाने में भी छूटे पसीने...

मुंबई। बॉक्स ऑफिस पर इस शुक्रवार यानी 10 जुलाई को अजय देवगन की कॉमेडी फिल्म 'धमाल 4' रिलीज हुई। फिल्म ने सिनेमाघरों में आते ही तहलका मचा दिया है। भले ही फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन पहले दिन कमाई के मामले में इसने बाजी मार ली है। आलम ये है कि फिल्म के आगे आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की एक्शन-थ्रिलर 'अल्फा' पूरी तरह पस्त हो गई है। आइए जानें दोनों फिल्मों की कमाई।

'धमाल 4' ने पहले दिन कमाए इतने करोड़

'धमाल 4' ने रिलीज के पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। फिल्म ने पहले ही दिन 10 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, इस कॉमेडी फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 13.75 करोड़ रुपये के साथ अपना खाता खोला है। इंद्र कुमार के निर्देशन में बनी 'धमाल 4' में रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी, संजय मिश्रा, रवि किशन, अंजलि आनंद, ईशा गुप्ता और संजीदा शेख भी अहम भूमिका में हैं।

'धमाल 4' की आंधी में उड़ी 'अल्फा'

'धमाल 4' के रिलीज होते ही आलिया भट्ट की स्पाई थ्रिलर 'अल्फा' की कमाई को बड़ा झटका लगा है। पहले हफ्ते में 47.45 करोड़ कमाने वाली ये फिल्म अपने आठवें दिन (दूसरे शुक्रवार) बॉक्स ऑफिस पर पस्त नजर आई। फिल्म आठवें दिन 2 करोड़ भी नहीं कमा सकी और महज 1.65 करोड़ रुपये पर सिमट गई। इसके साथ ही 'अल्फा' का 8 दिनों का कुल कारोबार 49.10 करोड़ रुपये हो गया है।

धनुष और वेत्रिमारन की ब्लॉकबस्टर जोड़ी की वापसी, 'तमिल मुरुगन' का पहला प्रोमो रिलीज

मुंबई। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार धनुष ने निर्देशक वेत्रिमारन के साथ अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तमिल मुरुगन' का पहला प्रोमो जारी कर दिया है। इस प्रोमो के सामने आने के बाद से ही फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता काफी बढ़ गई है। ये फिल्म अरिवुमथी की एक चर्चित किताब पर आधारित है, जो तमिल इतिहास के एक बेहद महान और शक्तिशाली नेता की कहानी को बयां करती है। इस ऐतिहासिक नायक का विशेष जिक्र तमिलों के प्राचीन संगम साहित्य में भी मिलता है। इन फिल्मों में साथ काम कर चुके धनुष और वेत्रिमारन साउथ सिनेमा के सुपरस्टार धनुष और दिग्गज निर्देशक वेत्रिमारन एक बार फिर इतिहास दोहराने के लिए तैयार हैं। ये पांचवीं बार है, जब ये सुपरहिट जोड़ी किसी फिल्म के लिए एक साथ आई है। इससे पहले यह जोड़ी 'पोलधवन', 'आदुक्लम', 'वडा चेन्नई' और 'असुरन' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुकी है, जिन्होंने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर कमाई की, बल्कि राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी अपने नाम किए।

हर वर्ष 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस मनाया जाता है। यह दिवस युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और संभावनाओं को दिशा देने का वैश्विक संकल्प दिवस भी है। विश्व युवा कौशल दिवस हमें यह संदेश देता है कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके युवाओं के हाथों में होता है और उन हाथों की सबसे बड़ी शक्ति उनका कौशल ही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक युवा इसके महत्व को समझे और देश निर्माण में अपनी भूमिका को निभाए।

स्किल्ड युवाओं से संवरेगा देश-समाज का भविष्य

{ कवर स्टोरी / डॉ. यशोधरा भटनागर }

आज जब दुनिया तीव्र तकनीकी परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), स्वचालन, ग्रीन इकोनॉमी और डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रही है, तब कौशल विकास यानी स्किल डेवलपमेंट केवल रोजगार का प्रश्न नहीं रह गया है। यह सामाजिक न्याय, आर्थिक समृद्धि, आत्मनिर्भरता और सतत विकास का आधार बन चुका है। इसमें संदेह नहीं किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसके प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि उसके कुशल नागरिक होते हैं। भारत जैसे युवा देश के लिए यह तथ्य और भी महत्त्वपूर्ण है। हमारे पास विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी है। यदि यह युवा वर्ग उचित शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल से सुसज्जित हो जाए, तो अपना देश भारत केवल जनसंख्या के आधार पर ही नहीं, बल्कि ज्ञान, नवाचार और उत्पादकता के आधार पर भी संपूर्ण विश्व का नेतृत्व कर सकता है।

विश्व युवा कौशल दिवस की पृष्ठभूमि

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में घोषित किया। इसका उद्देश्य युवाओं, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों, उद्योगों और नीति-निर्माताओं के बीच ऐसा संवाद स्थापित करना था, जिससे युवाओं को बदलती दुनिया की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्राप्त हो सके। इस दिवस का मूल स्पष्ट संदेश है कि युवाओं को केवल शिक्षित करना पर्याप्त नहीं, उन्हें दक्ष, सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना भी उतना ही आवश्यक है।

कौशल का व्यापक अर्थ

कौशल यानी स्किल का अर्थ केवल किसी मशीन को चलाना या किसी तकनीक में दक्ष होना नहीं है। कौशल एक समग्र अवधारणा है, जिसमें ज्ञान, व्यवहार, दृष्टिकोण और कार्यकुशलता का संतुलित समावेश होता है। आज कौशल के अनेक आयाम उपलब्ध हैं। तकनीकी एवं व्यावसायिक कौशल, डिजिटल और आईटी कौशल, संचार एवं अभिव्यक्ति कौशल, नेतृत्व एवं प्रबंधन क्षमता, समस्या-समाधान और आलोचनात्मक चिंतन, उद्यमिता एवं वित्तीय साक्षरता, रचनात्मकता और नवाचार, भावनात्मक बुद्धिमत्ता तथा टीमवर्क। इन मानवीय गुणों के कौशल से यह बात पूरी तरह स्पष्ट हो जाती है कि कौशल केवल हाथों की दक्षता नहीं, बल्कि मस्तिष्क, व्यक्तित्व और मानवीय मूल्यों का समन्वय होता है।

बदलती दुनिया में नई चुनौतियां

इक्कीसवीं सदी का रोजगार बाजार निरंतर बदल रहा है। अनेक पारंपरिक कार्य एआई और ऑटोमेशन के कारण परिवर्तित हो रहे हैं। ऐसे समय में केवल एक बार सीखा गया ज्ञान जीवन भर पर्याप्त नहीं रह सकता। आज आवश्यकता है निरंतर सीखने की। डिजिटल तकनीक, डेटा विश्लेषण, साइबर सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, रोबोटिक्स, स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि-प्रौद्योगिकी और रचनात्मक उद्योग जैसे क्षेत्रों में नए अवसर लगातार विकसित हो रहे हैं। इन अवसरों का लाभ वही युवा उठा पाएगा, जो स्वयं को समय के अनुसार निरंतर अद्यतन करता रहेगा।

कौशल और आत्मनिर्भरता

कौशल व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाता है। वह केवल नौकरी पाने की प्रतीक्षा नहीं करता, बल्कि अपने लिए नए अवसरों का निर्माण करता है। यही कारण है कि आज स्टार्टअप कल्चर, सामाजिक उद्यमिता और इनोवेशन को विशेष महत्त्व दिया जा रहा है। एक कुशल कारीगर, किसान, डिजाइनर, प्रोग्रामर, शिक्षक या तकनीशियन सभी राष्ट्रनिर्माण में समान रूप से योगदान देते हैं। किसी भी कार्य का सम्मान उसकी उपयोगिता से निर्धारित होता है, न कि उसके सामाजिक वर्गीकरण से। कौशल सम्मानजनक श्रम की संस्कृति को भी सुदृढ़ करता है।

जीवन कौशल का महत्व

तकनीकी दक्षता के साथ-साथ जीवन कौशल भी अत्यंत आवश्यक हैं। प्रभावी संवाद, समय-प्रबंधन, सहयोग, सहानुभूति, नेतृत्व, नैतिकता और तनाव-प्रबंधन ऐसे गुण हैं, जो किसी भी व्यक्ति को सफल ही नहीं, बल्कि संतुलित और जिम्मेदार नागरिक भी बनाते हैं। आज के युवा को केवल तकनीकी रूप से सक्षम नहीं, बल्कि सामाजिक रूप से संवेदनशील भी होना होगा। तकनीक का उपयोग तभी सार्थक है जब वह मानवता के हित में हो।

सभी वर्गों का हो कौशल विकास

विश्व युवा कौशल दिवस हमें यह भी स्मरण कराता है कि कौशल विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचना चाहिए। ग्रामीण युवाओं, महिलाओं, दिव्यांगजनों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को समान अवसर उपलब्ध कराना समावेशी विकास की अनिवार्य शर्त है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके सपनों से नहीं, बल्कि उन सपनों को साकार करने वाले कुशल हाथों से निर्मित होता है। कौशल वह दीप है जो आत्मविश्वास को प्रकाशित करता है, श्रम को सम्मान देता है और संभावनाओं को उपलब्धियों में बदल देता है। आज आवश्यकता ऐसी पीढ़ी तैयार करने की है जो ज्ञानवान होने के साथ-साथ कर्मनिष्ठ, सृजनशील और उत्तरदायी भी हो। ✻

भविष्य के कौशल में रोजगार ही नहीं उत्तरदायित्व भी शामिल करना होगा

भविष्य के कौशलों में तकनीकी दक्षता के साथ पर्यावरणीय चेतना, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक नेतृत्व भी सम्मिलित होंगे। जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और ग्रीन इकोनॉमी की चुनौतियां ऐसे युवाओं की मांग करती हैं, जो इनोवेशन के साथ संवेदनशीलता भी रखते हों। वास्तविक कौशल वही है, जो व्यक्ति को सफल होने के साथ-साथ उपयोगी और उत्तरदायी भी बनाए। श्रम के सम्मान और उत्कृष्टता की साधना को अपना जीवन मंत्र बनाए। जब युवा अपने कौशल से आत्मविश्वास अर्जित करेंगे, तब वे केवल अपने जीवन को नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की दिशा भी बदलेंगे। विकसित भारत का स्वप्न केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि करोड़ों कुशल, सृजनशील, संवेदनशील और आत्मनिर्भर युवाओं के हाथों से साकार होगा।

निश्चय ही कुशल युवाओं के हाथों में ही वह शक्ति निहित है, जो विकसित, समृद्ध, समावेशी और मानवीय भारत के स्वप्न को यथार्थ में बदल सकती है। यही विश्व युवा कौशल दिवस का सार है और यही हमारे समय का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संकल्प भी।

काम करने की दौड़-भाग में पीछे छूट न जाए जिंदगी !

पैसा कमाने के लिए, जीवन में प्रगति, पद, प्रतिष्ठा के लिए काम करना तो जरूरी है। लेकिन कुछ लोगों को काम करने की लत लग जाती है। इसकी धुन में वे जिंदगी जीना ही जैसे भूल जाते हैं। इससे बचना क्यों जरूरी है, इससे कैसे बचें, आपको जरूर जानना चाहिए।

{ लाइफस्टाइल / वीरेंद्र बहादुर सिंह }

आज की दुनिया में काम सिर्फ जरूरत नहीं, पहचान भी बन चुका है। जिस व्यक्ति के पास काम है, उसे सफल माना जाता है। सुबह से रात तक भागते लोग, मोबाइल पर झुकी आंखें, लैपटॉप पर टिके हाथ और दिमाग में लगातार घूमती डेडलाइन, यह सब आधुनिक जीवनशैली का सामान्य दृश्य बन गया है। लेकिन कई बार हमारे भीतर यह सवाल भी उठने लगता है कि क्या हम काम कर रहे हैं, या काम हमें नियंत्रित कर रहा है?

मेहनती और वर्कोहोलिक में फर्क: मन लगाकर काम करने वाला व्यक्ति मेहनती कहलाता है। लेकिन मेहनती इंसान काम के साथ आराम करता है, परिवार के साथ समय बिताता है और अपने मन को विराम भी देता है। लेकिन वर्कोहोलिक व्यक्ति के लिए काम छोड़ना आसान नहीं होता। वह खाली बैठते ही बेचैन हो जाता है। उसे लगता है कि अगर वह काम नहीं करेगा तो समय बर्बाद होगा। ऐसे लोग छुट्टी के दिन भी लैपटॉप खोलकर बैठ जाते हैं।

सफलता की चमक में भीतर का अंधेरा: यह सच है कि ज्यादा काम करने वाले लोग जल्दी सफलता पा लेते हैं। ऑफिस में उनकी छवि जिम्मेदार और कर्मठ व्यक्ति की बनती है। प्रमोशन जल्दी मिलता है, आय बढ़ती है और समाज भी ऐसे लोगों को सम्मान की नजर से देखता है। लेकिन हर चमकती चीज सुकून नहीं देती। वर्कोहोलिक व्यक्ति बाहर से सफल दिख सकता है, मगर कई बार भीतर से टूटने लगता है। रिश्तों में दूरी आने लगती है। दोस्त छूट जाते हैं। परिवार के साथ बैठने का समय नहीं बचता। धीरे-धीरे जिंदगी सिर्फ टारगेट और डेडलाइन तक सीमित हो जाती है।

शरीर-मन के लिए अहितकर: विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन (आईएलओ) के अध्ययन बताते हैं कि सप्ताह में 55 घंटे या उससे अधिक काम करना गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर, अनिद्रा और मानसिक थकान जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ये रिपोर्ट्स संकेत देती हैं कि अत्यधिक काम अब सिर्फ जीवनशैली नहीं, स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है। लगातार या बिना आराम किए काम करने वाला व्यक्ति मानसिक रूप से भी कमजोर होने लगता है। चिंता, बेचैनी, अवसाद और चिड़चिड़ापन बढ़ने लगता है। कई बार इंसान को यह अहसास भी नहीं होता कि वह भीतर से टूट रहा है। वह सिर्फ यह सोचता रहता है कि थोड़ा और काम कर लूं, फिर आराम करूंगा। लेकिन ऐसा वक्त कभी नहीं आता।

रिश्तों पर पड़ता है बुरा असर: वर्कोहोलिज्म का सबसे गहरा असर रिश्तों पर पड़ता है। बच्चे पिता का इंतजार करते रहते हैं, पति-पत्नी के बीच बातचीत कम हो जाती है, दोस्तों से मुलाकातें खत्म होने लगती हैं। इससे रिश्ते भीतर से सूखने लगते हैं।

आराम है बहुत जरूरी: सच यह है कि इंसान मशीन नहीं है। शरीर को आराम चाहिए, मन को शांति चाहिए और आत्मा को अपनेपन की जरूरत होती है। अगर जिंदगी में सिर्फ काम ही बच जाए, तो उपलब्धियां भी एक दिन बोझ लगने लगती हैं। इसलिए कभी-कभी बिना किसी उद्देश्य के बैठना भी जरूरी होता है। अपने बच्चों के साथ हंसना, दोस्तों से बातें करना, किताब पढ़ना, संगीत सुनना, ये भी जिंदगी का हिस्सा हैं। जरूरत सिर्फ इतनी है कि हम अपने दिन की योजना समझदारी से बनाएं। ✻

{ कविता / कुलदीप सिंह भाटी }

पिता

पिता अब तक नहीं बना पाए
अपनी माकूल जगह कविताओं में
नहीं है पिता में
आत्म-विश्वास की कोई कमी
और न ही कह सकते हैं
इसे उनकी असफलता
न ही ऐसा कि
बैठ नहीं पाते वे फिट
कविताओं में
और न ही कविताएं अक्षम हैं
बरत पाने में पिताओं को
पिता भी शायद ही सकुचाते हों
कविताओं संग आते हुए
पिता ने कविताओं को
बेटियों की तरह पाला
वे कभी-कभार क्षणांश
तब ही आ पाते हैं
आज भी कविताओं में
जब बेटियों सरीखी कविताएं
खुद दौड़ पड़ती हैं उनकी ओर
अपनी बांहों में भर लेने के लिए।

{ व्यंग्य / पूनम पांडे }

फटकार का मौसम

हमारे लोकतंत्र में एक अद्भुत ऋतु आती है। न यह बरसात है, न बसंत, न चुनावी मौसम। इसका नाम है-फटकार ऋतु। इस ऋतु में मंत्री जी गरजते हैं, विधायक जी बरसते हैं, सांसद जी तमतमाते हैं और अधिकारी...। अधिकारी ऐसे बैठे रहते हैं, जैसे योग शिविर में अनुलोम-विलोम कर रहे हों।

जिले की समीक्षा बैठक शुरू होती है। नेता जी की त्यौरियां ऐसी चढ़ी होती हैं, मानो आज तो प्रशासन की शामत तय है। नेताजी पूछते हैं, 'यह सड़क अभी तक टूटी क्यों है?' अफसर कहते हैं, 'जी, टेंडर प्रक्रिया में है।' वे फिर पूछते हैं, 'अस्पताल में डॉक्टर नहीं हैं?' अधिकारी कहते हैं, 'जी, भर्ती प्रक्रिया में है।' नाराज होकर मंत्री जी पूछते हैं, 'तालाब सूखा क्यों है?' जवाब मिलता है, 'जी, वर्षा प्रक्रिया में है।' अब बेचारे बादल भी सोचते होंगे कि हमारे बरसने का ठेका भी किसी फाइल में अटक गया क्या! बैठक में जितनी बार 'प्रक्रिया' शब्द बोला जाता है, उतनी बार अगर काम हो जाए तो देश अगले सोमवार तक विकसित हो जाए।

नेता जी का गुस्सा भी बड़ा मेहनती होता है। मेज पर मुक्का मारते हैं। फाइलें कांप जाती हैं। पानी का गिलास हिल जाता है। कैमरे चौकन्ने हो जाते हैं। मगर अधिकारी? उनके चेहरे पर वही शांति, मुस्कान होती है, जो तपस्वी के चेहरे पर होती है। लगता है जैसे वे मन ही मन 'डांटाय नमः फटकाराय नमः' का जाप कर रहे हों।

अब अधिकारियों ने भी जीवन का गूढ़ दर्शन समझ लिया है। वे जानते हैं कि फटकार एक मौसमी फल है। मौसम आया, फल गिरा, मौसम गया, फल सड़ गया। बस! पहले जमाने में लोग चेचक निकलने पर प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेते थे। अब सरकारी अफसर फटकार सुन-सुनकर आलोचना-प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर चुके हैं। जिस अफसर को पांच साल में सौ फटकारें पड़ जाएं, उसे तो प्रशासनिक विश्वविद्यालय से मानद उपाधि मिलनी चाहिए, डॉक्टर ऑफ फटकार मैनेजमेंट।

आपने गौर किया होगा, अधिकारी डांट खाते समय कभी बहस नहीं करते, क्योंकि उन्हें मालूम है कि डांट की भी एक्सपायरी डेट होती है। बैठक समाप्त होते ही उसका असर वैसे ही उड़ जाता है, जैसे शादी के पंडाल से मेहमान। अगले दिन अखबार की हेडलाइन आती है। 'मंत्री जी का सख्त रुख, अधिकारियों की लगाई क्लास।' जनता चाय की चुस्की लेते हुए खुश हो जाती है 'चलो, आज तो खबर ली गई।' लेकिन उधर अधिकारी भी चाय की चुस्की लेते हुए कहते हैं, 'आज की हेडलाइन ठीक है। पिछली बार वाली फोटो ज्यादा अच्छी आई थी।' कभी-कभी तो लगता है कि सरकार को 'फटकार मंत्रालय' अलग से बना देना चाहिए। वहां रोज अभ्यास हो। सुबह नौ बजे-हल्की फटकार। दोपहर बारह बजे-कड़ी फटकार। शाम पांच बजे-अत्यंत कड़ी फटकार। रात को प्रेस नोट-भविष्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह वाक्य इतना पुराना हो चुका है कि पुरातत्व विभाग चाहे तो इसे खुदाई में मिली धरोहर घोषित कर दे।

हमारे तंत्र में सबसे अद्भुत जीव अगर कोई है, जिसे किसी चिड़ियाघर में रखा जाना चाहिए, तो वह है-चिकना घड़ा अधिकारी। इस प्रजाति की विशेषता है कि डांट इस पर ऐसे फिसलती है, जैसे गरम तवे पर पानी। मंत्री जी पूछते हैं, 'काम क्यों नहीं हुआ?' उत्तर मिलता है, 'जी, प्रयास जारी है।' फिर पूछा जाता है, 'कब तक होगा?' जवाब मिलता है, 'जी, शीघ्र होगा।'

असल बीमारी यह नहीं कि कुछ अधिकारी काम नहीं करते। बीमारी यह है कि काम न करने की भी कोई कीमत उन्हें नहीं चुकानी पड़ती। जब कुर्सी पर धूल जम जाए मगर कुर्सी न हिले, तब डांट मनोरंजन बन जाती है। आखिर नेता भी क्या करें? वे हर बैठक में वही संवाद बोलते हैं। अधिकारी हर बैठक में वही उत्तर देते हैं। पत्रकार हर बैठक में वही खबर लिखते हैं। जनता हर बैठक में वही उम्मीद पालती है। लगता है पूरा प्रशासन किसी पुराने रेडियो नाटक का पुनर्प्रसारण बन गया है। ✻

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

रोचक औपन्यासिक विमर्श

राजेंद्र यादव और मन्नू भंडारी के द्वारा लिखे गए उपन्यास 'एक इंच मुस्कान' को हिंदी साहित्य में अपनी तरह का अनोखा उपन्यास माना जाता है। अब से कुछ समय पूर्व प्रकाशित होकर आया उपन्यास 'फांसी' भी इसी धारा की कृति है। इसे भी दो लेखकों उद्भ्रांत और शैलेश पंडित ने मिलकर लिखा है। उपन्यास के आरंभिक सात अध्याय उद्भ्रांत ने लिखे फिर कई वर्षों के बाद अगले उन्नीस अध्याय शैलेश पंडित ने लिखकर इसे पूरा कर दिया था, पर उनके द्वारा किए गए कथांत से उद्भ्रांत संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने चार नए अध्याय लिखकर उपन्यास का अंत किया। तुलनात्मक रूप से उद्भ्रांत, शैलेश पंडित से वरिष्ठ हैं, लेकिन एक ही कथाभूमि पर दोनों ने जिस संतुलन के साथ कहानी को आगे बढ़ाया है, वह पाठक को अचरज में डाल सकता है। इसे पढ़ते हुए क्राइम थ्रिलर उपन्यास पढ़ने का भी एहसास होता है। उपन्यास के मुख्य पात्र का जीवन अनपेक्षित मोड़ों से होते हुए अपराध, जेल और फांसी के फंदे तक पहुंच जाता है। लेकिन यहीं पर आकर उपन्यास, किसी अपराधी को फांसी की सजा देने या न देने पर विमर्श का रूप लेता है। इस तरह उपन्यास का अंत न्याय प्रक्रिया में फांसी की सजा दिए जाने पर सवाल उठाता है। उपन्यास का कथा प्रवाह शुरू से अंत तक बांधे रखता है। ✻

किताब: फांसी (उपन्यास), **लेखक:** उद्भ्रांत-शैलेश पंडित,
मूल्य: 375 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

मेरिनो ने फिर पलटी बाजी, सेमीफाइनल में स्पेन

'मैंने लगातार दूसरे मैच में ऐसा किया, इसलिए लगता है कि संयोग जैसी कोई चीज होती है। अगर आप तैयार हैं और कोशिश करते हैं तो कोई भी ऐसा कर सकता है। किस्मत ने भी मेरा साथ दिया।' मेरिनो ने अपने पहले विश्व कप में दो गोल किए हैं और ये दोनों ही ऐतिहासिक हैं।

– मिकेल मेरिनो
स्ट्राइकर, स्पेन

करीबी मुकाबले में बेल्जियम को 2-1 से हराया

मिकेल मेरिनो ने लगातार दूसरे मैच में कमाल दिखाया और मैदान पर उतरने के बाद अपने दूसरे मिनट में ही निर्णायक गोल दागा, जिससे स्पेन ने बेल्जियम को करीबी मुकाबले में 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

एजेंसी ▶▶| इंगलवुड

मेरिनो 86वें मिनट में मैदान पर आए और उन्होंने 88वें मिनट में बेल्जियम के बैकअप गोलकीपर सेने लैमेंस की गलती का फायदा उठाकर गोल कर दिया। उन्होंने बॉक्स में घुसकर तब गोल दागा जब लैमेंस पाउ कुबार्सी के लंबे शॉट पर रिबाउंड को नहीं रोक पाए थे। यह लगातार दूसरा मैच था जबकि मेरिनो ने स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरकर निर्णायक गोल किया। मेरिनो ने पिछले मैच में स्पेन की पुर्तगाल पर 1-0 की जीत में इंजरी टाइम के शुरुआती समय में सब्स्टीट्यूट के रूप में मैदान पर आने के चार मिनट बाद ही गोल कर दिया था। स्पेन सेमीफाइनल में टूर्नामेंट के प्रबल दावेदार फ्रांस का सामना करेगा।

टूर्नामेंट में पहली बार स्पेन ने खाया गोल

स्पेन के लिए फैबियान रुइज ने 30वें मिनट में गोल किया। बेल्जियम के फॉरवर्ड चार्ल्स डी केटेलेरे ने 41वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। यह टूर्नामेंट में पहला अवसर है जबकि स्पेन ने गोल खाया। स्पेन मार्च 2023 से लगातार 37 मैचों में अजेय रहा है। वह 2010 में खिताब जीतने के बाद पहली बार विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा है। बेल्जियम का सभी प्रतियोगिताओं में लगातार 18 मैचों में अजेय रहने का सिलसिला समाप्त हो गया।

गोलकीपर लैमेंस 71वें मिनट में उतरे मैदान पर

गोलकीपर लैमेंस को 71वें मिनट में मैदान में उतरना पड़ा, क्योंकि बेल्जियम के लंबे समय से गोलकीपर रहे थिबाउट कर्टोइस जांघ में चोट लगने के कारण मैदान से बाहर चले गए थे। बेल्जियम ने अंतिम मिनटों में बराबरी का गोल करने के लिए जीजान से प्रयास किया, लेकिन आयमेरिक लापोर्टे ने सर्वश्रेष्ठ मौके पर शॉट बाहर मार दिया।

सेमीफाइनल में स्पेन और फ्रांस के बीच होगी भिड़ंत

स्पेन और फ्रांस के बीच मंगलवार को टेक्सास के अर्लिंग्टन में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। इस साल के विश्व कप में दोनों में से कोई भी टीम हारी नहीं है। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने कहा, 'यह दो दिग्गज टीम के बीच मुकाबला होगा लेकिन हम मैच जीतने में सक्षम हैं। उनकी टीम लाजवाब है लेकिन मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है।'

फाइनल पिच के टुकड़ों को बेचेगा फीफा

ईस्ट रदरफोर्ड। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा विश्व कप में कमाई करने का कोई मौका नहीं गंवा रही है और अब उसने उस पिच के टुकड़ों को बेचने का फैसला भी किया है, जहां इस टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। फीफा पहले ही विश्व कप के टिकट और अन्य चीजों को ऊंची कीमतों पर बेचने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है और अब वह न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल में इस्तेमाल होने वाली पिच के प्रत्येक टुकड़े को 450 डॉलर (लगभग 43000 रुपए) की दर से बेच रहा है। फीफा के स्टोर के अनुसार प्रत्येक टुकड़े का आकार 17.5 गुणा 17.5 गुणा 17.5 है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह आंकड़ा इंच, सेंटीमीटर या मिलीमीटर में है। फुटबॉल के शासी निकाय ने यह जानने के लिए भेजे गए ईमेल का तुरंत जवाब नहीं दिया। फीफा की वेबसाइट पर लिखा गया है, ''फुटबॉल इतिहास के एक प्रामाणिक हिस्से को अपने पास संजोकर रखें, जो फीफा विश्व कप 2026 के (फाइनल की) पिच का एक टुकड़ा है।'

अमेरिका, मैक्सिको बाहर गिरी टिकटों की कीमत

ईस्ट रदरफोर्ड। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा विश्व कप में कमाई करने का कोई मौका नहीं गंवा रही है और अब उसने उस पिच के टुकड़ों को बेचने का फैसला भी किया है, जहां इस टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। फीफा पहले ही विश्व कप के टिकट और अन्य चीजों को ऊंची कीमतों पर बेचने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है और अब वह न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल में इस्तेमाल होने वाली पिच के प्रत्येक टुकड़े को 450 डॉलर (लगभग 43000 रुपए) की दर से बेच रहा है। फीफा के स्टोर के अनुसार प्रत्येक टुकड़े का आकार 17.5 गुणा 17.5 गुणा 17.5 है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह आंकड़ा इंच, सेंटीमीटर या मिलीमीटर में है। फुटबॉल के शासी निकाय ने यह जानने के लिए भेजे गए ईमेल का तुरंत जवाब नहीं दिया। फीफा की वेबसाइट पर लिखा गया है, ''फुटबॉल इतिहास के एक प्रामाणिक हिस्से को अपने पास संजोकर रखें, जो फीफा विश्व कप 2026 के (फाइनल की) पिच का एक टुकड़ा है।'

खबर संक्षेप

एवियन चैंपियनशिपः अदिति ने कट में बनाई जगह

एवियन-लेस-बैंस। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने दूसरे दौर में एक अंडर 70 का स्कोर बनाकर अमुंडी एवियन चैंपियनशिप के कट में जगह बनाई। लेडीज यूरोपियन टूर में पांच बार की विजेता अदिति का 36 होल के बाद कुल स्कोर दो अंडर है और वह संयुक्त 38वें स्थान पर हैं। अदिति अपना 38वां मेजर टूर्नामेंट खेल रही हैं, जो किसी भी भारतीय पुरुष या महिला गोल्फर के लिए एक बड़ा रिकॉर्ड है। वह इस प्रतियोगिता में नौ बार में से पांचवीं बार कट में जगह बनाने में सफल रही। उन्होंने दूसरे दौर में चार बर्डी लगाई और इस बीच तीन बोगी भी की। इंग्लैंड की लॉटी वोड सात अंडर 64 का शानदार राउंड खेलकर आधे चरण के बाद 11 अंडर-पार के साथ शीर्ष पर पहुंच गई हैं।

गोलकीपर जीते 'गोल्डन बॉल' : सुब्रत पॉल

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज गोलकीपर सुब्रत पॉल का मानना है कि अमेरिका में चल रहा फीफा विश्व कप लियोनेल मेस्सी, किलियन एमबाप्पे, एर्लिंग हालैंड और हैरी केन जैसे स्ट्राइकर के लिए ही नहीं, बल्कि गोलकीपरों के असाधारण प्रदर्शन के लिए भी याद किया जाएगा। भारत की तरफ से 84 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले पॉल का मानना है कि फीफा विश्व कप के अंतिम चरण तक पहुंचने वाली टीमों की सफलता का श्रेय काफी हद तक उनके गोलकीपरों को जाता है। उन्होंने कहा, 'यह विश्व कप पूरी तरह से गोलकीपरों का है। मुझे लगता है कि गोलकीपर मैच जीतने, क्लीन शीट (मैच में एक भी गोल नहीं खाना) हासिल करने और स्कोर बराबर रखने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

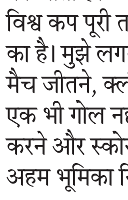

तीरंदाजी : महिला टीम ने जीती चांदी

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम, प्रिथिका प्रदीप और चिकिथा तनीपार्थी की तिकड़ी ने विश्व कप के चौथे चरण की महिला कंपाउंड टीम स्पर्धा के फाइनल में मजबूत कोलंबिया से 228-232 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इस रजत पदक के साथ भारत ने सत्र के अंतिम टूर्नामेंट में अपना खाता खोला। भारतीय दल को दिन में बाद में होने वाले मुकाबलों में पदकों की संख्या बढ़ाने की उम्मीद है। किशोर तीरंदाज प्रिथिका ने महिला कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा के सेमीफाइनल में भी जगह बना ली है और अब उन्हें दोहरा पदक जीतने के लिए केवल एक और जीत की जरूरत है।

प्रिथिका ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

रिकर्व वर्ग में दो पदकों की दौड़ में भारत

भारत रिकर्व वर्ग में भी दो पदकों की दौड़ में बना हुआ है। एक अन्य किशोर तीरंदाज कीर्ति शर्मा भी दोहरा पदक जीतने की उम्मीद लगाए हुए हैं। कीर्ति शर्मा रिकर्व मिश्रित टीम के कांस्य पदक मुकाबले में भारत के नंबर एक तीरंदाज धीरज बोम्मदेवरा के साथ उतरेंगी। साथ ही कीर्ति महिला व्यक्तिगत स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं तो एक और जीत से उनका एक और पदक सुनिश्चित हो जाएगा। महिला कंपाउंड टीम रैंकिंग में दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय टीम ने अप्रैल में मैक्सिको के पुएब्ला में आयोजित तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में स्वर्ण पदक जीता था। हालांकि इस बार वह दुनिया की 14वें नंबर की कोलंबिया के सामने कोई खास चुनौती पेश नहीं कर सकी। कोलंबियाई टीम ने शानदार वापसी करते हुए पूरे दबदबे के साथ खिताब अपने नाम किया। सत्रह वर्षीय प्रिथिका ने छह बार 10 अंक का निशाना लगाया। हालांकि टीम की सबसे बड़ी निराशा अनुभवी ज्योति सुरेखा वेन्नम का खराब प्रदर्शन से हुई, जिन्होंने अपने आठ तीरों में केवल तीन बार 10 अंक हासिल किए।

अनिमेष की 100 मीटर दौड़ में नई उपलब्धि, हासिल किया दूसरा स्थान

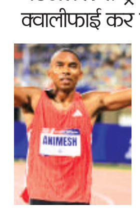

वेटजलर। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुके फर्राटा धावक अनिमेष कुजूर ने विदेशी धरती पर किसी भारतीय का 100 मीटर दौड़ में अब तक का सबसे तेज समय निकालकर 'वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर प्रतियोगिता फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स मीट' में दूसरा स्थान हासिल किया। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने फाइनल में 10.14 सेकंड के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ फिनिश लाइन पार की। उन्होंने इससे पहले क्वालीफाइंग में 10.19 सेकंड का समय निकाला था।

अंतिम टी20 में इंग्लैंड ने भारत को 56 रन से हराया

बटलर और ब्रुक की विस्फोटक पारी इंग्लैंड ने भारत को किया क्लीन स्वीप

एजेंसी ▶▶| साउथम्पटन

जोस बटलर ने अपने पुराने आक्रामक अंदाज की झलक दिखाते हुए शानदार शतक जड़ा, जबकि कप्तान हैरी ब्रुक ने भविष्य के सितारे की तरह बल्लेबाजी करते हुए तूफानी पारी खेली, जिससे इंग्लैंड ने पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत को 56 रन से हराकर 5 मैचों की श्रृंखला में 4-0 की ऐतिहासिक क्लीन स्वीप पूरी कर ली।

बटलर के 64 गेंदों में 131 रन और ब्रुक के 45 गेंदों में नाबाद 95 रन की बदौलत इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 257 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण इस मुकाबले में पूरी तरह बेअसर नजर आया। बटलर और ब्रुक ने दूसरे विकेट के लिए 233 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारियों में शामिल हो गई। विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने इस दौरे के सभी सात टी20 मुकाबलों में अपनी सबसे अच्छी बल्लेबाजी जरूर की, लेकिन जीत के लिए यह प्रयास काफी नहीं था। भारत की पारी 20 ओवर में आठ विकेट पर 201 रन तक ही पहुंच सकी। इशान किशन ने 35 गेंदों में 56 रन और आलोचनाओं का सामना कर रहे तिलक वर्मा ने 25 गेंदों में 53 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका मिला, लेकिन उनकी पारियां टीम को जीत दिलाने में सफल नहीं हो सकीं।

इनियन ने जीता छठा ला प्लाग्ने ओपन

ला प्लाग्ने। भारतीय ग्रैंडमास्टर पी इनियन ने आयोजित छठे ला प्लाग्ने ओपन अंतरराष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट के मास्टर्स वर्ग में अपराजित रहते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। तेईस साल के इनियन ने 9 दौर में 7.5 अंक हासिल कर खिताब जीता। भारतीय खिलाड़ी ने टूर्नामेंट में भी एक भी बाजी नहीं गंवाई। उन्होंने छह मुकाबले जीते और तीन ड्रॉ खेले, जिससे वह स्पष्ट बढ़त के साथ चैंपियन बने। टूर्नामेंट में 20 देशों के 142 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिनमें 13 ग्रैंडमास्टर और 22 अंतरराष्ट्रीय मास्टर शामिल थे। पहले दौर में वॉकओवर मिलने और दूसरे दौर का मुकाबला ड्रॉ रहने के बाद इनियन ने लगातार दो जीत दर्ज कर लय हासिल की।

डायमंड लीगः उपलब्धि हासिल करने वाले बने पहले भारतीय एथलीट

सर्वेश का धमाकेदार डेब्यू, ऊंची कूद में बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| मोनाको

राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक सर्वेश कुशारे ने मोनाको में डायमंड लीग में अपने पदार्पण पर ही तीसरा स्थान हासिल करके ऊंची कूद में यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला भारतीय एथलीट बनकर इतिहास रचा और खुद को विशिष्ट क्लब में शामिल कर दिया।

वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। 31 वर्षीय खिलाड़ी ने कई स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली इस प्रतियोगिता में 2.26 मीटर की कूद लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया। वह पिछले महीने भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप में 2.31 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने के महज दो सप्ताह बाद इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे थे।

शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले चौथे भारतीय बने कुशारे

कुशारे भाला फेंक के सुपरस्टार नीरज चोपड़ा (2022 से 13 बार), लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर (2023 में एक बार) और चक्का फेंक के पूर्व एथलीट विकास गौड़ा (2015 में दो बार) के बाद डायमंड लीग प्रतियोगिता में शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले चौथे भारतीय बन गए हैं। कुशारे ने तीसरे स्थान पर रहकर कतर के तीन बार के विश्व चैंपियन और तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता मुताज़ एस्सा बरशिम और अमेरिका के 2023 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता जुवॉन हैरिसन जैसे स्टार खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा।

डोरोशचुक ने जीता खिताब

बरशिम 2.20 मीटर के प्रयास के साथ संयुक्त आठवें स्थान पर रहे। यूक्रेन के विश्व इंडोर चैंपियन ओलेह डोरोशचुक ने 2.32 मीटर की कूद लगाकर खिताब जीता, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के जैक किमानी 2.30 मीटर की कूद के साथ दूसरे स्थान पर रहे। किमानी तीन प्रयासों में भी 2.32 मीटर की कूद नहीं लगा सके, जबकि डोरोशचुक ने इसे अपने पहले ही प्रयास में हासिल कर दिखाया। किमानी भाग्यशाली रहे क्योंकि वह अपने तीसरे प्रयास में ही 2.16 मीटर की ऊंचाई को पार कर सके थे, जबकि कुशारे ने इसे आसानी से पार कर लिया।

पेज एक का शेष...

विदाई का सही वक्त ...

है। यही जिद, यही आत्मविश्वास और यही अदम्य इच्छाशक्ति उन्हें उन ऊँचाइयों तक ले गई, जहाँ पहुँचना अधिकांश खिलाड़ियों के लिए केवल सपना रह जाता है। इसीलिए आज भी वे ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल तक पहुँच जाते हैं। उनतालीस वर्ष की आयु में भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के बीच खड़े दिखाई देते हैं। यह किसी साधारण खिलाड़ी की उपलब्धि नहीं हो सकती।

लेकिन खेल केवल वहाँ तक पहुँचने का नाम नहीं है। महान खिलाड़ियों की असली पहचान वहाँ होती है, जहाँ वे निर्णायक मुकाबले जीतते हैं। इस कसौटी पर अर्से से महसूस हो रहा है कि जोकोविच अब अव्वल नहीं रहे।

विंबलडन के सेमीफाइनल में दुनिया एक संघर्ष देखना चाहती थी। वह चाहती थी कि अनुभव और युवावस्था का टकराव पाँच सेटों तक जाए। लेकिन कोर्ट पर जो दिखाई दिया, वह एकतरफा था। तीन सेट, तीन बार 6-4, और लगभग पूरे मैच पर सिनर का नियंत्रण। जोकोविच लड़ते हुए ही नहीं दिखे; वे समय का पीछा करते हुए दिखे। जिस जोकोविच के सर्विस रिटर्न की दुनिया दीवानी रही , वह सिनर की सर्विस के आगे असहाय दिखे। पिछले कुछ समय से वह सिनर और अल्कारेज के आगे इतने ही असहाय महसूस होते आ रहे हैं। निस्संदेह, क्वार्टरफाइनल में उन्होंने पाँच घंटे से अधिक का थकाऊ मुकाबला जीतकर अपनी महानता का एक और प्रमाण दिया था।

लेकिन आधुनिक टेनिस किसी एक दिन का खेल नहीं है। यहाँ हर दूसरे दिन शरीर से वही गति, वही विस्फोट और वही ऊर्जा माँगी जाती है। यदि बहत्तर घंटे पहले खेला गया एक लंबा मैच सेमीफाइनल में आपकी सबसे बड़ी कमजोरी बन जाए, तो समझ लेना चाहिए कि प्रतिद्वंद्वी नहीं, समय आपको चुनौती दे रहा है। समय पर सही फैसला ही इतिहास में आपको अमरता दिलाता है।

भारतीय क्रिकेट इस संदर्भ में दो विपरीत उदाहरण देता है। सुनील गावस्कर ने संन्यास उस समय लिया जब लोग उन्हें रोकना चाहते थे। अपने अंतिम एकदिवसीय मैच से ठीक पहले वाले मैच में उन्होंने करियर का एकमात्र वनडे शतक लगाया था। अंतिम टेस्ट मैच में भी पाकिस्तान के तेज आक्रमण के सामने उन्होंने 96 रन बनाकर यह साबित कर दिया था कि उनके भीतर अभी भी बहुत क्रिकेट बाकी है। तब लोगों ने पूछा/"इतनी जल्दी क्यों?/"लेकिन उन्होंने अपने शरीर की क्षमता को भांपते हुए बल्ला रख दिया था।

दूसरी ओर कपिल देव थे। विश्व कप विजेता कप्तान, भारतीय क्रिकेट के महानतम ऑलराउंडरों में एक। लेकिन रिचर्ड हैडली के विकेटों का विश्व रिकॉर्ड तोड़ने की चाह में वे अपेक्षा से अधिक समय तक खेलते रहे। तब सवाल बदल गया/"अब तक क्यों?/"

महान खिलाड़ियों के सामने अंततः यही दो रास्ते होते हैं। या तो लोग कहें/"अभी क्यों जा रहे हो?/" या फिर कहें/"अब तक क्यों रुके हो?/"

नोवाक जोकोविच आज इसी चौराहे पर खड़े हैं। उनकी उपलब्धियां किसी प्रमाणपत्र की मोहताज नहीं। सबसे अधिक ग्रैंड स्लैम, सबसे अधिक संघर्षपूर्ण जीतें और सबसे अधिक वापसी की कहानियाँ का वह हिस्सा हैं। उन्होंने टेनिस के इतिहास को नई परिभाषाएँ दी हैं। लेकिन हर महान खिलाड़ी की विरासत उसकी अंतिम ट्रॉफी से नहीं, उसके अंतिम निर्णय से भी तय होती है।

सिनर और अल्काराज अब भविष्य नहीं हैं। वे वर्तमान हैं। खेल की धारा आगे बढ़ चुकी है। पुरानी पीढ़ी का सम्मान तभी अक्षुण्ण रहता है, जब वह नई पीढ़ी के लिए मंच भी सम्मानपूर्वक छोड़ती है।

शायद समय आ गया है कि बिग थ्री का अंतिम अध्याय भी उसी गरिमा के साथ लिखा जाए, जैसी गरिमा से उसके अभी तक अध्याय लिखे गए । क्योंकि कुछ खिलाड़ी हारकर छोटे नहीं होते। वे केवल समय को जीतने की कोशिश करते-करते यह भूल जाते हैं कि समय से कोई नहीं जीतता।

और सच तो यह है कि जो समय की आहट सुन ले, वही सबसे बड़ा विजेता होता है।

शीर्ष दो खिलाड़ियों ...

अल्काराज़ नहीं, बल्कि फ्रेंच ओपन के नए चैंपियन अलेक्जेंडर ज़्वेरेव हैं। पेरिस की लाल मिट्टी पर ग्रैंड स्लैम जीतने के बाद अब ज़्वेरेव की परीक्षा विम्बलडन की हरी घास पर होगी, जबकि दूसरी ओर गत चैंपियन और विश्व नंबर एक यानिक सिनर अपने ताज को बचाने के इरादे से उतरेंगे। दोनों की मौजूदा फॉर्म, रैंकिंग और दांव पर लगी प्रतिष्ठा को देखते हुए टेनिस प्रेमियों को एक रोमांचक और उच्चस्तरीय मुकाबले की उम्मीद है। हालाँकि, एक दिलचस्प संयोग यह भी है कि जिस समय दुनिया भर के टेनिस प्रेमियों की निगाहें विम्बलडन पर टिकी हैं, उसी समय ब्रिटेन का खेल माहौल कुछ अलग कहानी कह रहा है। इंग्लैंड की फुटबॉल टीम विश्व कप के अहम मुकाबलों में व्यस्त है, इसलिए लंदन और पूरे इंग्लैंड में चर्चा का सबसे बड़ा विषय विम्बलडन नहीं, बल्कि फुटबॉल है। यह खेल संस्कृति की वही खूबसूरती है, जहाँ एक ओर सेंटर कोर्ट पर इतिहास लिखने की तैयारी है, तो दूसरी ओर फुटबॉल का जुनून लोगों की धड़कनों पर राज कर रहा है।

गुंजन फाउंडेशन की अनूठी प्रस्तुति
दिल ने फिर याद किया...

'खामोश आवाज' को सुरीली श्रद्धांजलि....

अजहुं न आए बलमा.... से हुआ शाम का आगाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में शनिवार की शाम कुछ खास थी, लीक से हटकर संगीत के लिए कुछ अलग करने वाले गुंजन फाउंडेशन के सभागार में कैलाश यादव के सौजन्य से फिल्मी नगमों की एक ऐसी महफिल सजाई गई थी, जिसमें हाल ही में खामोश हुई एक आवाज को सुरीले अंदाज में फाउंडेशन से जुड़े गायक गायिकाओं ने श्रद्धांजलि दी। यह खामोश आवाज थी प्रसिद्ध पार्श्व गायिका सुमन कल्याणपुर की, जिन्होंने हाल ही में 31 मई को हम सबको अलविदा कह दिया। उनके ही गाये गीतों को गुंजन फाउंडेशन के गायकों ने अपनी आवाज में पेश कर उनकी याद को ताजा कर दिया।

गीत प्रस्तुत करतीं रचना साहू एवं हर्षा दवे।

मो. रफी सुमन कल्याणपुर का गीत पेश करते कैलाश व डॉ. संध्या।

इस सुरीली शाम का आगाज सुमन कल्याणपुर के हिट गीत अजहुं न आए बलमा...., गीत से हुआ, जिसे कैलाश यादव और डॉ संध्या गद्रे ने अपने सुरों से सजाया। दिल ने फिर याद किया .....जैसे सदाबहार गीत को अकादमी के तीन सिंगर प्रभाकांत कटारे, रंजीव साहनी और माया ने अपनी आवाज में पेश किया तो रीटा देराश्री, मधु तिवारी, स्मिता निगम ने भी इसी गीत को आवाज दी। दीपक आसाई और अरुणा साहनी ने न तुम हमें जानो..... गीत गाया तो वहीं तुमने पुकारा और हम चले आये... को मृदुल खरे और डॉ वीणा श्रीवास्तव ने अपनी आवाज में पिरोया। अन्य गीतों को सुनील श्रीवास्तव एवं निशा श्रीवास्तव, हर्षा दवे, रेनू मोरांडनी समेत अनेक गायकों ने भी अपनी आवाज दी।

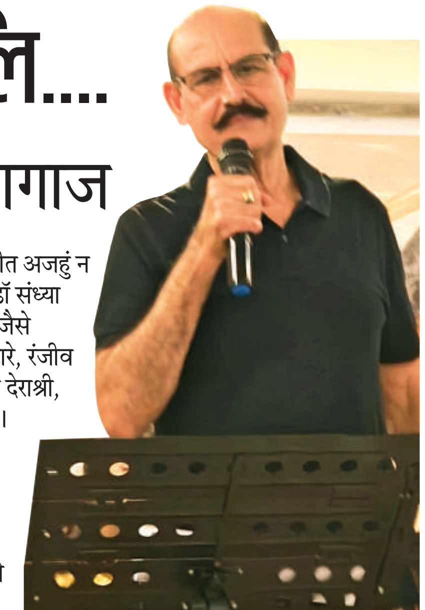
दिल ने फिर याद किया फिल्म का गीत प्रस्तुत करते प्रभाकांत कटारे।

रिश्तों, भावनाओं और पारिवारिक संघर्षों की संवेदनशील प्रस्तुति

मानवीय मनोविज्ञान, संवेदनाओं से परिपूर्ण 'आरक्त क्षण' का मंचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शनिवार की शाम प्रतिष्ठित रंग संस्था कारवां ने लेखक, निर्देशक मो. नजीर कुरैशी के निर्देशन में महेश एलकुंचवार के नाटक 'आरक्त क्षण' का मंचन लिटिल बैले में किया। यह नाटक एक साधारण परिवार के एक दिन की कहानी है, जो रिश्तों, भावनाओं और पारिवारिक संघर्षों को संवेदनशीलता से प्रस्तुत करता है। परिवार में बाबूजी, पद्मा, बेटी लीला और पेइंग गेस्ट राजू हैं। धीरे-धीरे पता चलता है कि परिवार का बेटा शशि सेना में शहीद हो चुका है और उसकी 23वीं पुण्यतिथि पर सभी उसे याद कर रहे हैं।

जीवन के संकटपूर्ण क्षणों में परिवार हमेशा साथ होता है

कहानी में आगे दर्शाया कि रजोनिवृत्ति (मेनोपॉज) के दौर से गुजर रही पद्मा खुद को अकेला महसूस करती है और पेइंग गेस्ट राजू में अपने बेटे की छवि देखने लगती है। वहीं राजू उसके स्नेह को अलग नजरिए से समझता है, जिससे परिवार में गलतफहमियां और तनाव बढ़ने लगता है। मां-बेटी के रिश्तों में भी खटास आ जाती है। नाटक के अंत में यह संदेश उभरकर सामने आता है कि रिश्तों में मतभेद और परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, जीवन के संकटपूर्ण क्षणों में परिवार और जीवनसाथी ही सबसे मजबूत सहारा बनते हैं। यही इस प्रस्तुति का सबसे प्रभावशाली पक्ष है।

प्रभावी भूमिका

निर्देशक नजीर कुरैशी ने अपने अनुभव का भरपूर इस्तेमाल करते हुये नाटक के मूल भाव संवेदनाओं और भावों को उभारा है, कई भावपूर्ण दृश्यों प्रभावी बनाने में पुनीत वर्मा के संगीत और बृजेश अनय के प्रकाश ने भी अहम भूमिका निभाई है। अभिनय प्रधान इस नाटक में महज चार कलाकारों नेअपनी भूमिकाओं से दर्शकों का दिल जीत लिया।

रवींद्र भवन में आयोजित 'खुशियां बाय लक्ष्य माहेश्वरी' में कहानियों ने छुए दिल

लक्ष्य की दिलचस्प कहानियों ने श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शनिवार शाम रवींद्र भवन में आयोजित 'खुशियां बाय लक्ष्य माहेश्वरी' श्रोताओं को भावनाओं, अनुभवों और जीवन की सच्चाइयों से भरी एक यादगार यात्रा पर ले गया। अपनी सहज शैली और प्रभावशाली कहानी कहने की कला से लक्ष्य माहेश्वरी ने ऐसा समां बांधा कि श्रोता घंटों तक पूरे मनोयोग से उनकी प्रस्तुतियां सुनते रहे।

छोटी-छोटी खुशियों को संजोने का दिया संदेश

'खुशियां' केवल एक स्टोरीटेलिंग शो नहीं रहा, बल्कि जीवन को सकारात्मक नजरिए से देखने और छोटी-छोटी खुशियों को संजोने का संदेश देने वाली एक प्रेरणादायक संध्या बन गया। लक्ष्य माहेश्वरी की प्रभावशाली प्रस्तुति ने दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी।

जीवन से जुड़े छोटे-छोटे अनुभवों को किया साझा

कार्यक्रम में लक्ष्य ने जीवन से जुड़े छोटे-छोटे अनुभवों, रिश्तों की अहमियत, संघर्ष, उम्मीद और दिल को छू लेने वाले पलों को बेहद संवेदनशील अंदाज में प्रस्तुत किया। उनकी हर कहानी ने श्रोताओं को कभी मुस्कुराने पर मजबूर किया तो कभी भावुक कर दिया। सभागार में कई बार तालियों की गूंज सुनाई दी और श्रोताओं ने हर प्रस्तुति का गर्मजोशी से स्वागत किया।

बीएनआई भोपाल के 8वें चैप्टर 'फिनिक्स' की लॉन्चिंग में बोले प्रदीप करम्बेलकर

बीएनआई ने पिछले 12 महीनों में बिजनेस रेफरल के माध्यम से किया 400 करोड़ का बिजनेस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बिजनेस नेटवर्क इंटरनेशनल इंडिया (बीएनआई) भोपाल के आठवें चैप्टर 'बीएनआई फिनिक्स' का शुभारंभ शहर के एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में किया गया। समारोह में बीएनआई भोपाल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रदीप करम्बेलकर ने संगठन की कार्यप्रणाली, उद्देश्य और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रदीप करम्बेलकर ने कहा कि बीएनआई की अंतरराष्ट्रीय थीम 'चेंजिंग द वे द वर्ल्ड डज़ बिजनेस' है, जबकि बीएनआई भोपाल का ध्येय वाक्य 'ट्रांसफॉर्मिंग एडमिनिस्ट्रेटिव सिटी टू अ बिजनेस सिटी' है।

भोपाल को मजबूत कारोबारी पहचान दिलाना है उद्देश्य

उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य भोपाल को केवल प्रशासनिक शहर तक सीमित न रखते हुए उसे एक मजबूत कारोबारी पहचान दिलाना है। इसके लिए स्थानीय उद्यमियों, उद्योगपतियों और व्यवसायियों को एक साझा मंच पर लाकर उनके बीच नेटवर्किंग और व्यावसायिक सहयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है।

रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

मानवीय मूल्यों को संरक्षित करने का सशक्त माध्यम है पत्रकारिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) में हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के अंतिम दिन पत्रकारिता, संस्कृति और कला के अंतर्संबंधों पर व्यापक चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक चेतना और मानवीय मूल्यों को संरक्षित करने का सशक्त माध्यम भी है।

संवेदनशील पत्रकारिता समय की आवश्यकता

वक्ताओं ने कहा कि मुख्यधारा की पत्रकारिता में कला और संस्कृति को अधिक स्थान मिलना चाहिए तथा गुणवत्तापूर्ण और संवेदनशील पत्रकारिता समय की आवश्यकता है। डिजिटल पत्रकारिता पर आयोजित सत्र में एआई, तकनीकी बदलाव और उससे जुड़ी चुनौतियों पर भी गंभीर चर्चा हुई। समापन अवसर पर अतिथियों का सम्मान किया गया।

इनकी रही उपस्थिति

साहित्यकार संतोष चौबे की विशेष उपस्थिति रही, जबकि विनय उपाध्याय ने विषय की भूमिका रखी। विभिन्न सत्रों में प्रयाग शुक्ल, अशोक भौमिक, अजय ब्रह्मात्मज, रवीन्द्र त्रिपाठी, शकील अख्तर, अजय बोकिल, डॉ. श्रीराम परिहार सहित अनेक विशेषज्ञों ने सांस्कृतिक, फिल्म पत्रकारिता, डिजिटल मीडिया और कला-साहित्य की बदलती भूमिका पर विचार व्यक्त किए।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930